राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

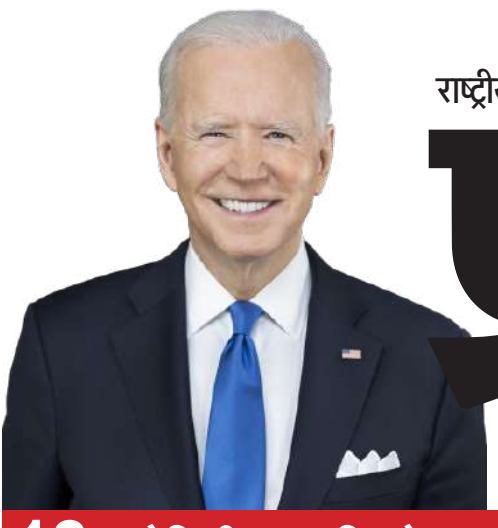

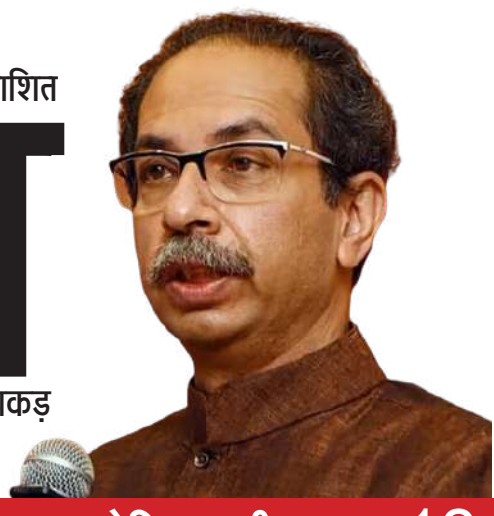

12 अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने दो भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिको.....

उद्धव ठाकरे बोले- देश को मजबूत सरकार की जरूरत, लेकिन भारी..... 12

वर्ष : 14 | अंक : 164 | नई दिल्ली, गुरूवार, 26 अक्टूबर, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

प्रधानमंत्री महाराष्ट्र में कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और गोवा में राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र का दौरा करेंगे और इस दौरान 'नमो शेतकारी महासम्मान निधि योजना' की शुरूआत करेंगे तथा महाराष्ट्र में लगभग 7,500 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और कुछ की आधारशिला रखेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री गोवा का दौरा करेंगे जहां पहली बार आयोजित किए जा रहे 37वें राष्ट्रीय खेलों का वह उद्घाटन भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से बुधवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। पीएमओ ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे प्रधानमंत्री शिरडी पहुंचेंगे, जहां वह श्री साईंबाबा समाधि मंदिर में पूजा और दर्शन करेंगे तथा मंदिर में नए दर्शन कतार परिसर का भी उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री निलवंडे बांध का जल पूजन करेंगे और बांध का एक नहर नेटवर्क राष्ट्र को समर्पित करेंगे। शिरडी में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में वह स्वास्थ्य, रेल, सड़क और तेल एवं गैस जैसे क्षेत्रों में करीब 7500 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, कुछ को राष्ट्र को समर्पित करेंगे और कुछ अन्य का शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री शिरडी में जिस दर्शन कतार परिसर का उद्घाटन करेंगे, उसकी आधारशिला उन्होंने अक्टूबर, 2018 में रखी थी। प्रधानमंत्री जिस निलवंडे बांध के बाएं किनारे (85 किमी) नहर नेटवर्क को राष्ट्र को समर्पित करेंगे वह पानी के पाइप वितरण नेटवर्क की सुविधा

प्रदान करके 7 तहसीलों (अहमदनगर जिले में 6 और नासिक जिले से 1) के 182 गांवों को लाभान्वित करेगा। पीएमओ ने कहा कि निलवंडे बांध का विचार पहली बार 1970 में आया था। इसे करीब 5177 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है। सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ह्यनमो शेतकारी महासम्मान निधि योजनाह्ल की शुरूआत करेंगे। इस योजना से महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के 86 लाख से अधिक लाभार्थियों को प्रति वर्ष 6,000 रुपये की अतिरिक्त राशि प्रदान करके लाभान्वित किया जाएगा। प्रधानमंत्री अहमदनगर सिविल अस्पताल में आयुष अस्पताल सहित कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और कई को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री अहमदनगर सिविल अस्पताल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग की आधारशिला रखेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड और स्वामित्व कार्ड भी वितरित करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री गोवा के लिए रवाना हो जाएंगे जहां वह मडगांव स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 37वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन करेंगे। वह खेलों में भाग लेने वाले एथलीटों को भी संबोधित करेंगे। राष्ट्रीय खेल पहली बार गोवा में आयोजित किए जा रहे हैं। खेलों का आयोजन 26 अक्टूबर से 9 नवंबर तक किया जाएगा। देश भर से 10,000 से अधिक एथलीट 28 स्थानों पर 43 से अधिक खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

मौसम

अधिकतम तापमान 35.6°C

न्यूनतम तापमान 26.9°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां 30%

नहीं 50%

कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 61,140

चांदी 73,500

सेंसेक्स 67,597

निफ्टी 20,133

संक्षिप्त खबरें

महाराष्ट्र में देसी पिस्तौल, 11 जिंदा कारतूस के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

महाराष्ट्र के बांद्रा उपनगर में दो देसी पिस्तौल और 11 जिंदा कारतूस के साथ 27 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। शहर में शिवसेना के दोनों गुटों की दशहरा रैली, दुर्गा मूर्ति विसर्जन और क्रिकेट विश्व कप मुकाबले को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच मंगलवार को रंगशारदा भवन के करीब यह गिरफ्तारी की गई। अधिकारी के मुताबिक, आरोपी की पहचान अमित किनाके के रूप में हुई है, जो नागपुर का रहने वाला है। उन्होंने कहा, खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा ने किनाके को दबोच लिया और उसके पास से स्टील एवं लोहे से बनी देसी पिस्तौल तथा 11 जिंदा कारतूस बरामद किए। अधिकारी ने अनुसार, पुलिस जांच में जुटी है कि किनाके ये हथियार किसे देने जा रहा था। उन्होंने बताया कि किनाके के खिलाफ शस्त्र अधिनियम और मुंबई पुलिस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मोदी ने द्वारका में देखी रामलीला

समाज में भेदभाव दूर करने के संकल्प का किया आह्वान

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को राजधानी के द्वारका में विजयादशमी उत्सव में भाग लेते हुए देशवासियों से भेद-भाव और अन्य सामाजिक बुराइयों को राष्ट्रभक्ति की भावना से पराजित करने तथा गरीबों की मदद करने संकल्प लेने का आह्वान किया। श्री मोदी ने उत्सव में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए देशवासियों को शक्ति उपासन पर्व नवरात्र और विजय पर्व विजियादशमी की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने अर्थ से लेकर अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की नई उड़ानों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के भाग्य का उदय होने जा रहा है. ऐसे समय में भारत को सतर्क रहना ज्यादा जरूरी है। उन्होंने अपील की कि रावण के दहन के रूप में बस एक पुतले का दहन ना करें, हर उस बुराई को समाप्त करें जो देश के सौहार्द को तोड़ती है। श्री मोदी ने कहा, विजयादशमी का पर्व सिर्फ रावण पर राम की विजय का पर्व नहीं, राष्ट्र की हर बुराई पर राष्ट्रभक्ति की विजय का पर्व बनना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें समाज में बुराइयों के, भेदभाव के अंत का संकल्प लेना चाहिए। श्री मोदी ने सियावर राम चन्द्र की जय के उद्घोष के साथ कहा कि विजयादशमी का पर्व अन्याय पर न्याय की विजय अहंकार पर विनम्रता की विजय और आवेश पर धैर्य की विजय का पर्व है। उन्होंने समर्थ लोगों से गरीब परिवारों की मदद का आह्वान करते हुए कहा,हम उनके घर का सदस्य बनकर कम से कम एक गरीब परिवार की सामाजिक स्थिति को ऊपर उठाएंगे। प्रधानमंत्री ने निष्कर्ष निकाला कि ह्यजब तक देश में एक भी गरीब व्यक्ति है जिसके पास बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं, घर नहीं है, बिजली नहीं है, गैस नहीं है, पानी नहीं है, इलाज की सुविधा नहीं है, हम आराम से नहीं रह सकते। प्रधानमंत्री ने कहा, विजयादशमी तब मना रहे हैं जब चन्द्रमा पर हमारी विजय को दो महीने पूरे हो रहे है। श्री मोदी ने कहा कि विजयादशमी भगवान राम की वापसी के समान है। उन्होंने कहा कि भारत में शगुन हो रहे हैं, हम चांद पर पहुंच गए, हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाले हैं, नया संसद भवन बन गया है, महिला आरक्षण विधेयक पारित हो गया है और इस समय पूरी दुनिया लोकतंत्र की जननी को देख रही है।प्रधान मंत्री ने भारत के लिए अगले 25 वर्षों के महत्व को दोहराया। उन्होंने क हमें भगवान राम के विचारों का भारत बनाना है। एक विकसित भारत, जो आत्मनिर्भर हो, एक विकसित भारत, जो विश्व शांति का संदेश देता हो, एक विकसित भारत, जहां सभी को अपने सपनों को पूरा करने का समान अधिकार हो, एक विकसित भारत, जहां लोगों को समृद्धि और संतुष्टि का एहसास हो। यह राम राज की परिकल्पना है। इसी आलोक में प्रधानमंत्री ने सभी से पानी बचाने, डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने, स्वच्छता, लोकल के लिए वोकल, गुणवत्तापूर्ण उत्पाद बनाने, विदेश के बारे में सोचने से पहले देश को देखने, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, बाजरा को बढ़ावा देने और फिटनेस अपनाने जैसे 10 संकल्प लेने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विजया दशमी पर शस्त्र की पूजा का भी विधान है। भारत की धरती पर शस्त्रों की पूजा किसी भूमि पर आधिपत्य नहीं बल्कि उसकी रक्षा के लिए शस्त्र पूजा की जाती है। उन्होंने कहा कि हमारी शक्ति पूजा हमारे लिए नहीं पूरी सृष्टि के सौभाग्य, आरोग्य सुख विजय और यश के लिए की जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा, हम श्रीराम की मयार्दा जानते है और अपनी सीमाओं की रक्षा करना भी जानते हैं। उन्होंने कहा कि हमें सौभाग्य मिला है भगवान राम का भव्य मंदिर बनता देख पा रहे है और अयोध्या की अगली राम नवमी पर रामलला के मंदिर पर गूंजा हर स्वर पूरे विश्व को हर्षित करने वाला है। भगवान राम की जन्म भूमि पर बन रहा भव्य मंदिर सदियों की प्रतिक्षा के बाद हम भारतीयों को मिली विजय का प्रतीक है। राम मंदिर में भगवान राम के विराजने पर कुछ ही महीन बचे हैं। श्री मोदी ने कहा, साथियों उस हर्ष की परिकल्पना कीजिये जब शताब्दियों के बाद भगवान राम के मंदिर में उनकी मूर्ति बिराजेगी।

देशभर में धूमधाम से मनायी गयी विजयादशमी

नई दिल्ली, एजेंसी

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक विजयादशमी का त्योहार मंगलवार को पूरे देशभर में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को बधाई दी। श्रीमती मुर्मू ने कहा,दशहरा के पावन त्योहार पर सभी देशवासियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने एक्स पर लिखा,दशहरा, जिसे विजयादशमी के रूप में भी मनाया जाता है, हमें सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस पावन पर्व पर मेरी मंगल कामना है कि हम सब पूरी मानवता के कल्याण की भावना के साथ सत्य और न्याय के पथ पर आगे बढ़ते रहें। वहीं, श्री मोदी ने भी विजयादशमी के पर्व पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर कहा, देशभर के मेरे परिवारजनों को विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं। यह पावन पर्व नकारात्मक शक्तियों के अंत के साथ ही जीवन में अच्छाई को अपनाने का संदेश लेकर आता है। श्री मोदी ने मंगलवार को राजधानी के द्वारका में विजयादशमी उत्सव में भाग लेते हुए देशवासियों से भेद-भाव और अन्य सामाजिक बुराइयों को राष्ट्रभक्ति की भावना से पराजित करने तथा गरीबों की मदद करने संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने उत्सव में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए देशवासियों को शक्ति उपासन पर्व नवरात्र और विजय पर्व विजियादशमी की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने अर्थ से लेकर अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की नई उड़ानों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के भाग्य का उदय होने जा रहा है. ऐसे समय में भारत को सतर्क रहना ज्यादा जरूरी है। उन्होंने अपील की कि रावण के दहन के रूप में बस एक पुतले का दहन ना करें, हर उस बुराई को समाप्त करें जो देश के सौहार्द को तोड़ती है। श्री मोदी ने कहा, विजयादशमी का पर्व सिर्फ रावण पर राम की विजय का पर्व नहीं, राष्ट्र की हर बुराई पर राष्ट्रभक्ति की विजय का पर्व बनना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें समाज में बुराइयों के, भेदभाव के अंत का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने सियावर राम चन्द्र की जय के उद्घोष के साथ कहा कि विजयादशमी का पर्व अन्याय पर न्याय की विजय अहंकार पर विनम्रता की विजय और आवेश पर धैर्य की विजय का पर्व है। उन्होंने समर्थ लोगों से गरीब परिवारों की मदद का आह्वान करते हुए कहा, हम उनके घर का सदस्य बनकर कम से कम एक गरीब परिवार की सामाजिक स्थिति को ऊपर उठाएंगे। प्रधानमंत्री ने निष्कर्ष निकाला कि जब तक देश में एक भी गरीब व्यक्ति है जिसके पास बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं, घर नहीं है, बिजली नहीं है, गैस नहीं है, पानी नहीं है, इलाज की सुविधा नहीं है, हम आराम से नहीं रह सकते। उन्होंने कहा, विजयादशमी तब मना रहे हैं जब चन्द्रमा पर हमारी विजय को दो महीने पूरे हो रहे है।

सरकार के कुप्रबंधन से अर्थव्यवस्था बदहाल, अधिकतर परेशान : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने भारतीय रिजर्व बैंक के बुलेटिन का हवाला देते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के कुप्रबंधन के कारण देश की अर्थव्यवस्था बदहाल है और अधिकतर भारतीय परेशान हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि सरकार आंकड़ो को छिपाने और जनता को गुमराह करने का पूरा प्रयास कर रही है, लेकिल तथ्य झूठ नहीं बोल सकते। रमेश ने एक बयान में कहा, "अक्टूबर, 2023 का आरबीआई बुलेटिन बेहद चिंताजनक आर्थिक चलन को दिखाता है। मोदी सरकार ने भारत की अर्थव्यवस्था का जिस तरह से लगातार कुप्रबंधन किया है वो इस बुलेटिन में स्पष्ट रूप से दिख रहा है।" उन्होंने कहा, "याद कीजिए कि सितंबर 2023 के बुलेटिन में कई नकारात्मक सूचकांक सामने आए थे। उनमें घरेलू बचत का 47 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंचना, निजी क्षेत्र के लिए घरेलू ऋण में स्थिरता और श्रम-बल भागीदारी में ठहराव आदि शामिल थे। ये रुझान या तो वैसे ही बने हुए हैं, या और भी ज्यादा बिगड़ गए हैं।" उनका कहना था, "शुद्ध घरेलू बचत में कमी आने का एक प्रमुख कारण यह है कि घरेलू देनदारियों में भारी बढ़ोतरी हुई है। वित्त मंत्रालय ने गुमराह करने के लिए दावा किया था कि यह बढ़ोतरी गृह और वाहन ऋण के कारण है जबकि आरबीआई के सितंबर के बुलेटिन ने स्पष्ट रूप से दिखाया था कि सोने के बदले कर्ज में 23 प्रतिशत और व्यक्तिगत ऋण में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। आरबीआई का अक्टूबर का बुलेटिन इसकी पुष्टि करता है।" रमेश ने दावा किया कि अगस्त, 2023 में बैंक से लिए गए कुल लोन में सबसे ज्यादा व्यक्तिगत ऋण लिए गए। उनका कहना है, "इस बीच, औद्योगिक क्षेत्र की ऋण वृद्धि, जो निवेश और आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है, धीमी हो रही है। अगस्त 2023 में यह केवल 6.1 प्रतिशत थी। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग आधी और 2013 की सिर्फ.एक-तिहाई है। इस बीच, उद्योग के लिए बैंक ऋण का हिस्सा मोदी सरकार द्वारा आधा कर दिया गया है झ 2013 में गैर-खाद्य ऋण 46 प्रतिशत था जो 2023 में केवल 24 प्रतिशत रह गया।" कांग्रेस नेता ने कहा कि महंगाई दर 6.8 प्रतिशत के साथ नियंत्रण से बाहर है जो यह रिजर्व बैंक के चार प्रतिशत के लक्ष्य से काफी ऊपर है। उन्होंने दावा किया, "एक तरफ प्रधानमंत्री दूसरों को 'रेवड़ी' और राजकोषीय ज़िम्मेदारियों को लेकर प्रवचन देते हैं। दूसरी तरफ, मोदी सरकार का ही राजकोषीय घाटा तेजी से बढ़ता जा रहा है। पिछले वर्ष यह लगभग 20 प्रतिशत बढ़ा है। 2023-24 की पहली तिमाही में यह बढ़कर 6.4 लाख करोड़ रू से ज्यादा हो गया।" रमेश ने कहा, "हर महीने जारी होने वाला आरबीआई बुलेटिन मोदी सरकार के लिए एक रिमाइंडर होना चाहिए कि वह चाहे जितना डेटा को छिपाने और जनता को गुमराह करने की कोशिश करे, बुनियादी तथ्य झूठ नहीं बोलते हैं- अर्थव्यवस्था पूरी तरह से बदहाल है और अधिकतर भारतीय पीड़ित हैं।"

प्रेम और करुणा के बिना मानवता जीवित नहीं रह सकती : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा आयोजित अंतर्धार्मिक बैठक में कहा कि प्रेम और करुणा के बिना मानवता जीवित नहीं रह सकती। राष्ट्रपति ने कहा कि जब विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ मिल-जुलकर रहते हैं तो समाज और देश का सामाजिक ताना-बाना मजबूत होता है। यही ताकत देश की एकता को और मजबूत करती है और प्रगति के पथ पर ले जाती है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य 2047 तक भारत को एक विकसित देश के रूप में स्थापित करना है, इस लक्ष्य को हासिल करने में सभी का सहयोग आवश्यक होगा। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि धर्म हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। धार्मिक मान्यताएं और प्रथाएं हमें विपरीत परिस्थितियों में राहत, आशा और शक्ति प्रदान करती हैं। प्रार्थना, ध्यान और अनुष्ठान मनुष्य को आंतरिक शांति और भावनात्मक स्थिरता का अनुभव करने में मदद करते हैं लेकिन शांति, प्रेम, पवित्रता और सच्चाई जैसे मौलिक आध्यात्मिक मूल्य ही हमारे जीवन को सार्थक बनाते हैं। इन मूल्यों से रहित धार्मिक प्रथाएं हमारा कल्याण नहीं कर सकती हैं। समाज में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए सहिष्णुता, एक-दूसरे के प्रति सम्मान और सौहार्द्र के महत्व को समझना आवश्यक है। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रत्येक मानव आत्मा स्नेह और सम्मान की पात्र है। स्वयं को पहचानना, अपने मूल आध्यात्मिक गुणों के अनुसार जीवन जीना और ईश्वर के साथ आध्यात्मिक संबंध रखना ही सांप्रदायिक सद्भाव और भावनात्मक एकीकरण का सहज साधन है।

दिल्ली की वायु प्रदूषण को रोकने के लिए 'स्प्रेसेंट पाउडर' मिलाकर पानी का छिड़काव करने का फैसला किया गया.....

दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब, कोई राहत की उम्मीद नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक बुधवार को लगातार तीसरे दिन 'खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया और अगले कुछ दिनों में किसी बड़ी राहत की उम्मीद नहीं है। निगरानी एजेंसियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह 10 बजे 238 था जो मंगलवार शाम करीब चार बजे के एक्यूआई 220 से अधिक है। औसत एक्यूआई पड़ोसी गाजियाबाद में 196, फरीदाबाद में 258, गुरुग्राम में 176, नोएडा में 200 और ग्रेटर नोएडा में 248 था। दिल्ली के लिए केंद्र की वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता अगले चार से पांच दिन 'खराब' और 'बेहद खराब' की श्रेणी में रहने की आशंका है। शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 और 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बेहद खराब' तथा 401 और 500 के बीच 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता मई के बाद से पहली बार रविवार को 'बेहद खराब' श्रेणी में दर्ज की गई जो मुख्यतः तापमान में गिरावट और हवा की धीमी गति के कारण हुई। हवा की तेज गति के कारण प्रदूषक तत्व छंट जाते हैं। मंगलवार को दशहरे के अवसर पर दिल्ली के कई हिस्सों में पटाखे जलाए जाने की सूचना मिली। पिछले तीन साल की तरह इस बार भी पिछले महीने राष्ट्रीय राजधानी के भीतर पटाखों के निर्माण, बिक्री, भंडारण और इस्तेमाल पर व्यापक प्रतिबंध की घोषणा की गई थी। पटाखे जलाने के चलन को हतोत्साहित करने के लिए जल्द 'पटाखे नहीं दिए जलाओ'

नामक जन जागरुकता कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों और पटाखों एवं पराली जलाने की घटनाओं के साथ प्रदूषण के स्थानीय स्रोतों के कारण दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की वायु गुणवत्ता हर साल दिवाली के आस पास खतरनाक स्तर पर पहुंच जाती है। दिल्ली सरकार ने सोमवार को सभी जिलाधिकारियों को अपने अपने क्षेत्र में सभी प्रदूषण रोकथाम उपायों को कड़ाई से लागू करने का निर्देश दिया था। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण के ज्यादा स्तर वाले वर्तमान 13 प्रदूषण 'हॉटस्पॉट' के अलावा आठ और ऐसे 'हॉटस्पॉट' की पहचान की है तथा प्रदूषण के स्रोतों पर लगाम के लिए विशेष टीम को नियुक्त किया जाएगा। राय ने कहा कि सरकार ने दिल्ली में धूल कणों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए 'स्प्रेसेंट पाउडर' मिलाकर पानी का छिड़काव करने का फैसला किया गया है। 'डस्ट स्प्रेसेंट' में रासायनिक एजेंट जैसे कि कैल्शियम क्लोराइड, मैग्नेशियम क्लोराइड, लिग्नोसल्फोनेट्स और विभिन्न पॉलीमर हो सकते हैं। ये रसायन महीन धूलकणों को आपस में बांधते हैं और इन्हें वायु में प्रदूषण कण के रूप में घुलने से रोकते हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार 26 अक्टूबर से वाहन प्रदूषण को रोकने के लिए फिर से एक अभियान शुरू करेगी। एक साल पहले उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने इसकी प्रभावशीलता पर सवाल उठाते हुए इसे रोक दिया था। दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग में सूत्रों ने कहा कि इस साल "रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ" अभियान के लिए उपराज्यपाल की अनुमति आवश्यक नहीं होगी क्योंकि पिछली बार की तरह इस बार प्रतिभागियों को कोई मानदेय नहीं मिलेगा। केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान के 2019 के अध्ययन के अनुसार सड़क पर रेड सिग्नल पर इंजन को चालू रखने से प्रदूषण का स्तर नौ प्रतिशत अधिक बढ़ सकता है। ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) नामक प्रदूषण नियंत्रण योजना को सक्रिय रूप से लागू करने के लिए जिम्मेदार वैधानिक निकाय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शनिवार को एनसीआर में अधिकारियों को निजी परिवहन को हतोत्साहित करने के लिए पार्किंग शुल्क बढ़ाने तथा प्रदूषण के स्तर में संभावित वृद्धि के बीच सीएनजी (संपीड़ित प्राकृति गैस) या इलेक्ट्रिक बसों और मेट्रो ट्रेनों की सेवाएं बढ़ाने का निर्देश दिया था।

राजकुमार राव बनेंगे चुनाव आयोग के 'राष्ट्रीय आइकन'

नई दिल्ली, एजेंसी

चुनाव आयोग ने फिल्म अभिनेता राजकुमार राव को राष्ट्रीय आइकन बनाया है। गुरुवार को आकाशवाणी के रंग भवन में इस संबंध में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आयोग लगातार युवाओं में चुनावों के प्रति उदासीनता दूर करने के प्रयास में लगा हुआ है। इसी क्रम में पहले सचिन तेंदुलकर और अब राजकुमार राव को राष्ट्रीय आइकन बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि दो महीने पहले क्रिकेट लेजेन्ड और भारत रत्न सचिन तेंदुलकर को चुनाव आयोग ने मतदाता जागरूकता और शिक्षा के लिए 'राष्ट्रीय आइकन' बनाया था। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पाण्डेय तथा अरुण गोयल की उपस्थिति में आकाशवाणी रंग भवन, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में अभिनेता के साथ इस संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जायेंगे। भारत निर्वाचन आयोग विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध भारतीयों के साथ स्वयं को जोड़ता आया है और लोकतंत्र के पर्व में भागीदारी के लिए मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए उन्हें भारत निर्वाचन आयोग के राष्ट्रीय आइकन के रूप में नामित करता है। आयोग ने पिछले वर्ष प्रसिद्ध अभिनेता पंकज त्रिपाठी को राष्ट्रीय आइकन के रूप में मान्यता दी थी। इससे पहले 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान एमएस धोनी, आमिर खान और मैरी कॉम जैसे दिग्गज भारत निर्वाचन आयोग के राष्ट्रीय आइकन थे।

संक्षिप्त समाचार

त्योहारी सीजन में ठसाठस चल रही रोडवेज बसें, यात्रियों ने भर दी झोली

नैनीताल, एजेंसी। त्योहारी सीजन में हल्द्वानी डिपो की आय प्रतिदिन तीन लाख रुपये तक बढ़ गई है। आय बढ़ने का मुख्य कारण दिल्ली, यूपी और हरियाणा से पर्यटकों का हल्द्वानी पहुंचना बताया जा रहा है। दिल्ली से आ रही ज्यादातर बस फुल आ रही हैं। त्योहारी सीजन में रोडवेज की आय में इजाफा हुआ है। हल्द्वानी डिपो की आय प्रतिदिन तीन लाख रुपये तक बढ़ गई है। आय बढ़ने का मुख्य कारण दिल्ली, यूपी और हरियाणा से पर्यटकों का हल्द्वानी पहुंचना बताया जा रहा है। दिल्ली से आ रही ज्यादातर बस फुल आ रही हैं। रोडवेज के अधिकारियों ने दशहरा के बाद भी अच्छी आय होने की उम्मीद जताई है।पहले मानसून और उसके बाद श्राद्ध पक्ष के चलते यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट आई थी। हल्द्वानी डिपो प्रतिदिन आय का लक्ष्य भी पूरा नहीं कर पा रहा था। अब तीन दिन की छुट्टी के कारण नैनीताल पहुंचने वाले पर्यटकों और कैंचीधाम आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। हल्द्वानी डिपो के एआरएम सुरेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि यात्रियों की संख्या बढ़ने से हल्द्वानी डिपो की आय में करीब तीन लाख रुपये प्रतिदिन की बढ़त हुई है। 12 लाख रुपये तक सिमटकर रह जाने वाली आय 15 लाख रुपये तक पहुंच गई है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से डंपर चालक की मौत, जांच में जुटी पुलिस

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। रुद्रपुर में अज्ञात वाहन की टक्कर से डंपर चालक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। मंगलवार की रात वह खाना खाने जा रहा था। जानकारी के अनुसार ग्राम नेवा नगला थाना हाफिजगंज बरेली निवासी दोदराज गंगवार (28) सिडकुल ढाल पर स्थित एक ट्रांसपोर्टर का डंपर चलाता था और ट्रांसपोर्ट में ही रहता था। मंगलवार की रात वह खाना खाने जा रहा था। सिडकुल ढाल के पास अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में घायल काफी देर तक सड़क पर पड़ा रहा। राहगीरों और ट्रांसपोर्ट मालिक ने उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। वह तीन भाइयों में सबसे छोटा था। रुद्रपुर के सिडकुल पंतनगर में स्थित नील मेटल कंपनी में काम करते हुए प्रेस मशीन की चपेट में आने से एक श्रमिक का हाथ कट गया। गंभीर हालत में उसे बरेली रैफर किया गया है। श्रमिकों ने घायल को मुआवजा और स्थाई करने की मांग की है। सिडकुल पंतनगर में स्थित नील मेटल कंपनी में काम करते हुए प्रेस मशीन की चपेट में आने से एक श्रमिक देवेश कुमार का हाथ कट गया। गंभीर हालत में उसे बरेली रैफर किया गया है। घटना के बाद से नाराज श्रमिकों में आक्रोश है और उन्होंने काम बंद कर दिया। श्रमिकों ने घायल को मुआवजा और स्थाई करने की मांग की है। फिलहाल कंपनी प्रबंधन और यूनियन के बीच वार्ता चल रही है. बता दें कि, नील मेटल कंपनी बजाज कंपनी के लिए फ्रेम और फ्यूल टैंक बनाती है।

मेधावी अल्पसंख्यक छात्राओं को मिलेगा वजीफा

रुद्रपुर, एजेंसी। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की मेधावी बालिका प्रोत्साहन योजना के तहत जिले को सतासी लाख रुपये का बजट मिल गया है। इसमें 2022-23 सत्र में अव्वल रहीं छात्राओं के खातों में दस हजार रुपये से अधिक की राशि भेजी जाएगी। विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक इस बार 10वीं कक्षा में 63.8 प्रतिशत प्रासांक वाली छात्राओं को दस हजार रुपये की राशि दी जाएगी जबकि पहले 60 प्रतिशत से अधिक प्रासांक वाली बालिकाओं को राशि दी जाती थी। 10वीं कक्षा में 63.8 से 69.9 प्रतिशत अंक लाने वाली छात्राओं को दस हजार रुपये, 70 से 79.9 प्रतिशत लाने वाली बालिका को 15,000 रुपये और 80 से अधिक प्रतिशत लाने वाली छात्राओं को 20,000 रुपये की राशि दी जानी है। इसी तरह 12वीं कक्षा में 64.8 प्रतिशत से 69.9 प्रतिशत तक 15,000 रुपये की राशि, 70 से 79.9 प्रतिशत लाने वाले को 20,000 रुपये और 80 से अधिक प्रतिशत लाने वाली छात्राओं को 25,000 रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा के लिए मदद दिलाना है। प्रभारी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अमन अनिरुद्ध ने बताया कि विभाग को बजट मिल गया है। अल्पसंख्यक बालिकाओं के खाते में राशि डालने के लिए विभागीय स्तर से कार्यवाही शुरू की जाएगी।

ब्लॉक कर्मियों के लिए बन रहे आवासीय भवन

खटीमा, एजेंसी। मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत खटीमा ब्लॉक के कर्मचारियों के लिए टाइप टू और टाइप थ्री के नए आवासीय भवनों का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इनकी लागत करीब तीन करोड़ चालीस लाख रुपये है। इन आवासीय भवनों को मार्च 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य है। ब्लॉक के कर्मचारी परिसर में आवासीय भवन कम हैं। कर्मियों के लिए कुछ आवासीय भवनों की दीवारों पर दरार पड़ गई हैं। इस कारण पानी टपकना और बरसात के समय जल भराव आदि परेशानी होती है। इस कारण कई कर्मियों को दूसरी जगह कमरा लेकर किराये के मकान में रहना पड़ रहा है। इस समस्या को सुलझाने के लिए ग्राम विकास विभाग ने बजट दिलाया है। इस राशि से ग्रामीण निर्माण विभाग इन आवासीय भवनों का निर्माण करवा रहा है। इनमें टाइप टू के तीन भवन बनेंगे। इनमें 10 स्टाफ क्वार्टर बनाए जाएंगे। टाइप थ्री का एक भवन बनेगा। इसमें दो क्वार्टर बनाए जाएंगे। एबीडीओ का आवासीय भवन भी टाइप थ्री में ही बनाया जाएगा। बीडीओ का आवासीय भवन ब्लॉक परिसर में पहले से ही बना है। क्षेत्र के विकासखंड परिसर में बने करीब 45 साल पुराने आवासीय भवनों में ब्लॉक कर्मचारी रह रहे हैं। पुराने भवन क्षतिग्रस्त होने से कर्मचारियों को अनेक प्रकार की समस्याएं होतीं हैं। परिसर में रहने के लिए पर्याप्त भवन नहीं हैं।

अल्मोड़ा में निकली मां दुर्गा की भव्य शोभा यात्रा

अल्मोड़ा, एजेंसी। विजयदशमी पर्व पर नगर में कई स्थानों पर बनी मां दुर्गा की मूर्तियों की भव्य शोभायात्रा निकली। इसमें भक्त मां के जयकारे लगाते हुए उत्साह के साथ शामिल हुए। भक्तों ने अगले बरस फिर आना मां आशीष से भरती जाना भक्तों की झोलियां..., कभी अंबे बनके जगदंबे बनके चली आना मैया जी चली आना... आदि भजन गाए। क्वारब में दुर्गा की मूर्तियों को विसर्जित किया। मंगलवार को विजयदशमी पर सांस्कृतिक नगरी मां दुर्गा के जयकारों के गुंजायमान रही। नवरात्र के प्रथम दिवस से नगर के लाला बाजार, चौघानपाटा, ढूंगाधारा, लक्ष्मेश्वर, धारानौला, ऑफीसर कॉलोनी, राजपुरा, गंगोला मोहल्ला, पातालादेवी, जाखनदेवी, सिमकनी मैदान आदि स्थानों में स्थापित मां दुर्गा की मूर्तियों को विजयदशमी पर माल रोड स्थित नगर पालिका कांप्लेक्स के पास लाया गया। यहां से भव्य शोभायात्रा निकली। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में शामिल लोगों ने जयकारे लगाते हुए मां के भजन गाए। इनकी धुन से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। नगर से निकली शोभा यात्रा क्वारब पहुंची। यहां कोसी और सुयाल नदी के संगम पर मूर्तियों को विसर्जित किया गया। सभी ने दुर्गा मां को विदाई देते हुए सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। दुर्गा समिति लक्ष्मेश्वर की शोभा यात्रा में मुख्य संयोजक त्रिलोचन जोशी, अध्यक्ष अमित साह, सचिव सुनील कर्नाटक, संरक्षक हेम चंद्र जोशी, भूपेंद्र जोशी, महेंद्र रावत, विक्रम साह, नितिका साह, नमित जोशी आदि शामिल रहे। ढूंगाधारा की शोभा यात्रा में मुख्य संरक्षक कमल बिष्ट, भगवती त्रिपाठी, मंजू बिष्ट, प्रतीक बिष्ट, दीक्षा कांडपाल, गीता मेहरा समेत कई लोग मौजूद रहे।

महिला सब्जी खरीदने गई, चोरों ने खंगाल दिया घर

नानकमत्ता, एजेंसी। गेट पर ताला लगाकर सब्जी लेने बाजार गई महिला के घर में दिनदहाड़े चोरी हो गई। चोर अलमारी की तिजोरी में रखे सोने, चांदी के गहने चुरा ले गए। नगर में एक सप्ताह में दूसरी चोरी से लोगों में दहशत है।

वार्ड संख्या छह निवासी राधिका चौहान बीएसएनएल में कार्यरत हैं। मंगलवार करीब 11 बजे उनकी बहू बच्चों को लेने स्कूल गईं थीं। इसके कुछ देर बाद राधिका चौहान घर में ताला लगाकर सब्जी लेने बाजार चली गईं। राधिका करीब आधा घंटे बाद लौटीं तो ताला टूटा मिला। अलमारी की तिजोरी में रखा सोने का हार, मांग टीका, मंगलसूत्र, टॉप्स, सोने की चार जोड़ी लौंग, चांदी की दो जोड़ी पाजेब, चांदी के दो जोड़ी बिछुवे गायब थे। छत की सीढ़ी का दरवाजा भी खुला था।

राधिका के शोर मचाने पर पड़ोसी भी आ गए। थाने की पुलिस ने मौका मुआयना कर जांच की। एक सप्ताह पूर्व 17 अक्तूबर की रात भी वार्ड छह निवासी मुकेश रस्तोगी के घर का ताला तोड़कर घर में रखे जेवर चोरी हो गए थे। पुलिस उस घटना का भी खुलासा नहीं कर सकी है।

खटीमा। चोरों ने नैनीताल राजभवन में तैनात सहायक अभियंता प्रवेश कुमार के खटीमा स्थित घर में सेंध लगा दी। चोर लोनिवि हनुमान मंदिर वाली गली में स्थित उनके सरकारी आवास से किताबें, प्रिंटर और अन्य उपकरण चुरा ले गए। उन्होंने पुलिस को बताया कि उन्हें किसी व्यक्ति ने फोन करके बताया की उनके घर का प्रिंटर किसी संदिग्ध व्यक्ति के पास देखा गया है। उन्होंने अपने आवास पर जाकर देखा तो कमरे के ताले टूटे हुए हैं। घर से काफी सामान गायब मिला। इसकी जानकारी उन्होंने 21 अक्तूबर को कोतवाली पुलिस को दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

खेमपुर गांव में स्थित श्रीराम तराई सीड्स मिल में सोमवार को 11 लाख रुपये की चोरी का खुलासा 24 घंटे बाद भी नहीं हो सका है। मिल स्वामी रामविलास अग्रवाल ने पुलिस को तहरीर दे दी है। इसमें उन्होंने अपने दो मुनीमों को नामजद किया है। चोरी के खुलासे के लिए पुलिस सोमवार से ही लगातार प्रयास कर रही है लेकिन समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की थी।

आवास विकास निवासी एक कंपनी के सिविल इंजीनियर मनोज मेहता ने पुलिस को बताया कि कार्यालय की छुट्टी होने के कारण सोमवार को वह अपने कमरे में सोए थे। कमरे का दरवाजा खुला था। तभी ट्रांजिट कैंप निवासी बॉबी उनके कमरे में घुसा और उनका पर्स चुराकर भागने लगा। पर्स में आधार कार्ड और एक हजार रुपये थे। उनके शोर मचाने पर खटीमा निवासी गणेश ने भाग रहे बॉबी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। ट्रांजिट कैंप थाना पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी का चालान कर दिया। कुंडा क्षेत्र में घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी हो गई। पुलिस ने बाइक चोरी का केस दर्ज किया है। मुरादाबाद जिले के ग्राम पंडितपुर थाना ठाकुरद्वारा निवासी हरपाल सिंह ने कुंडा थाना पुलिस को बताया कि वह प्रकाश पाइप कंपनी की गाड़ी पर ड्राइवर है। 30 सितंबर 2023 को रात करीब 10:30 बजे कंपनी की गाड़ी खड़ी करके अपनी मोटरसाइकिल से अपनी रिश्तेदारी ग्राम सरबरखेड़ा में आया था। उसने अपनी मोटरसाइकिल को घर के बाहर खड़ी की थी लेकिन सुबह वह गायब थी। पुलिस ने छह महीने बाद कोर्ट के आदेश पर बाइक चोरी का केस दर्ज किया है। मोहल्ला कटरामालियान निवासी बंटी ने अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट काशीपुर के न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया था। उसका कहना था कि उसकी मोटरसाइकिल 15 अप्रैल को कोतवाली के पास स्थित उसकी रेडीमेड कपड़ों की दुकान गायब हो गई थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की।

शव लेने आए इंस्पेक्टर ने महिला को जड़ा थप्पड़, सियासी पारा चढ़ा, बर्खास्त करने की मांग तेज

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। चोरी का मोबाइल खरीदने के आरोप में रम्पुरा पुलिस चौकी से लौटे अनिल की संदिग्ध हालात में मौत कई सवाल खड़े कर रही है। इस मामले में मित्र पुलिस के दामन पर दाग लगा है। पुलिस की भूमिका पर सवाल उठे हैं। पुलिस का असंवदेशील और अमानवीय चेहरा सामने आया है।

चोरी का मोबाइल फोन खरीदने के आरोप में पुलिस ने जिस युवक को 5:30 घंटे चौकी में बैठाने के बाद 1500 रुपये लेकर छोड़ा। अगली सुबह उसका शव घर पर फंदे से लटका मिला। मित्र पुलिस पर आरोप है कि शारीरिक और मानसिक प्रताणना से त्रस्त युवक ने खुदकुशी कर ली। इतना ही नहीं पुलिस जब युवक शव लेने घर पहुंची तो यहां उसकी भाभी को दरोगा ने थप्पड़ भी मारा। इससे नाराज लोग भड़के तो सियासी दबाव में एसएसपी ने दरोगा को लाइन हाजिर कर दिया।

रम्पुरा वार्ड नंबर 23 निवासी अनिल कोली (25) पुत्र स्व.लेखराज कोली पर मोहल्ले के ही शुभम ने उसका चोरी हुआ मोबाइल खरीदने का आरोप लगाया था। सोमवार शाम करीब छह बजे शुभम ने अनिल के घर जाकर मोबाइल लौटाने के लिए कहा। दोनों के बीच बहस होने पर अनिल के छोटे भाई दिनेश ने चौकी जाकर मामला सुलझाने के लिए कहा। शाम सात बजे दिनेश, अनिल और शुभम चौकी पहुंच गए। शुभम ने पहले ही चौकी में मोबाइल चोरी होने की तहरीर दी थी। पुलिस ने दिनेश और अनिल को चौकी में बैठा लिया जबकि शुभम को घर जाने दिया।

आरोप है कि पुलिस ने अनिल की बेरहमी से पिटाई की। सिपाही ने उसे तीन हजार देकर छोड़ने की बात भी कही। दिनेश ने बताया कि उसने अपने साथी से 1500 रुपये लेकर सिपाही को दिए। रात करीब साढ़े 12 बजे दिनेश अपने भाई अनिल को लेकर घर पहुंचा और अलग कमरे में सो गया। मंगलवार सुबह करीब सात बजे जब परिजनों ने कमरे का दरवाजा खोला तो अनिल का शव फंदे से लटका हुआ मिला।

मौके पर पहुंची पुलिस पोस्टमार्टम के लिए शव ले जाने लगी तो अनिल की भाभी आशा ने भाइयों के आ जाने के बाद शव ले जाने देने की बात कही। अनिल की छोटी बहन पुष्पा के अनुसार पुलिस ने घर में मौजूद सभी लोगों को बाहर कर दिया और कमरे में उनकी भाभी के साथ एक दरोगा ने पिटाई और गाली-गलौज की, जिससे वह बेहोश हो गई।

अल्मोड़ा हाईवे पर तीन महीने और झेलिए जाम

गरमपानी (नैनीताल), एजेंसी। दो साल पहले आपदा में ज्योलीकोट-भवाली-अल्मोड़ा हाईवे जगह जगह क्षतिग्रस्त हो गया था। इससे एनएच विभाग को करोड़ों रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा था। हाईवे के क्षतिग्रस्त होने से अल्मोड़ा, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले की ओर आवाजाही करने वाले वाहन चालकों, यात्रियों और सैलानियों को दो साल से रोजाना घंटों जाम का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि एनएच विभाग की ओर से क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। लेकिन सड़क पर रोजाना एक से दो किमी तक जाम की समस्या बनी हुई है।

ज्योलीकोट से काकड़ीघाट तक वर्ष 2021 में आपदा के चलते कैंची, पाडली, रातीघाट, रामगाड़, झूलापुल गरमपानी, भौर्या मोड़, लोहाली, नावली, काकड़ीघाट तक सड़क जगह-जगह टूट गई और इससे रोजाना लोगों को घंटों जाम से जूझना पड़ता है। इस पर एनएच विभाग 30 करोड़ की लागत से सड़क की मरम्मत, डामरीकरण और चौड़ीकरण का काम कर रहा है।

भवाली-अल्मोड़ा हाईवे पर सड़क चौड़ीकरण, डामरीकरण, टूटी दीवारें और झूलापुल गरमपानी में पहाड़ी के कटान का काम 25 जनवरी 2024 तक पूरा किया जाना है। इसके बाद एनएच विभाग और ठेकेदार निर्माण कार्य में लगे हैं।

भवाली-अल्मोड़ा हाईवे को कुमाऊं की लाइफ लाइन कहा जाता है। लेकिन बरसात में पहाड़ी से मलबा, पत्थर गिरने से आए दिन वाहन चालकों में हादसों का भय बना रहता है। उक्त मार्ग में पहाड़ी से पत्थर वाहनों के ऊपर गिरने से कई यात्रियों की जान जा चुकी हैं और कई घायल हो चुके हैं।

चिकनी मिट्टी के अभाव में घटी चाक की रफ्तार

काशीपुर, एजेंसी। सरकार से कुम्हारों के लिए ग्राम बैलजुड़ी में आवंटित भूमि पर भूमाफिया का कब्जा हो गया। पहले कुछ वर्ष तक यह लोग आवंटित भूमि से मिट्टी लाकर बर्तन बनाते थे लेकिन अब जमीन घटने के कारण मिट्टी खरीदनी पड़ रही है। इससे कुम्हारों के चाक की रफ्तार धीमी पड़ गई है। ऐसे में मिट्टी के बर्तन बनाकर परिवार का भरण-पोषण करने वाले परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट गहराने लगा है।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. नारायण दत्त तिवारी ने वर्ष 1970 में क्षेत्र के कुम्हारों के लिए ग्राम बैलजुड़ी में सवा छह एकड़ भूमि आवंटित की थी। वहां से कुम्हार चिकनी मिट्टी लाकर कारोबार करते थे। अब समय गुजरने और प्रशासन की अनदेखी के कारण कुछ भूमाफिया ने आवंटित भूमि में से करीब सवा दो एकड़ भूमि पर कब्जा कर लिया है।

अब मात्र चार एकड़ भूमि ही बची है। उसमें से भी कई घोड़ा-बुग्गी वाले भरान करने के लिए मिट्टी खोदकर ले जाते हैं। ऐसे में कुम्हारों की चुनौती बढ़ गई है। अब कुम्हार बाजार से औने-पौने दामों पर मिट्टी खरीदते हैं। इसी मिट्टी से बर्तन , दीपावली के दीये, हटरी आदि बनाते हैं।

स्टेडियम रोड निवासी नारायण सिंह (60) और कनिया (59) ने बताया कि अब मिट्टी काम लाभदायक नहीं रह गया है। उन्हें चार से पांच सौ रुपये प्रति बुग्गी की दर से मिट्टी खरीद रहे हैं। कंडे भी दो सौ रुपये सैकड़ा हो गया है। कंडे दुलाई के लिए वाहन चालक एक हजार रुपये ले लेता है। क्षेत्र में करीब 400-500 कुम्हार काम करते हैं।

हल्द्वानी स्टेट हाईवे पर कार की टक्कर से महिला की मौत

बाजपुर, एजेंसी। हल्द्वानी स्टेट हाइवे पर एक कार की टक्कर से एक महिला की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका मां भगवती के जागरण में आई थी। मृतका के परिजनों ने कोतवाली पहुंच कर तहरीर सौंपी। मामले में पुलिस ने अज्ञात पर केस दर्ज कर लिया है।

गांव नगदपुरी निवासी दीपाली (35) पत्नी सुरेंद्र सिंह स्टेट हाईवे स्थित माता मंदिर परिसर में हो रहे मां भगवती जागरण में आई थी। सोमवार देर रात करीब बारह बजे दीपाली सड़क के किनारे चल रही थी। कालाढूंगी की ओर से से आ रही एक कार ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसे की सूचना मिलने पर जागरण में शामिल श्रद्धालु मौके पर पहुंच गए। लोगों ने वाहन से दीपाली को गंभीर हालत में चकरपुर रोड स्थित एक अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया। मंगलवार सुबह मृतका के परिजनों ने कोतवाली पहुंच कर एसआई रुचिका चौहान को तहरीर सौंपी। इधर, परिजनों ने बताया कि मृतका की दो बेटी और एक बेटा है। दीपाली भी अपने पति के साथ मेहनत मजदूरी कर परिवार का गुजर बसर करती थी। हैंडपंप में नहाते समय करंट की चपेट में आने से एक श्रमिक की मौत हो गई। मृतक मूल रूप से बिहार का निवासी था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस के अनुसार गांव बंगरा, थाना बनियापुर, जिला सोरन बिहार निवासी मुकुंद कुमार (33) पुत्र त्रिलोकी सिंह अपने साले बृजेश के साथ जाफरपुर गांव में मोहित बत्रा के घर पर किराये पर रहकर एक फैक्टरी में मजदूरी करता था। बताया जाता है कि मंगलवार सुबह साला बृजेश कमरे में खाना बना रहा था। इस बीच मुकुंद हैंडपंप मे नहाने चला गया। हैंडपंप के साथ बिजली का ट्यूबपंप लगा था। जहां वह करंट की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। पूर्व प्रधान जितेंद्र बठला की सूचना पर एसआई मनोज ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गदरपुर। नगर में एक युवक संदिग्ध हालात में फांसी के फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्राम पिपलिया नंबर एक निवासी सागर मंडल (28) पुत्र राजू मंडल ग्राम खटोला में मेडिकल स्टोर चलाता था। रोज की तरह सोमवार की रात करीब नौ बजे सागर घर आया और अपने कमरे में चला गया। उसके पिता राजू और छोटा भाई सिंटू मंडल दुर्गा पूजा में शामिल होने गए थे। खाना खाने के बाद सागर की पत्नी मनीषा अपनी बेटी रूही और बेटे जुआंश के साथ दुर्गा पूजा महोत्सव में चली गई। मां सुप्रिया मंडल घर पर थीं। रात करीब 11 बजे सुप्रिया ने कमरे में जाकर देखा तो वह दंग रह गई। कमरे में सागर फंदे से लटका मिला। सुप्रिया के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। दरोगा ओमप्रकाश ने घटना के बारे में जानकारी ली। परिजनों के अनुसार सागर कुछ दिनों से मानसिक तनाव में था।

नैनीताल में लगा सैलानियों का जमावड़ा- पर्यटकों ने बढ़ाई रौनक

नैनीताल , एजेंसी। वीकेंड पर शनिवार से ही सैलानियों का नैनीताल पहुंचना शुरू हो गया था। रविवार और सोमवार को अष्टमी व नवमी का अवकाश होने के चलते बड़ी संख्या में सैलानी यहां पहुंचे। इससे पर्यटन कारोबारियों में उत्साह है।

दशहरे की छुट्टियां नैनीताल में पर्यटन व्यवसाय के लिए मुफीद साबित हुई हैं। पिछले दो तीन दिन से शहर के पर्यटक स्थलों में सैलानियों का जमावड़ा है। सोमवार को यहां नगर की अधिकतर पार्किंग स्थल वाहनों से खचाखच भरे नजर आए जबकि शहर के निचले हिस्सों में स्थित अधिकतर होटल भी देर शाम तक पैक हो चुके थे। इससे पर्यटन कारोबारियों में उत्साह है।

वीकेंड पर शनिवार से ही सैलानियों का नैनीताल पहुंचना शुरू हो गया था। रविवार और सोमवार को अष्टमी व नवमी का अवकाश होने के चलते बड़ी संख्या में सैलानी यहां पहुंचे। सैलानियों की आवाजाही बढ़ी तो फ्लैट्स मैदान से लेकर मल्लीताल स्थित छोटी छोटी अधिकतर पार्किंग सैलानियों के वाहनों से पैक हो गई। फ्लैट्स मैदान में पार्किंग के पैक होने के बाद पुलिस ने वाहनों को मैट्रोपोल की ओर भेजा।

सैलानियों की भीड़ के चलते सोमवार दोपहर से सड़कों पर रुक-रुककर जाम लगता रहा। मेट्रोपोल और सूखाताल स्थित पार्किंग स्थल में भी खूब वाहन दिखे। यहां पहुंचे सैलानियों ने दिनभर में पिकनिक स्थलों का भ्रमण करने के साथ ही नैनीझील में नौकायन और बारापत्थर में घुड़सवारी की। देर शाम तक पंत पार्क, भोटिया बाजार, माल रोड पर सैलानियों की चहल-पहल बनी हुई थी। तीन दिन की छुट्टियों के चलते सोमवार को भीमताल से खैरना और गरमपानी तक जाम के चलते यात्रियों और सैलानियों को घंटों परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं यातायात पुलिस व्यवस्था बनाने में जुटी रही।

भीमताल के मल्लीताल बाजार में लोनिवि की ओर से इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाए जाने से मार्ग पर आवाजाही बंद है।

गर्भवती को धमकी देने का आरोप, पुलिस को दी तहरीर

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। बाजपुर में एक व्यक्ति ने महिला को धमकाने के आरोप में तहरीर दी है। तहरीर में आरोप लगाया कि महिला डॉक्टर और सीएचसी के सीएमएस के पक्ष में बयान नहीं देने पर धमकाया गया। एक व्यक्ति ने महिला को धमकाने के आरोप में तहरीर दी है। तहरीर में आरोप लगाया कि महिला डॉक्टर और सीएचसी के सीएमएस के पक्ष में बयान नहीं देने पर धमकाया गया। इधर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सीएमएस डॉ. पंकज माथुर ने आरोपों को निराधार बताया है। पीड़ित गांव खमरिया निवासी दीप सिंह मंगलवार को कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि वह 29 सितंबर 2023 को अपनी गर्भवती पत्नी रंजीता को जांच के लिए सीएचसी ले गया था। जहां महिला चिकित्सक ने उसकी पत्नी के गर्भ में ही शिशु को मृत बताया। जिस पर उसने पत्नी का अल्ट्रासाउंड कराया। जिसमें बच्चे को सकुशल पाया गया। 12 अक्तूबर को फिर वह पत्नी को लेकर जांच कराने के लिए सीएचसी पहुंचा। आरोप है कि इस दौरान महिला चिकित्सक ने उनके साथ बदसलूकी की।

24 अक्तूबर को एक महिला सहित दो लोग उसके घर पहुंचे। उन्होंने उसकी गैरमौजूदगी में उसकी पत्नी को महिला चिकित्सक और सीएमएस के पक्ष में बयान देने के लिए धमकाया।

बेमौसमी धान पर नहीं लग सका प्रतिबंध

रुद्रपुर, एजेंसी। राज्य के प्रमुख कृषि उत्पादक ऊधमसिंह नगर जिले में बेमौसमी धान के विकल्प के रूप में मक्के की खेती का ट्रायल एक बार फेल हो चुका है। इससे शासन भी असमंजस में पड़ गया है। इस कारण जिले में बेमौसमी धान की खेती पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव पर चार साल में निर्णय नहीं हो सका। इसके बावजूद कृषि विभाग ने किसानों से मक्के की खेती के लिए दोबारा अपील की है।

तराई में पिछले कई वर्षों से मुनाफा कमाने के लालच में हर साल दो बार धान उगाया जा रहा है। बेमौसमी धान में पानी का

अत्यधिक दोहन होने से इससे भूजल स्तर गिरता जा रहा है। एक दशक के अंतराल में जिले का भूजल स्तर करीब 70 फुट नीचे चला गया है।

दो फसलों के बीच अंतराल कम होने से कीटों का जीवन चक्र लंबा हो गया है। इससे फसल में कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग करना पड़ रहा है। इसकी कटाई, मड़ाई भी महंगी है। इससे जहां खेती की लागत बढ़ रही है, वहीं बेमौसमी धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित न होने से किसानों को औने-पौने दामों पर आढ़तियों को धान बेचना पड़ रहा है।

जिला प्रशासन और कृषि विभाग ने वर्ष 2019 में बेमौसमी धान पर प्रतिबंध लगाकर इसके विकल्प के रूप में मक्के की खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा था लेकिन कोरोना महामारी के कारण किसानों को यह मक्का 700 से 800 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बेचना पड़ा था। तब अधिकतर किसानों ने मक्के की खेती से तौबा कर ली।

इस बार जिले में 500 हेक्टेयर से भी कम कृषि भूमि पर मक्के की खेती हुई जबकि मक्के का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,090 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहा है। इसके उलट जिले में अब भी करीब 22,000 हेक्टेयर कृषि भूमि पर बेमौसमी धान लगाया जा रहा है।

गहरे नलकूप की बोरिंग से भूजल स्तर गिरने की आशंका है। इसलिए 70 मीटर से अधिक गहरे नलकूप की बोरिंग के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना से अनुदान नहीं दिया जा रहा है।

भगवान राम से प्रेरणा लेकर दिल्ली सरकार लोगों की सेवा करने का प्रयास कर रही : केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मंगलवार को यहां लाल किले पर दशहरा समारोह में शामिल हुए और कहा कि उनकी सरकार भगवान राम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्रीय राजधानी के लोगों की सेवा करने का प्रयास कर रही है। लाल किला मैदान पर लव कुश रामलीला समिति द्वारा आयोजित दशहरा समारोह में केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) नीत सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि दिल्ली में हर किसी को अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ मुफ्त बिजली जैसी सुविधाएं भी मिले।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, ह्यह्यभगवान राम हमारे आदर्श हैं। उनके जीवन और राम राज्य की उनकी अवधारणा से बहुत कुछ सीखने को है। हमारा प्रयास है कि कोई भी भूखा न सोए और सभी को दिल्ली में अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और बिजली मिले।ह्ल केजरीवाल ने इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और उनकी भलाई और खुशी के लिए प्रार्थना भी की। उन्होंने कहा, ह्यह्यभगवान राम से प्रेरणा लेते हुए और आपका बेटा होने के नाते, मैं आपकी समस्याओं का हल करने का प्रयास कर रहा हूं। फिर भी, अगर कुछ करना बाकी है, तो मैं आपसे माफी मांगता हूं।ह्ल कार्यक्रम में आयोजकों द्वारा मुख्यमंत्री को ह्यगदाह्ल देकर सम्मानित किया गया।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारे हिन्दू धर्म में रामराज्य की परिकल्पना की गई है। रामराज्य तो बहुत ही ऊंची चीज है। लेकिन भगवान श्रीराम के आदर्शों से सीखकर हम जो कुछ भी कर सकते हैं, वो हम कर रहे हैं। हमारी कोशिश है कि दिल्ली के अंदर कोई भूखा नहीं सोना चाहिए। दिल्ली के अंदर गरीब-अमीर सभी को अच्छी से अच्छी शिक्षा मिलनी चाहिए। ये हमारा संकल्प है और इस तरफ हम अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली के अंदर अगर कोई बीमार हो तो उसको अच्छे से अच्छा इलाज मिलना चाहिए। अगर वो सरकारी अस्पताल में जाए तो वहां भी अच्छे से अच्छा इलाज मिलना चाहिए। ऐसी हमारी कोशिश रहती है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के अंदर अगर कोई गरीब भी है तो उसको भी बिजली मिलनी चाहिए। दिल्ली में सबको मुफ्त और 24 घंटे बिजली मिलनी चाहिए, ऐसी हमारी कोशिश है। भगवान श्रीराम से प्रेरणा लेकर हम लोग कोशिश कर रहे हैं। मैं दिल्लीवालों के बेटे, छोटे भाई की तरह आपकी समस्याओं का समाधान करने की हमेशा कोशिश करता रहता हूं। हम लोग 24 घंटे काम करते रहते हैं, फिर भी कई बार कमी रह जाती है। अगर मेरे से कोई कमी रह जाए तो इसके लिए मैं माफी चाहता हूं। मैं प्रभु श्रीराम से प्रार्थना करता हूं कि सभी देशवासी खुश रहें, हमारा देश खूब तरक्की करे।

दिल्ली पुलिस ने संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद वांछित अपराधी को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने गोलीबारी के बाद एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है, जो हरियाणा के झज्जर इलाके में पुलिस टीम पर हमले के मामले में वांछित था। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान झारोदा निवासी राजा उर्फ भादक उर्फ वीरा (27) के रूप में हुई है, जो पहले डकैती, स्नैचिंग, चोरी और आर्म्स एक्ट उल्लंघन के 30 मामलों में शामिल पाया गया है।

पुलिस के अनुसार, विशिष्ट इनपुट प्राप्त हुआ था कि एक वांछित अपराधी राजा किसी जघन्य अपराध को अंजाम देने के लिए अरुणा आसफ अली रोड, वसंत कुंज के रास्ते गुरुग्राम जाएगा। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक पुलिस टीम ने जाल बिछाया और कटवारिया सराय की ओर से आ रही एक मोटरसाइकिल को रोका।

विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) रवींद्र सिंह यादव ने बताया, पुलिस अधिकारियों ने उसे रुकने का इशारा किया। कथित व्यक्ति ने अपनी बाइक तेज कर भागने की कोशिश की और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। मुठभेड़ के दौरान, पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में और उसे पकड़ने के लिए अपराधी पर दो राउंड फायरिंग की। गोलीबारी के दौरान, राजा के दाहिने पैर में गोली लगी और पुलिस अधिकारियों ने उसे काबू कर लिया।

पूछताछ में राजा ने बताया कि 19 अक्टूबर को वह अपने दो साथियों के साथ कार में सवार होकर हरियाणा के बहादुरगढ़ स्थित बादली जा रहा था। विशेष सीपी ने कहा, हरियाणा के बादली थाने की पुलिस टीम वाहनों की जांच कर रही थी। उन्होंने कार रोकने का इशारा किया। रुकने की बजाय उन्होंने अपनी कार बैरिकेड्स में घुसा दी और वहां से भागने में सफल रहे। आगे की पूछताछ के दौरान, उसने मंगोलपुरी थाना क्षेत्र से एक मोटरसाइकिल चोरी करने की बात भी कबूल की।

कवियों की राष्ट्र भक्ति से प्रेरणा लें : जगदीश मित्तल

जमकर लगे ठहाके, कवियों ने बांधा समां

नई दिल्ली। आदर्श रामलीला कमेटी अशोक विहार फेस 2 के मंच पर महा कवि सम्मेलन में काव्य की सरिता बही। खासकर हरिओम पवार ने अपनी वीर रस की रचनाओं से श्रोताओं को राष्ट्रभक्ति में सराबोर कर दिया, उनकी रचना धरती से आतंकवाद का निपटारा गाता हूं मैं ने जमकर तालियां बटोरी। सुदीप भोला व सुरेंद्र कटारिया कि हास्य रस की पत्तियां सुन श्रोता लोटपोट हो गए। श्रोताओं को गजेंद्र सोलंकी, सुमित ओरछा व अर्जुन सिसोदिया की पत्तियों से रूबरू होने का अवसर मिला। जहां सुमित ओरछा की कविताओं से श्रोता भाव विभोर तो वही अर्जुन सिसोदिया कि रचना सुन श्रोता मंत्रमुग्ध हुए। गजेंद्र सोलंकी की काव्य सुन श्रोता जोश और उत्साह से भरे दिखे। गजेंद्र सोलंकी का मंच संचालन विकसित कला शैली से युक्त था। कवि सम्मेलन का उद्घाटन समाजसेवी गोविंद अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल व सतनारायण केजरीवाल ने किया। मुख्य अतिथि के तौर पर जगदीश मित्तल व सतीश गर्ग कोषाध्यक्ष भाजपा दिल्ली उपस्थित हुए। इस अवसर पर जगदीश मित्तल ने कहा कि समाज को राष्ट्रभक्ति में लीन कवियों के मुखारविंद से निकले शब्दों का क्रियान्वयन अपने जीवन में करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कवि सम्मेलन के संयोजक राकेश गुप्ता ने किया। रामलीला के अध्यक्ष अशोक गर्ग व महामंत्री अनिल यादव ने सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में सुरेश गर्ग, देवराज, विजय बंसल, चंदन शर्मा, संजीव शर्मा, प्रवीण कुमार सिंह, संदीप गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

मूर्ति विसर्जन के लिए वैकल्पिक घाट की व्यवस्था नहीं करवा पा रहा प्रशासन : धारीवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राजधानी नागरिक कल्याण समिति के प्रमुख प्रीतम धारीवाल ने कहापर्यावरण नियंत्रण करने के लिए यमुना जी में मूर्तियों के विसर्जन पर प्रतिबंध लगा कर 50 हजार जुमार्ने का प्रावधान तो किया गया परंतु वैकल्पितक घाट की पुख्ता तौर पर व्यवस्था के लिए राजधानी नागरिक कल्याण समिति तीन साल से प्रयास कर रही है। जिसके लिए सेंट्रल रिज के बीच बिरला मंदिर के अंदर आर पार खाली पड़े कुशक नाले के स्थान की सिफारिश भी की गई लेकिन इस पर अभी तक कोई संज्ञान नहीं लिया गया है। श्री धारीवाल ने कहा, 3 सालों से से समिति गणेश विसर्जन और दुर्गा विसर्जन के लिए उद्यान मार्ग पार्क में आर्टिफिशियल ताल बना कर विसर्जन के कार्य को किया जा रहा है। बीते गणेश विसर्जन पर छोटी बड़ी 1200 मूर्तियों को जल विसर्जन के अलावा गड्ढे में पूजा अर्चना हवन करके भू विसर्जन किया गया। समिति अध्यक्ष प्रीतम धारीवाल कहते हैं कि जिन देवी देवताओं की मूर्तियों को प्राण प्रतिष्ठा करके बाद में लावारिस हालत में पेड़ों के नीचे पुनः प्रदूषण फैलाने के लिए छोड़ दिया जाता है हम उन्हे भू विसर्जन करके सम्मान पूर्वक ब्रह्मलीन करते हैं। कई दशकों से न्यू दिल्ली काली बाड़ी से राजधानी भर से 20-20 फुट तक की प्रतिमाएं शोभा यात्रा के रूप में यमुना घाट में विसर्जित की जाती थी। अब काली बाड़ी मंदिर में मंदिर की मूर्तियों के लिए पौंड बना है उसमे किया जाता है विसर्जन। आम जनों और पूजा समितियों के लिए उद्यान मार्ग पार्क वाला इको फ्रेंडली विसर्जन घाट है जिसमें हम किसी से कोई पैसा नहीं लेते। ताल में जल विसर्जन, भू विसर्जन तथा पूजा सामग्री और फूलों से खाद बनाई जाती है। धारीवाल बताते हैं कि इस बार बंगाली पूजा समितियों द्वारा यहां 12 फुट से बड़ी बड़ी क्रेन द्वारा उठाई जाने वाली मूर्तियां इंद्र पूरी, चाणक्य पुरी, द्वारिका, आर के पुरम, पहाड़ गंज, आनन्द पर्वत, करोल बाग से आई कि हमें काफी मशकत करनी पड़ी, हमारा घाट बहुत छोटा पड़ गया। सरकार को आस्था से जुड़े इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

बड़ी संख्या में विभिन्न पार्टी के नेताओं ने थामा कांग्रेस का हाथ

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली की मौजूदगी में बुधवार को प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में आम आदमी पार्टी आम और भाजपा के सैंकड़ो नेताओं व कार्यकताओं ने कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया। प्रदेश अध्यक्ष लवली ने त्रिलोकपुरी विधानसभा चुनाव लड़े उम्मीदवार व सफाई कर्मचारी आयोग के चैयरमैन रहे आम आदमी पार्टी के नेता हरनाम सिंह, दिल्ली कैंट विधानसभा से चुनाव लड़े संदीप तंवर, करावल नगर विधानसभा से दिल्ली सरकार में आंगनबाड़ी विभाग की देखरेख करने वाली आम आदमी पार्टी की रुपाली शर्मा, बीएसपी के शिव कुमार चौहान और करावल नगर से चुनाव लड़े वीर पाल सूर्यवंशी, आम आदमी पार्टी के नेता दया राम गुप्ता, करोल बाग से भाजपा की अर्चना राय, आम आदमी पार्टी के राजौरी गार्डन विधानसभा से सुमन मिश्रा, मादीपुर विधानसभा से सुभाष बिड़लान और अशोक चौधरी, लक्ष्मी नगर विधानसभा के रंजीत सिंह लुहेरा, अभिषेक सांगवान, डॉ. समसुद्दीन, रणवीर सिंह, कृष्णा नगर विधानसभा से जगतपति सहगल, गगनदीप, हितेष मेहता, रवि तलवार, विजय गंगाहेरी, पवन किशोर, अश्विनी बिड़लान और राम कुमार कांगड़ा आदि का कांग्रेस पार्टी में स्वागत किया।

श्री लवली ने सभी नेताओं को कांग्रेस पटका पहनाकर पार्टी में शामिल करते हुए कहा कि कांग्रेस का परिवार लगातार बढ़ रहा है। श्री लवली ने कहा कि इतनी तेजी से भाजपा और आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं का पार्टी में शामिल होने से साफ हो गया है कि लोगों का कांग्रेस में विश्वास बढ रहा है। लोग कांग्रेस की विचार धारा और श्री राहुल गांधी की बढ़ती विश्वसनियता और भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी लड़ाई से प्रेरित होकर लागातार कांग्रेस में शामिल हो रहे है। उन्होंने कहा कि दिल्ली वाले कांग्रेस की ओर देख है और कांग्रेस के 15 वर्ष के काम को याद कर रहे है। उन्होंने कहा कि दिल्ली को मेट्रो कांग्रेस की देन है, जिस पर दिल्ली और एनसीआर आवागमन के लिए पूरी तरह निर्भर है। श्री लवली ने कहा कि बवाना और तिलक नगर की प्रतिज्ञा रैली में आम जनता की भारी संख्या में मौजूदगी ने साबित कर दिया है कि दिल्ली वाले भाजपा से ऊब चुके है, लोग दिल्ली में एक बार फिर कांग्रेस को लाना चाहते है। उन्होंने कहा कि हम किसी एक संसदीय क्षेत्र नही बल्कि सभी सातों संसदीय क्षेत्रों को मजबूत करने की मुहिम में लगे है।

दो फ्लाईओवर से आसान हुआ दिल्ली हवाई अड्डे का सफर

एरोसिटी फ्लाईओवर और पैरेलल एक्सेज रोड से हवाई अड्डा क्षेत्र का यातायात ज्यादा सुविधाजनक होगा

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डा क्षेत्र में यात्रियों का सफर अब और आसान होगा। इसके लिए यहां पर दो नए फ्लाईओवर बनाए गए हैं। इनसे यात्रियों को हवाई अड्डा क्षेत्र में दो लालबत्ती का सामना नहीं करना पड़ेगा। दिल्ली हवाई अड्डे का संचालन करने वाली कंपनी डायल ने बुधवार को इन दोनों फ्लाईओवर को खोलने की घोषणा की। कंपनी के मुताबिक, इन फ्लाईओवर के निर्माण से हवाई अड्डे के टी 1 से टी 3 के बीच का यातायात भी निर्बाध तरीके से चलेगा और इसमें लगने वाला समय पहले की तुलना में कम होगा। इस मौके पर जीएमआर समूह के उप महाप्रबंधक आई प्रभाकरा राव ने कहा कि दोनों फ्लाईओवर के निर्माण से हवाई अड्डे पर आने-जाने वाले यात्रियों का यातायात अनुभव बेहतर होगा। एक फ्लाईओवर से दो लालबत्ती कम होंगी : पहला फ्लाईओवर लगभग 800 मीटर लंबा है, जो एरोसिटी पर अंदाज होटल के पास से शुरू होकर स्पाइनल रोड पर खत्म होगा। पहले यहां यात्रियों को दो लालबत्ती से गुजरना पड़ता था। फ्लाईओवर निर्माण से अब लोगों को इन लालबत्ती का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसे एरोसिटी फ्लाईओवर नाम दिया गया है। कार्गो वाले वाहनों का आवागमन भी सुगम : दूसरा फ्लाईओवर को पैरेलल एक्सेज रोड (पीएआर) नाम दिया गया है। यह 600 मीटर का लंबा है, जो एयरपोर्ट के कार्गो सेंटर को एनएच8 से जोड़ेगा। इस फ्लाईओवर के जरिए कार्गो सेंटर जाने वाले भारी वाहनों का आवागमन सुगम होगा। हर दिन लाखों का होता आवागमन : दिल्ली हवाई अड्डे से हर दिन लगभग 1500 विमान उड़ान भरते हैं या उतरते हैं।

दिल्ली में तीन युवकों पर चाकू से हमला, हत्या की कोशिश का मामला दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका इलाके में कुछ लोगों ने 19 से 20 साल की उम्र के तीन युवकों को चाकू मार दिया। अधिकारी ने बताया कि बुधवार को द्वारका नॉर्थ पुलिस स्टेशन में चाकूबाजी की घटना की सूचना मिली।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, यह घटना द्वारका सेक्टर-13 मेट्रो स्टेशन के पास हुई, न कि किसी रामलीला कार्यक्रम में। आरोप है कि कुछ लोगों ने झगड़े के बाद तीन लड़कों को चाकू मार दिया। तीनों तारा नगर इलाके के निवासी हैं। अधिकारी ने बताया, झगड़े का कारण स्पष्ट नहीं है। आशंका है कि उनका पहले भी झगड़ा हुआ होगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों को पकड़ने के लिए टीमें गठित की गई हैं।

पत्नी को नौकरी के लिए मजबूर नहीं कर सकते : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि सिर्फ इसलिए कि पत्नी स्नातक तक पढ़ी है, उसे नौकरी के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। यह नहीं माना जा सकता कि वह अलग रह रहे पति से गुजारा भत्ता पाने के लिए जानबूझकर काम नहीं कर रही। दरअसल, एक व्यक्ति ने याचिका दायर कर पत्नी को दिए जाने वाले गुजारा भत्ते की राशि 25 हजार रुपये से घटाकर 15 हजार रुपये करने का अनुरोध किया है। उसने तर्क दिया है कि पत्नी विज्ञान विषय में स्नातक तक पढ़ी है। ऐसे में कोई भी नौकरी कर अपनी जरूरत पूरी कर सकती है। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत एवं न्यायमूर्ति नीना कृष्णा बंसल ने कहा कि इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि पत्नी स्नातक तक पढ़ी है। हालांकि उसे कभी लाभप्रद रोजगार नहीं मिला। पीठ ने कहा कि कुटुंब अदालत द्वारा निर्धारित अंतरिम गुजारा भत्ते में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं है। पीठ ने आदेश में कहा कि इस बात का कोई तुक नहीं है कि पत्नी के पास स्नातक की डिग्री है तो उसे नौकरी करने के लिए मजबूर किया जाए। यह भी नहीं माना जा सकता कि वह पति से अंतरिम भत्ता पाने के इरादे से काम नहीं कर रही है। पीठ ने पत्नी की याचिका पर गुजारा भत्ता राशि बढ़ाने से भी इनकार कर दिया।

वायु गुणवत्ता में आया छोड़ा सुधार, मध्यम श्रेणी में एक्यूआई 190 दर्ज

नई दिल्ली। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर) के आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार सुबह हवा की गुणवत्ता थोड़ा सुधरकर मध्यम श्रेणी में आ गई और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 190 दर्ज किया गया। धीरपुर में एक्यूआई 300 दर्ज किया गया जो खराब श्रेणी में आता है। बता दें कि शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बहुत खराब और 401 और 500 के बीच गंभीर माना जाता है। पूसा में, एक्यूआई पीएम2.5 128 मध्यम श्रेणी में दर्ज हुआ। लोधी रोड पर, पीएम2.5 सांद्रता के साथ एक्यूआई मध्यम श्रेणी के तहत 149 पर था और पीएम 10 भी मध्यम श्रेणी के तहत 135 पर था। आईआईटी दिल्ली पर, पीएम2.5 मध्यम श्रेणी में 173 पर था, जबकि पीएम10 मध्यम श्रेणी में, 162 पर पहुंच गया। शहर के मथुरा रोड पर एक्यूआई मध्यम श्रेणी में था, जहां पीएम2.5 152 और पीएम10 सांद्रता 101 थी। एसएएफएआर के पूर्वानुमान के अनुसार, शहर की वायु गुणवत्ता और खराब श्रेणी में आ जाएगी, गुरुवार को पीएम2.5 218 तक पहुंच जाएगा और पीएम10 की सांद्रता 167 मध्यम श्रेणी में आ जाएगी। दिल्ली के पड़ोसी शहर नोएडा का एक्यूआई 208 और पीएम10 की सघनता 218 रही, दोनों खराब श्रेणी में हैं, जबकि यह 169 और पीएम10 की सघनता 133 मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई।

दिल्ली की वर्ल्ड क्लास स्वास्थ्य सेवाओं की खुल गई पोल : बिधूड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने राजधानी की स्वास्थ्य सेवाओं की लचर हालत को देखते हुए अरविंद केजरीवाल सरकार के रवैये पर क्षोभ व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि अगर यही वर्ल्ड क्लास स्वास्थ्य सेवाएं हैं तो फिर वह बता दें कि सबसे घटिया स्वास्थ्य सेवाएं कैसी होती हैं। उन्होंने केजरीवाल को सलाह दी है कि वह देशभर में अपनी राजनीतिक दुकान चमकाने की बजाय दिल्ली के अस्पतालों और मरीजों की सुध ले लें तो यही सबसे बड़ी देशभक्ति होगी। बिधूड़ी ने कहा कि राजीव गांधी अस्पताल को सुपर स्पेशलिटी अस्पताल कहा जाता है लेकिन सच्चाई यह है कि इसे दिल्ली सरकार के एक लचर मॉडल के रूप में देखा जा सकता है। इस अस्पताल में डॉक्टरों को जुलाई के बाद से वेतन नहीं मिला है। अस्पताल के बारे में आम आदमी पार्टी के विधायक और पूर्व मंत्री ने विधानसभा के पिछले सत्र में ही यह पोल खोली थी कि वहां कोई स्थाई निदेशक नहीं है। अस्पताल में कोई एकाउंट्स ऑफिसर भी नहीं है और इसीलिए मशीनों का एनुअल मेंटेनेंस कांट्रेक्ट नहीं हुआ जिससे सारी मशीनें बंद पड़ी हैं। मरीजों की स्क्रीनिंग तक नहीं हो रही। पंत अस्पताल जैसे प्रतिष्ठित संस्थान का हाल यह है कि वहां दवाइयां ही उपलब्ध नहीं हैं और मरीज लगातार शिकायत कर रहे हैं। यही नहीं, राजधानी के आधे मोहल्ला क्लीनिक बंद पड़े हैं। जो खुल रहे हैं उनमें भी दवाइयां और अन्य सुविधाएं मौजूद नहीं हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी टीम को दिल्ली की सुध लेने की फुरसत नहीं है क्योंकि सभी अपनी राजनीति को चमकाने में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री दूसरे राज्यों की विधानसभाओं के चुनावों में व्यस्त हैं और दिल्ली का हाल बेहाल हो रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को सलाह दी है कि वह राजनीतिक पर्यटन बंद करके दिल्ली की जनता की तरफ ध्यान दें क्योंकि सिर्फ प्रचार या बयानबाजी से समस्याएं हल नहीं होतीं। अब जनता आम आदमी पार्टी के इन तरीकों से तंग आ चुकी है।

दिल्ली में प्रदूषण पर मंत्री और अफसर में ठनी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली की पीडब्लूडी मंत्री आतिशी और पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को दिल्ली में प्रेस कांफ्रेस कर डीपीसीसी के चेयरमैन पर गंभीर आरोप लगाया. इनका आरोप है कि सचिव अश्वनी कुमार ने 18 अक्टूबर से इस रीयल टाइम स्टडी को रुकवा दिया. दिल्ली में जब प्रदूषण बढ़ रहा है, इस समय ऐसा करना दिल्ली की दो करोड़ जनता के हितों के साथ खिलवाड़ करना है. वहीं, मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया कि दिल्ली सेवा अधिनियम का यह साइड इफेक्ट है कि दिल्ली की अधिकारी कैबिनेट का फैसला नहीं मान रहे और मनमानी कर रहे हैं. इस स्टडी के अनुसार, किस स्थान पर किस कारण प्रदूषण हो रहा है इसका पता लगाया जाता था और उस पर रोक लगाई जाती थी. मंत्री आतिशी और गोपाल राय ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर रुकी हुई पेमेंट आईआईटी कानपुर को करने और दोबारा स्टडी शुरू कराने की मांग की है. उपराज्यपाल को भी पत्र लिखा जाएगा. साथ ही पत्र में डीपीसीसी के चेयरमैन को सस्पेंड करने की भी मांग की है.

प्रदूषण के कारणों का अध्ययनः पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा दिल्ली आईआईटी कानपुर ने अनुबंध के बाद नवंबर 2022 से दिल्ली में रीयल टाइम प्रदूषण के कारणों का अध्ययन करने का काम शुरू किया था. 10.72 करोड़ रुपए से सेंट्रल दिल्ली में ऑफिस बनाया गया और अत्याधुनिक उपकरण खरीदे गए. प्रदूषण के 13 हॉटस्पॉट के लिए मोबाइल वैन भी लाई गई, जिनके जरिए प्रदूषण के कारणों का पता लगाया जाता है. दिल्ली में प्रदूषण की गंभीर समस्या को देखते हुए कैबिनेट की बैठक में आईआईटी कानपुर से प्रदूषण के कारणों की रियल टाइम स्टडी कराने का निर्णय लिया गया था. दो करोड़ रुपए के लिए रुकवाया कामः पर्यावरण मंत्री ने बताया कि 10.72 करोड़ रुपए का भुगतान आईआईटी कानपुर को हो चुका है. सिर्फ दो करोड़ रुपए का भुगतान होना बाकी है. कितना पैसा खर्च होने के बाद अब डीपीसी के अध्यक्ष अश्वनी कुमार ने आईआईटी कानपुर को यह पत्र लिखकर काम रुकवा दिया कि वह आगे का भुगतान नहीं करेंगे. यह काम बहुत महंगा है.

जनहित के कार्यों को रोकने का आरोपः मंत्री आतिशी ने कहा कि प्रदूषण के रीयल टाइम स्टडी से यह पता चलता था कि दिल्ली के विभिन्न इलाकों में प्रदूषण बढ़ाने का क्या कारण है. इसके बाद उन कारणों पर काम कर प्रदूषण को काम किया जाता है. पहले यहां डाटा नहीं होता था, जिससे काम करने में समस्या आती थी. इस स्टडी के बाद पता चला कि सर्दियों में बड़ी संख्या में सुरक्षा गार्ड खुद को गर्म करने के लिए अलाव जलाते हैं. इसकी वजह से भी बड़ी मात्रा में प्रदूषण होता है, लेकिन आज जब प्रदूषण बढ़ना शुरू हो रहा है तो दिल्ली सरकार के एक एक अधिकारी ने बिना मंत्री या कैबिनेट का परमिशन लिए इस स्टडी पर रोक लगा दिया.

स्विस महिला हत्याकांडः आरोपी की कार में मृतका की मौजूदगी के फॉरेंसिक सबूत मिले

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में 30 वर्षीय स्विस महिला की हत्या के मामले में आरोपी गुरप्रीत सिंह की सैंट्रो कार के फोरेंसिक विश्लेषण से वाहन के अंदर महिला की मौजूदगी के सबूत सामने आए हैं। महिला का शव 20 अक्टूबर को पश्चिमी दिल्ली के एक स्कूल के पास मिला था। रोहिणी स्थित फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) के सूत्रों ने बताया है कि उनकी एक टीम ने अपराध में शामिल वाहन का गहन विश्लेषण किया।

उनकी जांच में महत्वपूर्ण सबूत मिले जो दृढ़ता से इशारा करते हैं कि पीड़ित के शरीर को एक निश्चित अवधि के लिए कार के भीतर छुपाया गया था। इन सूत्रों के अनुसार, एफएसएल टीम ने वाहन से चेन, खून के धब्बे और बालों की लटों सहित कई महत्वपूर्ण वस्तुओं को सावधानीपूर्वक एकत्र किया। इस दुःखद मामले की चल रही जांच में ये निष्कर्ष महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

पश्चिमी दिल्ली के एक स्कूल के पास 20 अक्टूबर को नीना बर्गर का शव मिला था। उसके हाथ-पैर जंजीरों से बंधे हुए थे। शुरूआत में, मुख्य आरोपी गुरप्रीत के बयानों में विसंगतियां थीं, जिसे बाद में अपराध के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। हत्या को लेकर उसके बयान बदलते रहे। जांच के दौरान पुलिस को गुरप्रीत के कब्जे से नीन के पासपोर्ट और वीजा समेत कई दस्तावेज बरामद हुए।

गुरप्रीत से पूछताछ में पता चला कि वह 2021 में अपनी स्विट्जरलैंड यात्रा के दौरान नीना से मिला था। उनकी दोस्ती करीबी रिश्ते में बदल गई। गुरप्रीत अक्सर नीना के पास रहने के लिए स्विट्जरलैंड जाता था। समय के साथ, उसने उससे शादी करने की इच्छा व्यक्त की, लेकिन उसने उसके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। नीना 11 अक्टूबर को ज्यूरिख से दिल्ली पहुंची थीं और एक होटल में ठहरी थीं। हालाँकि, जैसे-जैसे गुरप्रीत से पूछताछ जारी रही, यह स्पष्ट हो गया कि वह पुलिस को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, आरोपी के मोबाइल फोन की जांच से पता चला कि वह कम से कम एक दर्जन महिलाओं के संपर्क में था, जो विदेशी थीं। यह सबूत संभवतः मामले को पुलिस के मानव तस्करी सिद्धांत से जोड़ता है।

गौरतलब है कि पुलिस को गुरप्रीत के जनकपुरी स्थित आवास से दो करोड़ रुपये से अधिक नकदी मिली थी। आगे की जांच में गुरप्रीत के बैंक खाते के माध्यम से पर्याप्त वित्तीय लेनदेन का पता चला, जिसके बारे में जांचकताओं ने आयकर अधिकारियों को सूचित किया। इन उच्च-मूल्य के लेनदेन और बेहिसाब नकदी ने संदेह पैदा किया कि मामला मानव तस्करी से संबंधित हो सकता है। इसके अलावा, पीड़िता के शरीर पर कुछ कटे और जलने के निशान भी संकेत देते हैं कि हत्या से पहले शायद उसे प्रताड़ित किया गया था। जिस ताले और जंजीर से महिला बंधी हुई मिली थी, उन्हें भी आरोपियों ने पश्चिमी दिल्ली के एक बाजार से दो दिन पहले ही खरीदा था। उस दुकान का पता लगाया जाना है जहां से ये चीजें खरीदी गई थीं।

राजौरी गार्डन की संगत को गुरधामों के दर्शन करवाए

नई दिल्ली। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा राजौरी गार्डन के अध्यक्ष हरमनजीत सिंह, महासचिव मनजीत सिंह खन्ना सहित समुची कमेटी के अन्थक प्रयासों के चलते राजौरी गार्डन की संगत को दिल्ली और दिल्ली के बाहर गुरुद्वारों के दर्शन करवाने हेतु निरन्तर सेवा की जाती है। सः हरमनजीत सिंह ने बताया इसी के चलते इस बार संगत को मथुरा के गुरुद्वारा गुरु नानक बगीची, आगरा के गुरुद्वारा गुरु का ताल और गवालियर के गुरुद्वारा बंदी छोड के दर्शन विशेष बसों में भेजकर करवाए गये। इससे पहले श्री दरबार साहिब, आनंदपुर साहिब सहित अनेक गुरुद्वारों के दर्शन के लिए भी बसें भेजी जा चुकी हैं। सः हरमनजीत सिंह ने कहा यह सभी कार्य राजौरी गार्डन गुरुद्वारा के द्वारा स्वयं किये जाते हैं जिसमें संगत के लिए बस सेवा, लंगर, रिहाईश आदि के प्रबन्ध किये जाते हैं। उन्होंने बताया कि बहुत जल्द संगत को करतार पुर साहिब के दर्शनों करवाने का भी प्रोग्राम बन रहा है जिसकी जानकारी संगत को दी जायेगी ताकि जो भी संगत श्री करतार पुर साहिब जाना चाहे वह अपने दस्तावेज देकर यात्रा में शामिल हो सकते हैं। इस मौके पर गुरुद्वारा साहिब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरबंस सिंह भाटिया, कोषाध्यक्ष प्रीतप्रताप सिंह, हरजीत सिंह राजा बख्शी, हरनेक सिंह मौजूद रहे जिनके द्वारा संगत को रवाना किया गया।

तीन युवकों पर चाकू से वार किया

नई दिल्ली । द्वारका नॉर्थ इलाके में दशहरा मेला घूमने के दौरान विवाद होने पर एक गुट ने दूसरे गुट के तीन युवकों को चाकू से गोद दिया। तीनों युवक अस्पताल में भर्ती हैं, जहां हालत गंभीर बनी है। पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पिंटू, लकी, अंकित और दीपक सपरिवार तारा नगर में रहते हैं। वे द्वारका सेक्टर 13 में मेला देखने के लिए गए थे, जहां कुछ युवकों से विवाद हो गया। लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया था, लेकिन जब चारों युवक घर लौट रहे थे

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें
पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, गुरूवार, 26 अक्टूबर, 2023

डीपीसीसी अध्यक्ष ने सरकार की मंजूरी के बिना दिल्ली में प्रदूषण के स्रोतों का पता लगाने संबंधी अध्ययन पर रोक लगाई : राय

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण के स्रोतों का पता लगाने के लिए दिल्ली सरकार के अपनी तरह के पहले अध्ययन को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के अध्यक्ष अश्विनी कुमार के आदेश पर एकतरफा रोक लगा दी गई। राय ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि दिल्ली कैबिनेट ने जुलाई 2021 में इस अध्ययन के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी और अक्टूबर 2022 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने कहा, इसकी अनुमानित लागत 12 करोड़ रुपये से अधिक थी। दिल्ली सरकार ने आवश्यक उपकरणों की खरीद के लिए आईआईटी कानपुर को 10 लाख रुपये जारी किए थे।

मंत्री ने दावा किया कि दिसंबर में डीपीसीसी अध्यक्ष का पद संभालने वाले अश्विनी कुमार ने इस साल की शुरूआत में एक फाइल नोट बनाया था, जिसमें अध्ययन से जुड़े अत्यधिक खर्च को लेकर चिंता व्यक्त की गई थी। राय ने कहा कि आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों के साथ कई बैठकें करने के बाद कुमार ने 18 अक्टूबर को संस्थान के लिए शेष धनराशि जारी करने पर रोक लगाने के आदेश जारी किए, जिससे अध्ययन प्रभावी रूप से रद्द हो गया। उन्होंने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया जब दिल्ली को प्रदूषण संबंधी समस्या के समाधान के लिए वैज्ञानिक आंकड़ों की तत्काल आवश्यकता है।

मंत्री ने दावा किया कि कुमार ने उन्हें या कैबिनेट को अपने फैसले के बारे में सूचित नहीं किया। राय ने कहा कि उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से डीपीसीसी अध्यक्ष कुमार को उनके असंवेदनशील और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार के लिए निलंबित करने का अनुरोध किया है। स्रोत विभाजन अध्ययन किसी भी स्थान पर वायु प्रदूषण में वृद्धि के लिए जिम्मेदार कारकों जैसे कि वाहनों, धूल, बायोमास जलाने और उद्योगों से उत्सर्जन की पहचान करने में मदद करता है, जिसके आधार पर प्रदूषण को रोकने के लिए कदम उठाए जा सकते हैं। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार सर्दियों के बाद प्रमुख वैज्ञानिकों से प्रदूषण स्रोत विभाजन अध्ययन की समीक्षा करने के लिए कहेगी।

किसानों तक ज्ञान के साथ तकनीक पहुंचना जरूरी: आरजी अग्रवाल

सुशील देव

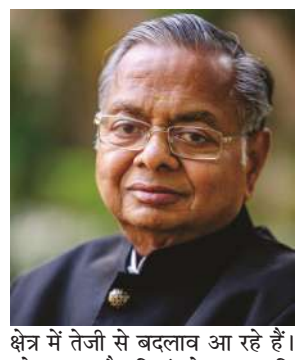

किसानों की आय दुगुनी करने और देश को 2047 तक दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए किसानों को नई तकनीक व नित नए प्रयोगों से रूबरू कराना होगा। हाल ही में आयोजित एक कृषि मेले में धानुका एग्रीटेक लिमिटेड के चेयरमैन आर जी अग्रवाल ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि देश को आर्थिक रफ्तार देने के लिए किसानों को नई टेक्नोलॉजी से अवगत कराना होगा। साथ ही, सरकार को भी इस दिशा में तेज गति से काम करना होगा। उन्होंने कृषि नवाचार और सरकार की पहल पर टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार को बदलते हुए परिवेश में किसानों के तकनीकी ज्ञान को बढ़ाने पर बल देना चाहिए।

गौरतलब है कि दुनिया भर में कृषि क्षेत्र में तेजी से बदलाव आ रहे हैं। लोग अब नौकरियां छोड़कर कृषि बिजनेस से जुड़ रहे हैं। इसलिए हमें भी पारंपरिक कृषि से कुछ अलग करने की जरूरत है। इसके लिए किसानों को सरकार की उन कृषि संबंधी योजनाओं का लाभ लेना चाहिए जिनका उद्देश्य कृषि क्षेत्र में हो रहे तकनीकी खोजों और नवाचारों को अपनाने की बात कही गई है। कृषि क्षेत्र के दिग्गज श्री अग्रवाल ने किसानों की आय बढ़ाने में उच्च गुणवत्ता के कृषि इनपुट की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने एग्रीकल्चर इको सिस्टम को सुरक्षित करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) पर खासा जोर दिया और कहा कि चीन के किसानों की आय हमारे किसानों से तीन गुना ज्यादा है। कारण यह है कि वहां तकनीकी और नित नए अनुसंधान पर गंभीरता दिखाते हैं और उसका क्रियान्वयन करता है। हमारे देश में भी सरकार को इसके लिए प्राइवेट सेक्टर के साथ मिलकर काम करना चाहिए। साथ ही उन्होंने कृषि रसायनों में डुप्लीकेट या मिलावट करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

उन्होंने गुलाबी इल्ली (पिंक बॉलवर्म) के नियंत्रण के लिए सही छिड़काव तकनीक के बारे में विस्तार से बताया और खेती की लागत कम करने के लिए उसे अपनाने के लिए कहा। श्री अग्रवाल ने नकली कृषि इनपुट उत्पादों के बारे में चेताते हुए सतत कृषि और खाद्य सुरक्षा के लिए असली उत्पादों को अति महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने किसान समाज की समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए बीज, उर्वरक, कीटनाशक, जैव-कीट नाशक, जैव-उद्दीपक और जैव-उर्वरकों सहित सभी नकली कृषि इनपुट उत्पादों के खिलाफ साथ मिलकर जागरूकता उत्पन्न और ठोस कदम उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कपास की खेती को बर्बाद करने वाली गुलाबी इल्ली जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए अत्याधुनिक तकनीक पर बल देते हुए ड्रोन तकनीक के इस्तेमाल को समय की जरूरत बताई। इससे किसानों की आय में इजाफा होगा।

उम्मीद है आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में इजराइल विजयी होगा : कंगना रनौत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

अभिनेत्री कंगना रनौत ने बुधवार को इजरायली राजदूत नाओर गिलोन से मुलाकात की और विश्वास जताया कि इजराइल आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में विजयी होगा।

रनौत ने एक्स पर इजरायली राजदूत के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीरें और एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने इजराइल के राजदूत के साथ इजराइल-हमास संघर्ष पर चर्चा की।

अभिनेत्री ने कहा, भारत में इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन जी के साथ मुलाकात हुई। आज पूरी दुनिया, खासकर इजराइल और भारत, आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी की प्रसिद्ध लव कुश रामलीला में मंगलवार को अपनी भागीदारी का जिक्र करते हुए रनौत ने कहा, कल जब मैं रावण दहन के लिए दिल्ली पहुंची, तो मुझे लगा कि मुझे इजराइल के दूतावास जाना चाहिए और उन लोगों से मिलना चाहिए, जो आज के आधुनिक रावण और हमास जैसे आतंकवादियों को हरा रहे हैं।

इस महीने की शुरूआत में हमास ने इजराइल पर हमला किया था, जिसके बाद इजराइल ने जवाबी हमले किए हैं। इस युद्ध में दोनों तरफ के सैकड़ों लोग मारे गए हैं।

अपनी आने वाली फिल्म तेजस के प्रचार में जुटीं रनौत ने कहा, जिस तरह से छोटे बच्चों और महिलाओं को निशाना बनाया जा रहा है, वह दिल दहला देने वाला है। मुझे पूरी उम्मीद है कि आतंकवाद के खिलाफ इस युद्ध में इजराइल विजयी होगा। उनके साथ मैंने अपनी आने वाली फिल्म तेजस और भारत के आत्मनिर्भर लड़ाकू विमान तेजस के बारे में चर्चा की।

वहीं, गिलोन ने एक्स पर कहा, कंगना रनौत से मुलाकात बहुत अच्छी रही, जो इजराइल को अपना समर्थन देने के लिए हमारे दूतावास में आईं। मैंने न केवल उनके प्रति बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और हमारे भारतीय मित्रों के प्रति भी आतंकवाद के खिलाफ हमारी साझा लड़ाई में उनके अटूट समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। फिल्म तेजस शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसमें रनौत भारतीय वायु सेना के पायलट की भूमिका में हैं।

उत्तरी दिल्ली के तिमारपुर में मामूली विवाद में किशोर की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के तिमारपुर में दशहरा कार्यक्रम के दौरान मामूली बात पर युवाओं के एक समूह ने 17 वर्षीय एक लड़के की चाकू घोंपकर कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटना मंगलवार रात करीब साढ़े आठ बजे गोल मार्केट के पास संजय बस्ती की है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, पीड़ित आर्यन का अपने कुछ दोस्तों के साथ एक लड़की से बात करने को लेकर विवाद हो गया था। दशहरा कार्यक्रम के दौरान मंगलवार शाम को विवाद फिर से बढ़ गया, जिसके बाद आरोपियों ने उस पर चाकुओं से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित पर चाकू से कई वार किये गये, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई और हमलावर फरार हो गये। पीड़ित कक्षा दसवीं का छात्र था। पुलिस ने बताया कि आरोपी पीड़ित के जानकार हैं क्योंकि वे भी उसे इलाके में रहते हैं, जहां पीड़ित रहता था। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। आर्यन अपने परिवार के साथ संजय बस्ती में रहता था। वह एक पत्राचार स्कूल से पढ़ाई कर रहा था।

दिल्ली सीमा शुल्क विभाग ने 328 किलोग्राम मादक पदार्थ, 80 लाख विदेशी सिगरेट का किया निपटान

नई दिल्ली। दिल्ली सीमा शुल्क विभाग ने जब्त किए गए करीब 294 करोड़ रुपये मूल्य के 328 किलोग्राम मादक पदार्थों और विदेशी मूल की सिगरेट का बुधवार को निपटान किया। एक विशेष अभियान 3.0 के तहत दिल्ली सीमा शुल्क निवारक क्षेत्र ने 80 लाख सिगरेट, 286 किलोग्राम खट पत्तियां, 29 किलोग्राम हेरोइन, छह किलोग्राम कोकीन और सात किलोग्राम एम्फेटामाइन का निपटान किया। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि आज 328 किलोग्राम मादक पदार्थ नष्ट किया जा रहा है। इसकी कीमत 284 करोड़ रुपये है। विदेशी 80 लाख सिगरेट जो आज नष्ट की जा रही हैं, उनकी कीमत 9.85 करोड़ रुपये है। इन मादक पदार्थों का निपटान जहांगीरपुरी में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा अधिकृत जैविक अपशिष्ट प्रबंधन सुविधा में किया जा रहा है। सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम का उल्लंघन कर सिगरेट की भारत में तस्करी की गई थी। तस्करी से आई इन इन सिगरेट के पैकेट पर अनिवार्य स्वास्थ्य व सचित्र चेतावनियां नहीं थीं।

दिल्ली : डोमेस्टिक ब्रीडिंग चेकिंग कार्यकताओं को एमटीएस के तौर पर नियुक्त करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में अनुबंध के आधार पर मल्टी टास्किंग कर्मचारी (एमटीएस) के तौर पर 3,000 से अधिक डोमेस्टिक ब्रीडिंग चेकिंग (डीबीसी) कार्यकताओं को शामिल करने का प्रस्ताव अगले नगर निगम सदन में लाए जाने की संभावना है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। डीबीसी कार्यकताओं के कार्य में मलेरिया, डेंगू और अन्य मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रित करना शामिल है। सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि वर्तमान में महापौर की अनुमति से और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा तय न्यूनतम वेतनमान के तहत 3,112 डीबीसी कार्यकर्ता यह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब से सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग सहित एमसीडी के विभिन्न विभागों में मल्टी-टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) के रिक्त पदों पर डीबीसी कार्यकताओं को लेने पर विचार किया जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि प्रस्ताव शुक्रवार को अगले एमसीडी सदन में लाए जाने की संभावना है। एक सूत्र ने दावा किया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग में 172 रिक्त पदों के अलावा विशेष रूप से मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए काम को लेकर अनुबंध के आधार पर 3,112 डीबीसी कार्यकताओं को तैनात करने के मकसद से एमटीएस पद सृजित किए जाएंगे। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, डीबीसी कार्यकर्ता डेंगू, चिकनगुनिया और अन्य मच्छर जनित बीमारियों के प्रसार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ये कार्यकर्ता घरेलू कंटेनर, कूलर, छतों की टंकियों, फूलों के बर्तनों, टिन, टायर आदि में मच्छरों के लारवा के प्रजनन की जांच करने के लिए घर-घर जाकर सर्वेक्षण करते हैं। वे ऐसी बीमारियों की रोकथाम के बारे में सार्वजनिक जागरूकता भी पैदा करते हैं।

दिल्ली के लोगों की बढ़ने वाली हैं दिक्कतें, डीपीसीसी के चेयरमैन पर सुपरसाइट पर काम बंद करने का आरोप

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के बीच पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने डीपीसीसी के चेयरमैन पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि डीपीसीसी के चेयरमैन अश्विनी कुमार के गैर जिम्मेदाराना और लापरवाह कृत्य से दिल्ली के दो करोड़ से अधिक लोगों के लिए समस्या बढ़ने वाली है।

अश्विनी कुमार पर गोपाल राय का आरोप गोपाल राय ने अश्विनी कुमार पर रियल टाइम सोर्स अपार्शनमेंट स्टडी बंद करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय या कैबिनेट को विश्वास में लिए बगैर उन्होंने न सिर्फ इस सुपरसाइट पर काम बंद करवा दिया, बल्कि आईआईटी कानपुर की पेमेंट भी रोक दी। पर्यावरण मंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दिल्ली कैबिनेट ने जुलाई 2021 में अध्ययन प्रस्ताव को मंजूरी दी थी और अक्टूबर 2022 में आईआईटी कानपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इसकी अनुमानित लागत 12 करोड़ रुपये से अधिक थी। प्रभावी रूप से रद्द हो गया अध्ययन दिल्ली सरकार ने आवश्यक उपकरणों की खरीद के लिए आईआईटी कानपुर को 10 लाख रुपये जारी किए थे। मंत्री ने दावा किया कि दिसंबर में डीपीसीसी अध्यक्ष की भूमिका निभाने वाले अश्विनी कुमार ने इस साल की शुरूआत में एक फाइल नोट बनाया था, जिसमें अध्ययन से जुड़े पर्याप्त खर्च के बारे में चिंता व्यक्त की गई थी। दिल्ली के मंत्री ने कहा कि आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों के साथ कई बैठकों के बाद कुमार ने 18 अक्टूबर को आईआईटी कानपुर को शेष धनराशि जारी करने से रोकने के आदेश जारी किए, जिससे अध्ययन प्रभावी रूप से रद्द हो गया। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसा निर्णय ऐसे समय में लिया गया है, जब दिल्ली को अपनी प्रदूषण समस्या के समाधान के लिए वैज्ञानिक डेटा की तत्काल आवश्यकता है। लोगों के लिए समस्या बढ़ने वाली है- गोपाल राय अब जब सर्दियों की दस्तक के साथ ही दिल्ली में वायु प्रदूषण का खतरा बढ़ रहा है, सुपरसाइट से रियल टाइम आंकड़े ही मिलने बंद हो गए हैं। अश्विनी कुमार के इस गैर जिम्मेदाराना और लापरवाह कृत्य से दिल्ली के दो करोड़ से अधिक लोगों के लिए समस्या बढ़ने वाली है। गोपाल राय ने कहा कि हमने अरविंद केजरीवाल को नोट भेजकर अश्विनी कुमार को डीपीसीसी चेयरमैन पद से निलंबित करने का अनुरोध किया है। वहीं, कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा कि करीब 12 करोड़ के बजट वाली इस स्टडी और सुपरसाइट की जब आज सबसे ज्यादा जरूरत है तो दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने इसे बंद करवा दिया और कैबिनेट के निर्णय को बदल दिया है। आज सुपरसाइट पर 10 करोड़ की मशीनरी धूल फांक रही है, वहां कोई काम ही नहीं हो पा रहा है। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने आगे कहा कि यह पहला मामला नहीं है, जब से जीएनसीटीडी एक्ट आया है, दिल्ली सरकार के बहुत से अधिकारियों ने निर्वाचित सरकार के आदेश मानने से ही इनकार कर दिया है। सीएम से यह अनुरोध भी किया गया है कि आईआईटी कानपुर को बकाया 60 लाख रुपये का भुगतान जल्द से जल्द कराया जाए, ताकि स्टडी फिर से शुरू हो सके।

श्री धार्मिक लीला कमेटी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

● रामलीला में रावण वध का मंचन हुआ और रावण के पुतले का दहन करके दशहरा मनाया गया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

इस साल की 100 साल पूरे होने पर इस साल की सभी झलकियों और तैयारियों को साझा किया। रामलीला के अध्यक्ष श्री धीरज धर गुप्ता बताते हैं कि इस साल 160 फुट का मंच तैयार किया जाएगा और हनुमान के रूप में अभिनेता विंदू दारा सिंह और रावण के रूप में अभिनेता शाहबाज खान रामलीला में भूमिकाएँ निभा रहे हैं। इस वर्ष रामलीला के 100 वर्ष हैं और इस वर्ष हम उन सभी को सम्मानित कर रहे हैं जो सामाजिक गतिविधि कर रहे हैं विकास, अनाथालय, महिला सशक्तिकरण, वृद्धावस्था देखभाल, शिक्षा और शिक्षित भारत संरक्षित भारत, लैंगिक समानता, स्वच्छता और स्वच्छ भारत और सुरक्षित वातावरण. जो लोग अच्छा काम कर रहे हैं उन्हें सम्मानित किया जाएगा ताकि समाज के लिए सभी की भलाई के लिए प्रेरित किया जा सके और श्री राम जी के सिद्धांतों का भी पालन किया जा सके। श्री धार्मिक लीला कमिटी (रजि.), लाल किला मैदान के सभी सदस्यों ने अपना समय रामलीला के लिए समर्पित किया और निम्नलिखित नाम हैं: धीरज धर गुप्ता, सुरेश गोयल,प्रदीप सरन,महेश गुप्ता,राकेश गुप्ता,रजत गुप्ता,अतुल गुप्ता,कमल कांत जैन,सतीश गर्ग,ब्रहम सोनी,मनीष गुप्ता,सुनील गुप्ता,मोहम्मद उस्मान,राजेश गुप्ता,सुशील जैन,ब्रहम सोनी,ओम किशन गुप्ता,अभिषेक गोयल,सोनल गुप्ता,शिवम गुप्ता,विकास गुप्ता, विनय शर्मा

दिल्ली की अदालत ने न्यूजक्लिक के संपादक, एचआर हेड की न्यायिक हिरासत 2 नवंबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत दर्ज मामले में गिरफ्तार न्यूजक्लिक के संस्थापक-संपादक प्रबीर पुरकायस्थ और मानव संसाधन प्रमुख अमित चक्रवर्ती की न्यायिक हिरासत आठ दिनों के लिए बढ़ा दी। दोनों को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) हरदीप कौर के समक्ष बुधवार को पेश किया गया। अदालत ने उनकी न्यायिक हिरासत 2 नवंबर तक बढ़ा दी।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पुरकायस्थ और चक्रवर्ती को तीन अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। उनकी गिरफ्तारी के एक दिन बाद, पटियाला हाउस कोर्ट की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) हरदीप कौर ने उन्हें चार अक्टूबर को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। दोनों ने फिर हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन राहत नहीं मिली।

दोनों इसके बाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। 19 अक्टूबर को शीर्ष अदालत ने याचिकाओं पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया। शीर्ष अदालत अब इस मामले पर 30 अक्टूबर को सुनवाई करेगी। पुरकायस्थ का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने पहले उच्च न्यायालय के समक्ष तर्क दिया था कि सभी तथ्य झूठे हैं और एक पैसा भी चीन से नहीं आया है।

3 अक्टूबर को स्पेशल सेल द्वारा की गई तलाशी, जब्ती और हिरासत के संबंध में एक बयान में दिल्ली पुलिस ने कहा था कि कार्यालय परिसर में कुल 37 पुरुष और नौ महिला संदिग्धों से पूछताछ की गई। संदिग्धों से उनके आवासों पर पूछताछ की गई।

पुलिस ने कहा कि डिजिटल उपकरणों, दस्तावेजों को जब्त कर लिया गया। स्पेशल सेल ने मामले के संबंध में 17 अगस्त को न्यूजक्लिक के खिलाफ यूएपीए और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की थी। अगस्त में, न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में न्यूजक्लिक पर कथित तौर पर चीनी प्रचार को बढ़ावा देने के लिए अमेरिकी करोड़पति नेविल रॉय सिंघम से जुड़े नेटवर्क से पैसे लेने का आरोप लगाया गया था।

एक व्यक्ति ने अवैध संबंध के शक में की पत्नी की हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली में एक व्यक्ति ने अवैध संबंध के शक में 35 वर्षीय पत्नी की हत्या कर दी। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। मृतका की पहचान चांद बाग इलाके की रहने वाले शबनम के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात 12:46 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को दयालपुर थाने में हुई घटना के संबंध में कॉल मिली। शुरूआती पूछताछ में पता चला कि आरोपी उम्मीद (40) और शबनम चांद बाग के ई-ब्लॉक में किराए पर रहते थे। उनकी शादी को सात साल हो गए। उम्मीद एक बढ़ई के तौर पर काम करता है। पुलिस उपायुक्त (उत्तरपूर्व) जॉय टिर्की ने कहा, घटना वाले दिन दंपति की जमकर लड़ाई हुई। इस बीच उम्मीद ने अपनी पत्नी का गला घोंट दिया, जिसके बाद वह बेहोश हो गई। उसे जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। दंपति के चार बच्चे हैं, तीन वर्तमान शादी से और एक नौ वर्षीय बेटी मृतका की पिछली शादी से। डीसीपी ने कहा, उम्मीद को शक था कि उसकी पत्नी का अवैध संबंध है। दयालपुर पुलिस स्टेशन में हत्या का मामला दर्ज किया जा रहा है।

बुराई पर अच्छाई की जीत बताया दशहरा पर्व को रामदास मलिक

नई दिल्ली। दिल्ली गेट रामलीला मैदान में समाजसेवी रामदास मलिक पहुंचे उन्होंने कहा बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में मनाया जाता है दशहरा पर्व दमनकारी शक्तियों का विनाश विवेकता समानता सहनशीलता उदारता भरा हुआ हुआ सनातनीय हिंदुओं का त्यौहार है आप सनातन के प्रति अपने आप को समर्पित करें रामचरित्र मानस का स्मरण करें आज देश का विश्व में नाम है यह जिम्मेदारी देश की युवा पीढ़ी के कंधों पर है इसे देश और विश्व का भला होगा दशहरे के पर्व पर उन्होंने संदेश में कहा यह दशहरा 250 साल के बाद ऐसा पहला दशहरा मनाया जा रहा है क्योंकि बड़े लंबे संघर्ष के बाद अयोध्या में पुरुषोत्तम श्री राम का भवय मंदिर बनकर तैयार है उसके कपाट खुलने से पहले का यह पहला दशहरा है रामलीला हमारे धर्म के लिए हिंदू धर्म के लिए सनातन धर्म के लिए अपसी भाई चारे का सदेश मिलता हैं यह हजारों साल से भारतीय रामलीला का बड़ा महत्व है संस्कृति की धरोहर है हिंदू धर्म के अनुयाई करीब 100 करोड़ है उन्हें हर साल और इस कार्यक्रम को हर साल बढ़चड कर मनाना जाना चाहिए। मंच पर पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता जी ने भी आर. डी मलिक के साथ चर्चा हुई उन्होंने कहा आर.डी मलिक हमारे पुराने मित्र हैं साथ में मिलकर काम किया है एक अच्छे समाज सेवक हैं और उन्होने समाज के लिए अनेको काम किये हैं उन्होने दशहरा पर्व पर आये बहुत सारे समाज के लोग भाई बहनों और प्यारे बच्चों को बधाई दी और यह एक रामलीला नहीं भारत की संस्कृति धर्म और मयार्दा है भारत को आगे बढ़ाने का एक जरिया है भारत की संस्कृति है जीस तरीके से आगे बढ़ रही है भारत की संस्कृति के कारण बहुत बड़ी प्रेरणा मिल रही है रामलीला समिति के अध्यक्ष अजय अग्रवाल और पूरी टीम को मैं बधाई देता हूं और आये हुए सभी भाइयो बहनों को दिवाली भैया दूज, छठ पूजा, करवा चौथ पर आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं।

2030 तक सड़कों पर होंगी दस गुना इलेक्ट्रिक कारें

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

ऊर्जा जगत में साल 2030 तक बहुत कुछ बदलने वाला है। और यह बदलाव होगा मौजूदा नीतियों के चलते। वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक की ताजा रिपोर्ट की मानें तो आने वाले कुछ सालों में सड़कों पर लगभग 10 गुना अधिक इलेक्ट्रिक कारें होंगी, और रिन्यूबल एनर्जी स्त्रोत दुनिया के ऊर्जा स्रोतों का लगभग आधा हिस्सा बनाएंगे। लेकिन इस सब के साथ वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5त्उ तक सीमित करने के लिए मजबूत नीतियों की आवश्यकता भी होगी।

दरअसल अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (क्एअ) ने वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक 2023 नामक एक रिपोर्ट जारी की है जो दशार्ती है कि सौर पैनल, पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिक कार और हीट पंप जैसी स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियां अधिक लोकप्रिय हो रही हैं। ये प्रौद्योगिकियां हमारे कारखानों, वाहनों, घरेलू उपकरणों और हीटिंग सिस्टम जैसी चीजों को बिजली देने के तरीकों को बादल रही हैं।

साल 2030 में कैसी दिखेगी ऊर्जा प्रणाली? यह रिपोर्ट इस बारे में भी बात करती है कि साल 2030 में ऊर्जा प्रणाली कैसी दिखेगी। इसमें तब तक सड़क पर बहुत अधिक इलेक्ट्रिक कारों का होना, सोलर पैनलों से पूरे अमेरिकी बिजली प्रणाली की तुलना में अधिक बिजली पैदा होना, और रिन्यूबल एनर्जी का वैश्विक बिजली का लगभग 50% हिस्सा बनाना वगैरह शामिल हैं। साथ ही इसमें यह भी बताया गया है कि साल 2030 तक हीटिंग के लिए पारंपरिक जीवाश्म ईंधन बॉयलरों के मुकाबले इलैक्ट्रिक हीटिंग सिस्टम अधिक बिकेंगे।

ये सभी परिवर्तन आज की नीतियों पर आधारित हैं। यदि देश ऊर्जा और जलवायु के बारे में अपने वादों पर कायम रहते हैं, तो हम क्लीन एनेर्जी में और भी तेजी से प्रगति देख सकते हैं। लेकिन यह स्पष्ट है कि ग्लोबल वार्मिंग को नियंत्रण में रखने के लिए मजबूत उपायों की आवश्यकता है।

ऊर्जा आपूर्ति में फोस्सिल फ्यूल की हिस्सेदारी घटने की उम्मीद

क्लीन एनर्जी के बढ़ने और विश्व की अर्थव्यवस्था में बदलाव का फोस्सिल फ्यूल पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। इस दशक में कोयला, तेल और प्राकृतिक गैस की मांग चरम पर पहुंचने की उम्मीद है, जो इस तरह के परिदृश्य में पहले नहीं हुआ था। विश्व की ऊर्जा आपूर्ति में फोस्सिल फ्यूल की हिस्सेदारी भी घटने की उम्मीद है, और ऊर्जा से संबंधित कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन 2025 में अपने उच्चतम बिंदु पर पहुंच जाएगा।

इससे क्या लाभ होंगे?

क्लीन एनेर्जी की ओर पूरी दुनिया बढ़ रही है और यह अपरिहार्य है। सरकारों, कंपनियों और निवेशकों को इस परिवर्तन का समर्थन करने की आवश्यकता है क्योंकि यह नई नौकरियां, स्वच्छ हवा और सुरक्षित जलवायु सहित कई लाभ लाता है।

- फतिह बिरोल, क्एअ के कार्यकारी निदेशक

उन्होंने आगे बताया कि लेकिन अगर हम फोस्सिल फ्यूल का उपयोग कम नहीं करते हैं, तो हम वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाएंगे। इससे अधिक गंभीर जलवायु समस्याएं पैदा हो सकती हैं और हमारी ऊर्जा प्रणाली खतरे में पड़ सकती है।

1.5त्उ लक्ष्य को पूरा करना अभी भी संभव है, लेकिन यह आसान नहीं होगा। निष्क्रियता के परिणामस्वरूप वैश्विक तापमान 2.4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है, जो पेरिस समझौते की अनुमति से अधिक है।

विश्व ऊर्जा आउटलुक 2023 2030 तक दुनिया को पटरी पर लाने के लिए एक रणनीति का भी सुझाव देता है, जिसमें रिन्यूबल एनर्जी बढ़ाना, ऊर्जा दक्षता में सुधार करना, मीथेन एमिशन को कम करना, विकासशील देशों में स्वच्छ ऊर्जा में अधिक निवेश करना और जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना शामिल है।

रिपोर्ट स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में तेजी लाने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर जोर देती है। यह मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और पिछले साल के वैश्विक ऊर्जा संकट के लंबे समय तक बने रहने वाले प्रभावों के साथ दुनिया में ऊर्जा सुरक्षा चुनौतियों पर भी विचार करता है।

अंतरराष्ट्रीय गैस बाजार में प्रभावित हो सकती है रूस की हिस्सेदारी

रिपोर्ट प्राकृतिक गैस बाजार पर भी नजर डालती है, जो आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण अनिश्चित है। हालांकि, तरलीकृत प्राकृतिक गैस परियोजनाओं में वृद्धि से उन चिंताओं में कमी आएगी और आपूर्ति अधिशेष पैदा हो सकता है। इससे अंतरराष्ट्रीय गैस बाजार में रूस की हिस्सेदारी प्रभावित हो सकती है।

चीन वैश्विक ऊर्जा रुझानों में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है, और रिपोर्ट में भविष्यवाणी की गई है कि स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर बदलाव के कारण इस दशक के मध्य में चीन की ऊर्जा मांग चरम पर होगी।

रिपोर्ट में इस दशक में सौर ऊर्जा में अधिक वृद्धि की संभावना के बारे में भी बात की गई है। इससे पता चलता है कि सौर ऊर्जा चीन और अन्य क्षेत्रों में कोयला आधारित बिजली उत्पादन को कम कर सकती है।

संक्षिप्त खबरें

कार्यस्थल पर महिलाओं के उत्पीड़न की जांच को ले समिति गठित

छपरा नगर।कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न का शिकार होने वाली महिलाएं अपनी शिकायत दर्ज करा न्याय पा सकेंगी। आयुक्त के सचिव ने इस हेतु प्रमंडल स्तर पर अंतरिक शिकायत समिति का गठन करते हुए पत्र जारी किया है. यह समिति कार्य स्थल पर महिलाओं के साथ किए जाने वाले लैंगिक भेदभाव अथवा उत्पीड़न के संबंध में प्राप्त परिवाद पत्रों पर सुनवाई करेगी तथा जांच कर मामले का त्वरित निष्पादन करेगी. यह समिति महिला लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम 2013 में निहित प्रावधानों के अंतर्गत गठित की गई है। 5 सदस्यीय समिति में अध्यक्ष के रूप में जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस, सारण, कुमारी अनुपमा नामित की गई हैं तो वहीं चार अन्य सदस्य के तौर पर बीएसएस के प्रशाखा पदाधिकारी प्रभात कुमार सिंह व अनिल कुमार सिन्हा, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी गड़खा, सुश्री स्वाति चौधरी तथा राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की संगीत शिक्षिका प्रियंका कुमारी शामिल हैं।

चार शिक्षकों ने बीपीएससी शिक्षक परीक्षा में लहराया परचम

रसूलपुर।थाना क्षेत्र की असहनी पंचायत के रामनंदन उच्च विद्यालय योगियां के अलग अलग विषयों के चार शिक्षकों ने बीपीएससी शिक्षक परीक्षा में उतीर्णता हासिल कर अपने स्कूल का मान बढ़ाया है।वरिष्ठशिक्षिका कृतमाला यादव ने उच्चतर माध्यमिक में अर्थशास्त्र के साथ साथ उच्च माध्यमिक में हिन्दी विषय में भी सफलता पायी हैं।वहीं उच्च माध्यमिक में अनुसूचित जाति वर्ग के अंग्रेजी शिक्षक सुरेन्द्र मांझी का चयन अंक व मेरिट के आधार पर सामान्य कोटि में हुआ है।उच्चतर माध्यमिक के लिए राजेंद्र कुमार का इतिहास विषय और शिक्षक सुनील राम ने उच्च माध्यमिक के लिए गणित विषय में सफलता हासिल की है।सफलता हासिल करने पर प्रधानाचार्य लाल बाबू यादव, मुखिया अखिलेश ईशनाथ यादव,मुखियापति व प्रतिनिधि मिथिलेश प्रसाद, उपमुखिया मनोज सोनी उर्फ नन्हें ने बधाई दी है।

मेले में लायंस क्लब ऑफ छपरा ग्रेटर ने की पेयजल की व्यवस्था

छपरा कार्यालय।लायंस क्लब ऑफ छपरा ग्रेटर के द्वारा शहर में अष्टमी, नवमी एवं दसवीं को तीन दिनों तक मेला में घूम रहे श्रद्धालुओं को पिने के लिए शुद्ध ठंडा पेयजल की व्यवस्था की गई। पेयजल की इस व्यवस्था से लगभग पांच हजार श्रद्धालुओं लाभान्वित हुए। मेले में काफी भीड़ होने के कारण श्रद्धालुओं को पेयजल की निरंतर आवश्यकता महसूस हो रही थी।लोग प्यासे थे, लायंस क्लब द्वारा की गई पेयजल की व्यवस्था से लोगों ने अपनी प्यास बुझाई एवं लायंस क्लब को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर ₹लायंस क्लब ऑफ छपरा ग्रेटर₹ के अध्यक्ष करण सिंह, पूर्व अध्यक्ष एस म इब्राहिम, वरिष्ठ सदस्य एस जेड ए रिजवी, विक्की आनंद, डॉ कामेश्वर राय, सचिव लायंन राजेश उपाध्याय, कोषाध्यक्ष अमिताभ कुमार, सदस्य संतोष कुमार सिंह, मुमताज इमाम, रंजीत कुमार सिंह और लियो क्लब ऑफ छपरा ग्रेटर के सचिव अर्जुन कुमार, सदस्य रूपेश कुमार श्रीवास्तव ने सक्रिय सहयोग किया।

दुर्गा पूजा घूमने गए 4 घरों में लाखों की चोरी

छपरा ग्रामीण। रिविलगंज थाना क्षेत्र के मैनपुरा के टोला गाँव में गत दिनों चार घरों में चोरों ने लाखों के जेवरात व समान गायब कर दिए। मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के सत्यदेव ठाकुर, जनकदेव ठाकुर, सुरेश ठाकुर व अलखदेव ठाकुर अपने घर मे ताला बंद कर कोलकाता व अन्य शहरों में दुर्गा पूजा का मेला घूमने गए थे। इस बीच घर के पीछे से सीढ़ी के सहारे चोरों में घर मे प्रवेश कर घर से सोना, चांदी के गहने समेत मोटर, चापाकल व अन्य सामान गायब कर दिए। इस संबंध में पीड़ित परिजनों द्वारा स्थानीय थाना में आवेदन दिया गया है। स्थानीय थाना मौके पर पहुँच कर मामले की छान- बीन में जुटी है।

बुराई पर अच्छाई की जीत धु धु करके जला रावण

मढ़ौरा। मढौरा पुरानी बाजार के पास आयोजित रावण दहन कार्यक्रम के दौरान रावण का विशालकाय पुतला धु धु करके जला। इस कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मढौरा एसडीओ डॉक्टर प्रेरणा सिंह, डीएसपी नरेश पासवान, मुख्य पार्षद रुबी सिंह, जिला पार्षद मीणा अरुण, पूर्व मुख्य पार्षद ललन राय सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप दीप जला कर किया। इस दौरान सभी अतिथि और समिति के सदस्यों को अंग वस्त्र देकर आयोजन समिति द्वारा अभिनंदन किया गया। इस रावण दहन में राम और रावण की सेना का प्रतीकात्मक युद्ध भी दिखाया गया। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर हजारों की संख्या में दर्शक मौजूद थे। वहीं कार्यक्रम का मंच संचालन वरिष्ठ पत्रकार सच्चिदानंद ओझा ने किया।

श्रद्धालु भक्त गणो ने किया माँ दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन

प्रात : किरण संवाददाता

गडहनी ।भोजपुर नगर पंचायत गडहनी सहित प्रखण्ड क्षेत्र के विभिन्न स्थानो पर रखे गये माँ दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन पुलिस प्रशासन की कडी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शान्ति और सौहार्द के साथ किया गया।

वहीं नगर पंचायत गडहनी स्थित शिव मंदिर बिचली पट्टी मे स्थापित मूर्ति को शिवघाट बनास नदी मे विसर्जित किया गया।मूर्ति विसर्जन से पूर्व श्रद्धालुओ ने विधि विधान के अनुसार वैदिक मंत्रोचार के साथ पूजा अर्चना के बाद खोईछा भराई का कार्यक्रम सम्पन्न किया तत्पश्चात बुधवार को बाजे गाजे के साथ विसर्जन किया। विसर्जन जुलुस में शामिल युवाओं व छात्र छात्राओ द्वारा माँ दुर्गा की जयघोष करते हुए प्रतिमाओं के साथ नगर के सभी प्रमुख मार्गो का भ्रमण किया गया।विसर्जन जुलुस मे शामिल लोगों द्वारा किये जा रहे जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।इस दौरान डीजे के धुन पर बच्चे झुमते गाते नजर आये।मूर्ति विसर्जन के दौरान युवाओं मे एक गजब का उत्साह देखा गया।जुलूस गाँव के एक छोर से दुसरे छोर होते हुए अन्त मे गाँव से पुरब स्थित कोयला फैक्ट्री बनास नदी पहुंचा जहाँ माँ दुर्गा की वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना छमा प्रार्थना किये जाने के बाद देवी देवताओं की प्रतिमाओं को नदी में विसर्जित कर दिया गया।मूर्ति विसर्जन मे गडहनी पूजा कमिटी के अध्यक्ष सुमन कुमार चौरसिया, सचिव समर गुप्ता, कोषाध्यक्ष भीम कुमार सोनी, राहुल कुमार, भोला प्रसाद केशरी, राकेश कुमार, वार्ड पार्षद चंदन कुमार सोनी, उपमुख्य पार्षद सुनय कुमार परमार, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अविनाश कुमार राव, उदय प्रताप सिंह, नीरज कुमार गुप्ता वहीं विचली पट्टी पूजा समिति के अध्यक्ष पंकज सिंह, सचिव नितेश सिंह, कोषाध्यक्ष रमन सिंह, टेक्नीशियन अभिषेक कुमार उर्फ चिटु, मुख्य सलाहकार भगवान प्रसाद सोनी सहित सैकडों श्रद्धालु भक्तगण व अन्य लोग शामिल रहे।

शांति निकेतन एकेडमी में मनाया गया स्वामी जी का अवतरण दिवस

प्रात : किरण संवाददाता

गया। शहर के ए.पी. कॉलोनी नियर आशा सिंह मोड़ के निकट, शांति निकेतन एकेडमी में श्री परांकुश फाउंडेशन ट्रस्ट के सचिव हरीप्रपन्न के द्वारा हुलासगंज ,सरौती मठ के परम पूज्य गुरुदेव बैकुंठ वासी श्री रंग रामानुजाचार्य स्वामी जी का 92वीं अवतरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर वैष्णव समाज के द्वारा स्तुति, पुजन एवं दीप प्रज्वलित किया गया। हरि प्रपन्न ने स्वामीजी के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा की संस्कृत भाषा के विकास तथा सनातन धर्म की रक्षा के लिए उन्होंने ना सिर्फ हुलासगंज बल्कि उत्तर प्रदेश, बिहार तथा उड़ीसा जैसे जगहों पर भी शैक्षणिक संस्थाओं को स्थापित किया उनके सानिध्य में विभिन्न मंदिरों का निर्माण कराया गया और सभी ने उनके द्वारा स्थापित विद्यालय , महाविद्यालय, बाल्य विधालय को सुचारू रूप से चलाने का संकल्प लिए। स्वामीजी महाराज के द्वारा दिए गए आशीर्वचन को अक्षरशः पालन करना हमलोग के जीवन का उद्देश्य है। इस मौके पर वजीरगंज के विधायक वीरेंद्र सिंह ने कहा कि वे मगध क्षेत्र के प्रसिद्ध हुलासगंज धाम आश्रम के संस्थापक पीठाधीश थे देश में रामानुजी वैष्णव समाज के शीर्ष संतों में उनकी गिनती होती थी. देश के अनेक प्रमुख शहरों और प्रसिद्ध तीर्थस्थलों पर उनके आश्रम और संस्कृत के विद्यालय हैं। मौके पर श्री प्रपन्न ने कहा कि स्वामीजी सत्तर वर्ष पूर्व से समाज में नशा मुक्ति अहिंसा एवं संस्कार और संस्कृति का पाठ पढ़ाया है। आज जो कार्य बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार में नशा मुक्ति अभियान शुरू किए हैं । गुरुदेव के द्वारा सत्तर वर्ष पूर्व से करते आ रहे थे।

स्वामी जी ने हमेशा धर्म और सच्चाई के रास्ते पर चलते हए मानव सेवा की थी। तथा मुफ्त शिक्षा, भोजन कपड़ा और आवासन का गरीब छात्रों को जीवन पर्यन्त व्यवस्था करते रहे है।इस अवसर पर बजीरगंज विधायक बीरेंद्र सिंह, गया नगर निगम के महापौर गणेश पासवान,

उप-महापौर मोहन श्रीवास्तव, रामगोविंद शर्मा मेमोरियल कॉलेज के प्राचार्य कुश शर्मा, परांकुशाचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य श्री कुमार, तथा पूर्व प्राचार्य वेंकटेश शर्मा, लव कुमार, डॉङ्क ऋषिकेश, डॉङ्क मृत्युंजय कुमार,श्रवण शांडिल्य, आदि अनेकों भक्त सम्मिलित हुए। इस मौके पर प्रशासनिक पदाधिकारी, न्यायिक पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, चिकित्सागण, जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद, एवं परिजन उपस्थित थे।

विजयदशमी समारोह का भव्य आयोजन सफलतापूर्ण हुआ संपन्न

विजयदशमी समारोह के सफल आयोजन पर समिति ने जिला प्रशासन का किया धन्यवाद

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में विजयदशमी समारोह का भव्य आयोजन शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। हजारों की संख्या में आए श्रद्धालुओं ने मेघनाथ और रावण का पुतला दहन देखा। असत्य पर सत्य के विजय का प्रतीक यह विजयदशमी समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला प्रशासन के सहयोग से यह आयोजन सफलता पूर्ण संपन्न हुआ।

समिति के कार्यकारी महामंत्री राजेश फैशन ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना इस वर्ष लोगों ने ज्यादा आतिशबाजी का आनंद लिया। पूरा स्टेडियम दशकों से भर गया था। इस बार दर्शकों के सहूलियत के लिए एलईडी स्क्रीन और कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए बीम शो का आयोजन किया गया। हर वर्ष की तुलना इस वर्ष भव्य बनाने की कोशिश समारोह को की गई थी। कार्यकारी महामंत्री राजेश फैशन ने कहा कि आमंत्रण को लेकर के जो आरोप लगाया जा रहा है वह निंदनीय है। यह कार्यक्रम सारण की सभी जिला वासियों का है। समिति की परंपरा रही है कभी भी किसी को आमंत्रण नहीं दिया गया है। यह कार्यक्रम सार्वजनिक रूप से मनाया जाता रहा है। इस समारोह में राजनीति नहीं होनी चाहिए। जो कोई भी तरीके की बात कर रहा है वह निंदनीय है।

सभी लोग इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते रहे हैं। समिति के द्वारा सिर्फ जिला प्रशासन को आमंत्रण दिया जाता है। जिला प्रशासन के सहयोग से ही आयोजन संपन्न हो पाता है। विजयदशमी समारोह समिति के अध्यक्ष सलीम परवेज, कार्यकारी अध्यक्ष वरुण प्रकाश राजा, महामंत्री विभूति नारायण शर्मा, कार्यकारी महामंत्री राजेश फैशन, सचिव राजू नयन शर्मा, मुख्य परामर्दर्शी अवधेश्वर सहाय, उपाध्यक्ष मदन मोहन सिंह, सत्य प्रकाश यादव, इंजीनियर सत्येंद्र कुमार सिंह, संजय कुमार सिंह, प्रकाश वर्मा, आदित्य कुमार, सैयद जफर अब्बास रिजवी, श्याम बिहारी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश श्रीवास्तव, अंकेक्षक पवन कुमार अग्रवाल, प्रेस प्रवक्ता सुनील कुमार सिंह, सहायक सचिव मनीष कुमार, चंद्रकांत द्विवेदी, राजीव रंजन, शिवजी कुमार यादव, अली रशीद, शशि भूषण प्रसाद, युवराज गोस्वामी, डॉक्टर आर एन सिंह, सत्य प्रकाश गुप्ता, संतोष कुमार सिंह, संगठन सचिन शंकरदेव सिंह, तकनीकी सचिव ब्रजकिशोर रजक आदि उपस्थित थे।

श्रीराम ने चलाया तीर और धू-धू कर जल उठा रावण

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा।अनाचार के प्रतीक दशानन का प्रतीकात्मक अंत विजयादशमी को हो गया। शहर के राजेंद्र स्टेडियम में मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम तथा लक्ष्मण ने ज्यों ही तीर मारा कि रावण और मेघनाथ के विशालकाय पुतले धू-धू कर जलने लगे। जय श्री राम के उदघोष से स्टेडियम और आसपास का क्षेत्र गूंज उठा। विजयादशमी समारोह समिति के तत्वावधान में आयोजित रावण वध कार्यक्रम को देखने के लिए लोगों का हुजूम दोपहर बाद से स्टेडियम में पहुंचना प्रारंभ हो गया था। रावण वध के पहले भगवान श्री राम की शोभा यात्रा शहर में भ्रमण किया। शहर भ्रमण के दौरान भगवान श्री राम लक्ष्मण और हनुमान की आरती उतारी गई। स्टेडियम में पहुंचते हीं श्रद्धालुओं ने शोभा यात्रा का विराट जयघोष के साथ स्वागत किया। वेद विद्यालय के बटुकों ने मंत्रोच्चारण कर भगवान श्रीराम लक्ष्मण तथा हनुमान जी का स्वागत किया।इसके बाद आतिशबाजी का दौर शुरू हुआ। आतिशबाजी के बीच भगवान श्रीराम ने अपना अग्निबाण चलाकर रावण की नाभि को निशाना बनाया। नाभि पर बाण लगते हैं रावण का वध हो गया। इस तरह असत्य पर सत्य, बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म ने विजय प्राप्त की। पूरा स्टेडियम श्री राम के जय जयकार से गूंज उठा। दर्शकों में महिलाओं की संख्या सबसे ज्यादा थी। उन्होंने आतिशबाजी का जमकर आनंद उठाया। इस बार 50 फीट का रावण एवं 45 फीट का मेघनाथ का विशालकाय पुतला बनाया गया था जो गगनचुंबी था। रावण-वध के पहले राम की सेना व रावण की सेना के बीच युद्ध हुआ। जिसे देखकर उपस्थित दर्शकों ने भरपूर आनंद लिया। रावण वध में अदभूत आतिशबाजी का नजारा दिखा। रंगीन आतिशबाजी से आसमान भी रंग-बिरंगा हो गया था। राम-रावण युद्ध में आतिशबाजी का नजारा देखते ही बन रहा था। दोंनो तरफ से फूलझड़ियों के तीर चल रहे थे। वहाँ का दृश्य बड़ा हीं रोमांचकारी दिख रहा था। रावण वध कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों ने आकाश में गुब्बारा उड़ाकर किया। विजयादशमी समारोह समिति के अध्यक्ष व विधान परिषद के पूर्व उपसभापति सलीम परवेज, जिलापदाधिकारी अमन समीर, आरक्षी अधीक्षक डॉक्टर गौरव मंगला, कार्यकारी अध्यक्ष वरूण प्रकाश राजा, विजयादशमी समारोह समिति के उपाध्यक्ष श्याम बिहारी अग्रवाल मदन मोहन सिंह, सत्य प्रकाश यादव, मनोज वर्मा संकल्प, सैयद जफर अब्बास रिजवी, संजय सिंह, कार्यकारी महामंत्री राजेश फैशन अंकेक्षक पवन कुमार अग्रवाल, सचिव राजू नयन शर्मा, संगठन सचिव शंकर देव सिंह, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश श्रीवास्तव व अन्य थे। मुख्य अतिथि ने आकाश में गुब्बारा उड़ा कर कार्यक्रम की शुरूआत की।

159 बटालियन सीआरपीएफ कमांडेंट कुमार मयंक ने पांव पखार किया कन्या पूजन

प्रात : किरण संवाददाता

गया। जगत जननी मां आदिशक्ति की आराधना के विशिष्ट अवसर शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर 159 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल मुख्यालय में कमांडेंट कुमार मयंक एवं सीआरपीएफ महिला परिवार कल्याण की अध्यक्षा सुप्रिया शैलेन्द्र ने विधि विधान से कन्या पूजन कर मातृशक्ति की आराधना की। मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की प्रतीक नौ कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे, चुनरी ओढाई, आरती उतारी, श्रद्धापूर्वक भोजन कराया, दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। कमांडेंट कुमार मयंक ने परम्परा का निर्वहन करते हुए बटुक पूजन भी किया।कन्या पूजन अनुष्ठान सर्वधर्म मंदिर परिसर में कमांडेंट कुमार मयंक ने श्रद्धाभाव से परंपरागत रूप से पीतल के परात में, तांबे के लोटे में भरे जल से नौ कुंवारी कन्याओं के बारी-बारी पांव धोये। उनके मस्तक पर रोली, चंदन, दही, अक्षत, दूर्वा का तिलक लगाया। चुनरी ओढ़ाकर, आरती उतारी, उपहार एवं दक्षिणा प्रदान कर आशीर्वाद लिया।इस मौके पर द्वितीय कमान अधिकारी लोकेश कुमार, डिप्टी कमांडेंट अमिताभ कृष्णा, सुबेदार मेजर पीएस राय सहित अन्य मौजूद थे।

पूजा पंडाल के किये जा रहे मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम का जायजा लिए

प्रात : किरण संवाददाता

गया।जिला पदाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा आज संयुक्त रूप से जिले के शहरी क्षेत्र में पूजा पंडाल के किये जा रहे मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम का जायजा लिया है।

अलग अलग स्पॉट पर रुक रुक कर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एव पुलिस पदाधिकारी से मूर्ति विसर्जन से संबंधित जानकारी लेते रहे हैं। आज प्रमुख स्थलों दुःखहरनी द्वार , जमा मस्जिद , गोल पत्थर मोड़, आजाद पार्क, टावर चौक, छत्ता मस्जिद, कोइरीबाड़ी दुर्गा स्थान, मुन्नी मस्जिद , रामपुर थाना क्षेत्र, कोतवाली थाना क्षेत्र, विष्णुपद थाना क्षेत्र एवं नादरागंज रामसागर क्षेत्र पर विशेष नजर बनाए रखने हेतु जिला प्रशासन के पदाधिकारी गणों एवं पुलिस कर्मियों को विशेष ध्यान रखने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया है।

कायस्थ परिवार बैठक सम्पन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। कायस्थ परिवार छपरा सारण की बैठक विजयदशमी के सुअवसर पर (आशीर्वाद मार्केट काम्प्लेक्स) भरत मिलाप चौक,भगवान बाजार (छपरा) में बैठक आयोजित की गई । बैठक की अध्यक्षता राजेश कुमार सिन्हा ने कि साथ ही सदस्यों का अभिवादन किया ।

समस्त कायस्थ परिवार के सदस्यों को जोड़ने का कार्य प्रिंस राज ने किया । जिनके सराहनीय प्रयास से आज सफल बैठक का आयोजन हुआ । बैठक में मुख्य रूप से 3 दिसंबर को देश रत्न डॉ राजेंद्र प्रसाद जी की जयंती धूमधाम के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। साथ ही साथ छपरा के कायस्थ रत्नों को जो अलग अलग छेत्रों में अपना अमूल्य योगदान दे रहे है ।उनको सम्मानित किए जाने पर विचार विमर्श किया गया।

युवा नेतृत्व की बात को भी बढाने की भी चर्चा हुई जिसमें अभिजीत श्रीवास्तव , राज सिन्हा,व रवीश कुमार श्रीवास्तव अन्य युवावों को आगे सक्रिय रूप से जुड़ने की बात की गई। एक अन्य प्रस्ताव में समाज के लिए मांगलिक कार्यों में इस्तेमाल किए जाने वाले बर्तनों को खरदीने की बात रखी गई। जिसका उपयोग कायस्थ समाज व अन्य समाज के लोग सहयोग राशि देकर कर सके ।

अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत, पाँच घायल

प्रात : किरण संवाददाता

माँझी। मंगलवार की शाम माँझी प्रखंड क्षेत्र में घटी तीन अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई तथा पाँच लोग घायल हो गए। तीनो मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए छपरा भेज दिया गया है जबकि घायल सभी पांचों का इलाज छपरा सदर अस्पताल में चल रहा है। पहली घटना माँझी बरौली मुख्य मार्ग पर स्थित शीतलपुर गांव के ब्रम्ह स्थान के समीप हुई जिसमें ट्रेक्टर व बाइक के बीच हुई भीषण टक्कर में बाइक सवार एक युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत ही गई जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मृतक सारण जिले के मशरख थाना क्षेत्र के सोनौली गांव निवासी मुकेश सिंह का पुत्र विवेक कुमार सिंह उम्र 28 वर्ष बताया जाता है। जबकि दूसरा जख्मी युवक मृतक का चचेरा भाई छद्दू सिंह का पुत्र रवि कुमार सिंह बताया जाता है। घटना के सम्बन्ध में बताया जाता है कि दोनों युवक दाउदपुर थाना क्षेत्र के मदनसाठ गांव स्थित अपने रिश्तेदार के यहाँ कथा पूजा में शामिल होने आये थे। पूजा के बाद दोनों युवक पूजा का प्रसाद लेकर बाइक से अपने गांव मशरक के सोनौली वापस लौट रहे थे तभी शीतलपुर गांव के ब्रम्ह स्थान के समीप अचानक बाइक अनियंत्रित होकर ट्रेक्टर से टकरा गई। उक्त दुर्घटना में विवेक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगो ने इसकी सूचना दाउदपुर थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुँची पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से घायल युवक को इलाज के लिए एकमा सीएचसी में भेज दिया। जहाँ चिकित्सक ने जांच के बाद एक युवक को मृत घोषित कर दिया। वही दूसरे घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए छपरा रेफर कर दिया। जबकि पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा भेज दिया। मौके पर मौजूद एसआई अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि मृतक की पहचान उसकी जेब से मिले आधार कार्ड से की गई और इसकी सूचना परिजन को दी गई। देर शाम को एकमा सीएचसी पहुँचे मृतक के रिश्तेदारों के रुदन क्रंदन से माहौल गमगीन हो गया। उधर दूसरी सड़क दुर्घटना में माँझी सिसवन मुख्य मार्ग पर मटियार गाँव के समीप अपनी चाय दुकान बन्द कर साईकिल से घर लौट रहे स्थानीय गाँव निवासी योगेन्द्र साह के पुत्र हाकिम साह उम्र 45 वर्ष को बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी जिसमें वे गम्भीर रूप से जख्मी हो गए। घायलों की बाइक को पुलिस ने जब्त कर लिया है। इधर ग्रामीणों ने दोनों घायलों को तत्काल माँझी सीएचसी पहुँचाया हालाँकि उनकी गम्भीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें छपरा भेज दिया जहाँ इलाज के क्रम में उनकी मौत हो गई। मृतक के परिवार में पत्नी के अलावा दो पुत्र व दो पुत्री हैं। चाय दुकान चलाकर वह अपने परिवार का भरण पोषण करता था। उक्त दुर्घटना में ग्रासपुर निवासी व बाइक चालक दोनों युवक भी जख्मी हो गए जिनका छपरा में इलाज चल रहा है।

बेला में विजयादशमी को कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

दरियापुर।स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के बेला स्थित नव दुर्गा मंदिर के प्रांगण में मंगलवार की रात कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।जिसमें राष्ट्रीय स्तर के कवियों ने भाग लिया।मशहूर कवि पंडित भूषण त्यागी ने अपनी मधुर आवाज में राष्ट्रीयता से ओतप्रोत कविताएं व मुक्तक सुना लोगों में देश प्रेम की भावना भर दी।उन्होंने कहा - ' एक मुहिम सक्षम भारत चला सखे।जिससे हम भारत वंसियों का हो भला सखे।हंसते हंसते जो सरहद पर जूझ गए,एक दीप भी उनकी खातिर जला सखे'।संचालन कर रहे चर्चित हास्य कवि बादशाह प्रेमी ने सुनाया -'बोझा बीमारी के ढोवत बा केहू,रिंगटोन मोबाइल में आइल बा अइसन, बाजत बा केकरो आ टोवत बा केहू'।उन्होंने अपनी कई हास्य कविताओ से लोगों को खूब हंसाया।अनुपम अनुराग ने जब सुनाया -'गमछा पगरिया के गारी मत समझर बिहारी हई भईया भिखारी मत समझर 'तो दर्शकों ने खूब तालियां बजाई।दुर्गेश दुर्लभ ने सुनाया -'देश की हर नौकरी जब पेंशन से मुक्त है,तो क्यों नही नेताओं का पेंशन हटाया जा रहा है ' तो लोगों ने भरपूर समर्थन किया।संतोष संगम ने प्रेम पर आधारित कई गजलें सुनाई।जिससे सुन दर्शक भाव विभोर हो गए। वहीं स्थानीय पत्रकार सह कवि अरविंद अनुज ने "दिल से कबहु बिसरे नाही, ईहे होला यार के मतलब,हर कीमत पर बिखरे नाही, बा इहे परिवार के मतलब"सुनाकर श्रोताओं को दोस्ती और परिवार की परिभाषा से रु-बरु कराया।जिसकी श्रोताओं ने काफी सराहना की।कार्यक्रम की शुरूआत माधुरी मधु की सरस्वती वंदना से हुई।मंच का उदघाटन विधायक प्रतिनिधि अखिलेश राय,मुखिया राम अयोध्या राय,सरपंच नेहा श्रीवास्तव,पैक्स अध्यक्ष नागेंद्र सिंह व विधान पार्षद प्रतिनिधि सह स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि छोटू ओझा ने संयुक्त रूप से किया।धन्यवाद ज्ञापन बबलू तिवारी ने किया।

भेल्दी में पिकअप वैन ने युवक को रौंदा,मौत

भेल्दी।साइकिल से अपने ससुराल जा रहे एक युवक को अनियंत्रित पिकअप वैन ने रौंद दिया जिससे उनकी दर्दनाक मौत हो गई।मृतक भुटकुन साह(35) मुजफ्फरपुर जिले के पारू थाने के चक्की सोहाग गांव के कैलाश साह का पुत्र बताया जाता है। मिली जानकारी के अनुसार पारू थाने के चक्की सोहाग गांव के भुटकुन साह मंगलवार को साइकिल से अपने ससुराल अमनौर थाने के सलखुआ गांव जा रहे थे।वे जैसे ही जलालपुर चौक के समीप पहुंचे कि तीव्र गति से आ रही पिकअप वैन से टक्कर मार दी जिससे वे गंभीर रूप से जख्मी हो गए।घटना के बाद लोग जुट गए और इलाज के लिए पटना ले जाने के दौरान सोनहो टोल प्लाजा के समीप रास्ते में उनकी मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही भेल्दी पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया। छपरा से पोस्टमार्टम होने के बाद मृतक भुटकुन साह का शव उनके पैतृक गांव मुजफ्फरपुर जिले के चक्की सोहाग में पहुंचते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। अमनौर थाने के सलखुआ गांव निवासी कामख्या साह के पुत्र चंदन कुमार साह ने घटना के संबंध में भेल्दी थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई है।

अच्छे चरित्र निर्माण से ही समाज वा देश की सूरत बदलेगी

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर (सारण)दशहरा पर्व असत्य पर सत्य की विजय के रुप में मनायी जाती है।अपने मन में बसे असुरी शक्ति को त्याग कर मन की शुद्धि करें उक्त बातें मंगलवार को जनता मेला का उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधान पार्षद व जन सुराज के वरिष्ठ नेता ई।सच्चिदानन्द राय ने कही। उन्होंने कहा कि अच्छे चरित्र निर्माण से ही समाज व देश की सुरत बदलेगी। अच्छे जनप्रतिनिधि का चुनाव करना आपसभी का दायित्व है। वोट देने के समय इसका ख्याल रखेंगे तो विकल्प अपने आप तैयार हो जायेगी।तभी आप अपने गांव, शहर व प्रदेश के विकास की परिकल्पना कर सकते है। वहीं विशिष्ट अतिथि बीडीओ मंजुल मनोहर मधुप ने अपने संबोधन में कहा कि अधर्म पर धर्म की व अन्याय पर न्याय की जीत ही दशहरा पूजा का मचल मंत्र है। इससे हमें सीख लेने की जरूरत है। अपने मन में बसे रावन को समाप्त करने का संकल्प लेना चाहिए। इसके पूर्व मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि एमएलसी ई।सच्चिदानन्द राय,विशिष्ट अतिथि बीडीओ मंजुल मनोहर मधुप, जिप प्रतिनिधि पप्पू सिंह, प्रियरंजन सिंह युवराज, मेला के अध्यक्ष कुलदीप महासेठ ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। वहीं समिति के सदस्यों द्वारा मंच पर उपस्थित अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं अध्यक्ष कुलदीप महासेठ द्वारा अभिनंदन पत्र मुख्य अतिथि एमएलसी ई। सच्चिदानन्द राय को सौंपा गया। इस मौके पर मुख्य रूप से जिला पार्षद प्रतिनिधि पप्पू सिंह, युवा नेता प्रियरंजन सिंह युवराज, जन सुराज नेत्री व पूर्व जिला पार्षद मनोरमा कुमारी, सरपंच संघ अध्यक्ष प्रतिनिधि धीरज सिंह, बीसीओ जीतेन्द्र कुमार, पूर्व जिला पार्षद विक्रमा मांझी आदि ने अपने अपने विचार व्यक्त किया। वहीं मेला के सचिव दिपक सोनी, गोपाल जी, विकास जयसवाल,शेखर पटेल, बहन आराधना, प्रितम गुप्ता, सुनील पटवा, मानीकचद्र जयसवाल, प्रदीप कुमार, बीडीसी विकास महतो, राजा गुप्ता, उज्जवल राज आदि सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। इधर ईश्वरीय ब्रम्हाकुमारी विश्वविद्यालय द्वारा जनता मेला में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि ई।सच्चिदानन्द राय व अन्य अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलदीप महासेठ तथा संचालन मेघा एजुकेशन के निदेशक पप्पू सिंह ने किया।

विचार मंथन

सम्पादकीय

पश्चिमी खेमे में फूट?

यूरोपीय राजनयिक परेशान हैं। उनके मुताबिक अपने मौजूदा रुख से पश्चिम ने विकासशील दुनिया में अपना नैतिक बल खो दिया है। ये देश पूछ रहे हैं कि जो दलील पश्चिम यूक्रेन के मामले में दे रहा था, गाजा में उनका आचरण उसके विपरीत क्यों है? हमास के हमलों के बाद अमेरिका के जो बाइडेन प्रशासन ने फिलस्तीन विवाद में इजराइल को संपूर्ण समर्थन देने की नीति अपनाई है। जी-7 के सदस्य देशों के अलावा ज्यादातर यूरोपीय सरकारें भी अपने चिर-परिचित स्वभाव के मुताबिक बिना कोई सवाल उठाए अमेरिका के पीछे चली हैं। उन्होंने गाजा में इजराइल की अंधाधुंध कार्रवाइयों की कोई ठोस आलोचना नहीं की है। लेकिन अब संकेत हैं कि इस रुख पर उन देशों में फूट पड़ रही है। पहले एक ब्रिटिश वित्तीय अखबार ने अपनी एक लंबी रिपोर्ट में बताया कि यूरोपियन यूनियन के राजनयिक इस नीति से परेशान हैं। उन्होंने राय जताई है कि अपने मौजूदा रुख से अमेरिका और यूरोप ने विकासशील दुनिया में अपना नैतिक बल खो दिया है। उनके मुताबिक उन्होंने बड़ी मुश्किल से कई विकासशील देशों को यूक्रेन के मामले में रूस के खिलाफ लामबंद किया था। मगर अब वे देश पूछ रहे हैं कि जो दलील पश्चिम यूक्रेन के मामले में दे रहा था, गाजा में उनके उलट आचरण क्यों कर रहा है?उधर अमेरिका से खबर आई है कि वहां विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी जोश पॉल ने अमेरिकी नीति को नैतिकता के विरुद्ध बताते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस त्यागपत्र की खबर के साथ ही एक अमेरिकी मीडिया संस्थान ने अपनी एक लंबी रिपोर्ट में बताया कि बाइडेन प्रशासन की इजराइल-फिलस्तीन नीति को लेकर विदेश मंत्रालय के अंदर विद्रोहइ पनप रहा है। बड़ी संख्या में अधिकारी इस नीति से असहमति जताते हुए एक पत्र राष्ट्रपति को भेजने वाले हैं। अमेरिका और यूरोप में लाखों की संख्या में इस नीति के खिलाफ लोग सड़कों पर उतरे हैं। बाइडेन के लिए यह खास चिंता की बात है, क्योंकि उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी उदारवादी वोटों पर अधिक आश्रित रहती है। संभवतः इसीलिए उनकी पार्टी के कुछ सांसदों ने इस नीति के खिलाफ सोशल मीडिया पर खुली राय जताई है। रिपब्लिकन पार्टी के सामने इस मुद्दे पर ज्यादा चुनौती नहीं है। कट्टरपंथी यहूदी हमेशा उसके साथ रहते हैं, जबकि इस मामले में भ्रामक रुख अपना कर इस पार्टी के नेता बाइडेन प्रशासन के खिलाफ घेरेबंदी को मजबूत बना रहे हैं।

रावण की ओट में सियासत की मजबूरी.....

राकेश अचल

रामलीला के मंचों से रावण दहन की ओट में सियासी दलों ने जमकर सियासत की और जनता ठगी से खड़ी देखती रह गयी ,क्योंकि रामलीलाओं में न असली राम लड़ रहे थे और न असली रावण जल रहे थे। सब कुछ नकली था। असली थे तो सिर्फ नेताओं के चेहरे और उनके भाषण। जिनमें राम का नाम ले-लेकर अपने विरोधियों की धज्जियां उड़ाई जा रहीं थीं। दिल्ली से पटना तक एक ही माहौल था। राम और रावण तो केवल निमित्त थे। दिल्ली में द्वारिका की रामलीला में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपनी आदत के मुताबिक मंच और माइक का पूरा इस्तेमाल किया। उन्होंने जनता को विजयादशमी की शुभकामनाओं के साथ ही अपना और अपनी पार्टी का एजेंडा परोस दिया ,इंदिरा गाँधी के बीस सूत्रीय कार्यक्रम के जबाब में अपने दस सूत्रीय कार्यक्रम को परोसा। राम मंदिर और रामलला का जिक्र किया। अब चूंकि प्रधानमंत्री हैं तो कोई उन्हें मंच का दुरूपयोग करने से रोक भी नहीं सकता। मंच के दुरूपयोग को सदुपयोग मान लिया गया। आयोजकों ने भी पूरे मैदान में राम के बजाय मोदी जी के कटआउट लगाकर अपनी मोदी भक्ति का भरपूर मुजाहिरा किया।

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भी दिल्ली की तर्ज पर दशहरे पर जमकर राजनीति हुई। बाला साहेब की शिवसेना के दोनों गुटों ने एक-दूसरे के प्रति जमकर भड़ास निकाली। जनता रामलीला के बजाय शिवसेना की लीला देखकर दंग रह गया।शिवसेना का एक धड़ा शिवाजी पार्क में था तो दूसरा धड़ा आजाद पार्क में। शिवाजी पार्क में उद्धव ठाकरे ने गुजरात के अहमदाबाद में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के स्वागत पर भी सवाल उठाए। उद्धव ठाकरे ने कहा कि गुजरात में नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के क्रिकेटरों का स्वागत फूलों की वर्षा की गई। गरबा का नृत्य किया गया। ठाकरे ने कहा कि इन दृश्यों को देखने के बाद, उन्हें एक पल के लिए लगा कि पाक खिलाड़ी भाजपा में शामिल हो गए हैं क्या? ठाकरे ने कहा कि मौजूदा सरकार जनरल डायर सरकार है जिसने निर्दोष प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश दिया था। उद्धव ठाकरे ने एकनाथ शिंदे के गुट विधायकों की अपात्रता मामले का उल्लेख किया। इससे पहले शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अजित पवार और हसन मुश्ररिफ का हवाला देकर बीजेपी पर निशाना साधा।

आजाद मैदान में शिवसेना प्रमुख और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर पलटवार किया। शिंदे ने कहा कि मैदान-स्थल महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि विचारधारा और विचार महत्वपूर्ण हैं। शिंदे ने कहा कि उनकी रैली में बाला साहेब के विचार हैं। एकनाथ शिंदे ने कहा कि असली शिवसेना आजाद मैदान में है। उन्होंने कहा कि सत्ता के लिए उद्धव ठाकरे ने हिंदुत्व को धोखा दिया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि आजाद मैदान आज आजाद शिवसैनिक जुटे हैं। रवां के जरिये पटना मे भी पलटिक्स हुई। जेडीयू ने मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए अपने पांच प्रत्याशी उतारकर सपा की तरह ही आईएनडीआईए गठबनधन के साथ घात किया। जम्मो-कश्मीर और काँगड़ा में भी रावण जलाये गए लेकिन वहां सियासत नहीं हो पायी ,हालाँकि कोशिश की गयी। दशहरे के दिन पूरे देश में रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले जलाए गए वहीं बिसरख में के बजाय शिव जी की पूजा की गयी। उत्तगर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा स्थित सेक्टऔर-1 के पास मौजूद गांव बिसरख को रावण का गांव कहा जाता है.यहां रावण दहन नहीं किया जाता है, उल्टाग दशहरे पर रावण को बेटा मानकर याद किया जाता है. यहां की महिलाएं इस दिन रावण की जन्मनस्थउली पर बने अष्ट कोणीय शिवलिंग की पूजा करने आती हैं. मान्यता है कि यह वही शिवलिंग है जिसकी आराधना कर रावण ने भगवान शिव से वरदान प्राप्तन किया था।

दशहरे पर भले ही देश भर में राम-रावण युद्ध हो,रावण के पुतले जलाये जाएँ लेकिन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सुप्रीमो डॉ मोहन भागवत अपनी भागवत बांचते है। इस बार भी वे चुप नहीं रहे ,बोले। उन्होंने मणिपुर के मुद्दे पर वो सब कह दिया जो माननीय प्रधानमंत्री कहने में हिचकते रहे। भागवत ने कहा कि -संघ प्रमुख ने कहा कि मणिपुर की वर्तमान स्थिति को देखते हैं तो यह बात ध्यान में आती है कि लगभग एक दशक से शांत मणिपुर में अचानक यह आपसी फूट की आग कैसे लग गई? क्या हिंसा करने वाले लोगों में सीमापार के अतिवादी भी थे? अपने अस्तित्व के भविष्य के प्रति आशंकित मणिपुरी मैतेयी समाज और कुकी समाज के इस आपसी संघर्ष को सांप्रदायिक रूप देने का प्रयास क्यों और किसके द्वारा हुआ? वर्षों से वहां पर सबकी समदृष्टि से सेवा करने में लगे संघ जैसे संगठन को बिना कारण इसमें घसीटने का प्रयास करने में किसका निहित स्वार्थ है? इस सीमा क्षेत्र में नागाभूमि व मिजोरम के बीच स्थित मणिपुर में ऐसी अशांति व अस्थिरता का लाभ प्राप्त करने में किन विदेशी सत्ताओं को रुचि हो सकती है? रावण तो श्रीमती सोनिया गांधी ने भी लाल किले के मैदान में जलाया लेकिन उन्होंने वहां कोई राजनीतिक भाषण नहीं दिया। उनकी पार्टी के राष्ट्रिय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी वहां थे,चाहते तो वे भी प्रधानमंत्री जी की तरह ही अपने बीस सूत्रीय कार्यक्रम पर बोल सकते थे,लेकिन वे शायद रावण,राम और जनता को नाराज नहीं करना चाहते थे ,इसलिए राजनीति पर नहीं बोले। धार्मिक मंचों की सुचिता बचने के लिए भी तो एक-दो दल होना चाहिए ,की नहीं ? कांग्रेस ने दशहरे के दिन शुभकामनाओं के साथ ही अपने प्रतिद्वंदियों की गालियां खाईं। वैसे भी प्रधानमंत्री जी गलियों को स्वास्थ्यवर्द्धक मानते हैं।

देश में पहली बार ऐसा लगा की किसी को रावण से कोई मतलब नहीं है। सभी को अपनी-अपनी राजनीति और छवि की फिक्र है। फिर चाहे वो भाजपा हो,संघ हो या शिवसेना। कांग्रेस तो जाहिर तौर पर सभी के लिए रावण है ही।लोकतंत्र में परम्पराओं और धार्मिक आस्थाओं कि मंचों का ऐसा दुरूपयोग आखिर कौन रोकेगा ? इसके लिए तो कोई कानून फिलहाल है नही। धर्म और राजनीती का कॉम्बो शेक बनाया और बेचा जा रहा है। अब मर्जी है आपकी की आप इसे पियें या न पियें।

स्वार्थ की सत्ता ने खड़ा किया इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष

यह सब था कि तभी 7 अक्तूबर 2023 आया। फिलिस्तीनी हमास ने इजरायल पर ऐसा पाशविक हमला कर दिया जिसने शर्म से झुके माथे पर टनों बोझ लाद दिया। शर्म से झुका सर लगातार झुकता ही जा रहा है क्योंकि यह गुस्सा नहीं, आत्मग्लानि का बोझ है। असहमति,विवाद, गुस्सा, प्रतिद्वंद्विता, बदला, घृणा, कायरता व क्रूरता सबकी अपनी जगह है, लेकिन इंसानियत की भी तो जगह है न ! सिकुड़ते-सिकुड़ते वह जगह अब सांस लेने लायक भी नहीं बची है।फिलिस्तीन-इजरायल समस्या का इतिहास बहुत लंबा व पुराना है-उतना ही पुराना जितना मानव जाति की मूढ़ता का इतिहास। यहां उसे दोहराने की जरूरत नहीं है। हमास ने जिस तरह इजरायल पर हमला किया वह उसकी मूढ़ता, हृदयहीनता व अदूरदर्शिता का प्रमाण है। हमास के शीर्ष राजनीतिक नेता खालिद मशाल ने कहा कि हम ऐसी चोट मारना चाहते थे कि इजरायल बिलबिला जाए; और वही हुआ, लेकिन खालिद को क्या अब यह नहीं दीख रहा कि दोनों तरफ के सामान्य निर्दोष नागरिक बिलबिला रहे हैं? आज उनके साथ कोई नहीं है, सिवाय विनाश व मौत के! एक बात यह भी कही जा रही है कि इजरायल व अरब देशों में जैसी आर्थिक नजदीकियां बढ़ रही थीं, उसे तोड़ने के लिए फिलिस्तीन ने हमास द्वारा यह आत्मघाती कदम उठाया। अब अरबों के लिए इजरायल की तरफ हाथ बढ़ाना संभव नहीं रह जाएगा। यह सच हो तो भी यह कूटनीति कितनी अमानवीय है।

कुमार प्रशांत
लेखक और गांधी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष हैं

साल भर से ज्यादा हुए, मन बेतरह घायल है। कान युक्रेन की चीख से गूंजते रहते हैं। अपनी असहायता का तीखा बोध लगातार चुभता रहता है। यह शर्म भी कम नहीं चुभती कि हमारा देश भी नागरिकों की इस जघन्य हत्या में भागीदार है और युक्रेन व रूस में बहते खून में से तेल छानकर जमा करने में लगा है। यह सब था कि तभी 7 अक्तूबर 2023 आया। फिलिस्तीनी हमास ने इजरायल पर ऐसा पाशविक हमला कर दिया जिसने शर्म से झुके माथे पर टनों बोझ लाद दिया। शर्म से झुका सर लगातार झुकता ही जा रहा है क्योंकि यह गुस्सा नहीं, आत्मग्लानि का बोझ है। असहमति,विवाद, गुस्सा, प्रतिद्वंद्विता, बदला, घृणा, कायरता व क्रूरता सबकी अपनी जगह है, लेकिन इंसानियत की भी तो जगह है न ! सिकुड़ते-सिकुड़ते वह जगह अब सांस लेने लायक भी नहीं बची है।

फिलिस्तीन-इजरायल समस्या का इतिहास बहुत लंबा व पुराना है- उतना ही पुराना जितना मानव जाति की मूढ़ता का इतिहास। यहां उसे दोहराने की जरूरत नहीं है। हमास ने जिस तरह इजरायल पर हमला किया वह उसकी मूढ़ता, हृदयहीनता व अदूरदर्शिता का प्रमाण है। हमास के शीर्ष राजनीतिक नेता खालिद मशाल ने कहा कि हम ऐसी चोट मारना चाहते थे कि इजरायल बिलबिला जाए; और वही हुआ, लेकिन खालिद को क्या अब यह नहीं दीख रहा कि दोनों तरफ के सामान्य निर्दोष नागरिक बिलबिला रहे हैं? आज उनके साथ कोई नहीं है, सिवाय विनाश व मौत के! एक बात यह भी कही जा रही है कि इजरायल व अरब देशों में जैसी आर्थिक नजदीकियां बढ़ रही थीं, उसे तोड़ने के लिए फिलिस्तीन ने हमास द्वारा यह आत्मघाती कदम उठाया। अब अरबों के लिए इजरायल की तरफ हाथ बढ़ाना संभव नहीं रह जाएगा। यह सच हो तो भी यह कूटनीति कितनी अमानवीय है।

प्रधानमंत्री ने तुरंत बयान दे डाला कि भारत इजरायल के साथ खड़ा है। ऐसा कहने का अधिकार उन्हें कैसे मिला? आजादी के पहले से इस विवाद के संदर्भ में भारत की भूमिका स्पष्ट रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं इस मामले में हमारी विदेश-नीति की बुनियाद रख दी थी। उसे बदलने का अधिकार केवल भारत की जनता को है, किसी भी सरकार को नहीं कि वह अपने खोखले बहुमत के घमंड में राष्ट्रीय नीतियों से खिलवाड़ करे। प्रधानमंत्री ने जो कह दिया, अब विदेश मंत्रालय दबी-ढकी जुबान में उस पर लीपापोती कर रहा है। उसने बयान दिया है कि भारत हमास की हिंसा का निषेध करता है, लेकिन फिलिस्तीनों की आजादी पर किसी भी तरह के हमले को समर्थन नहीं देता।

इधर देखिए कि सारा अमरीकी खेमा, पश्चिम के आका मुल्क इजरायल के समर्थन में खड़े हो गए हैं जैसे हमें पता ही नहीं है कि यही वह खेमा है जिसने फिलिस्तीन के सीने पर खंजर की नोक से इजरायल लिखा था। महात्मा गांधी ने तब भी कहा था कि हमें एक-एक यहूदी अपनी जान से भी ज्यादा प्यारा है, लेकिन पश्चिमी शैतानी का सहारा लेकर वे फिलिस्तीनी घर में घुस जाएं, इसका हम समर्थन नहीं कर सकते।

1938 में गांधी ने एक विस्तृत आलेख में भारत का रुख साफ कर दिया था : मेरी सारी सहानुभूति यहूदियों के साथ है। मैं दक्षिण अफ्रीका के दिनों से उनको करीब से जानता हूं। उनमें से कुछ के साथ मेरी ताउम्र की दोस्ती है और उनके ही माध्यम से मैंने उनके साथ हुई ज्यादतियों की बावत जाना है। ये लोग ईसाइयत के अछूत बना दिए गये हैं। अगर तुलना ही करनी हो तो मैं कहूंगा कि यहूदियों के साथ ईसाइयों ने जैसा व्यवहार किया है, वह हिंदुओं ने अछूतों के साथ जैसा व्यवहार किया है, उसके करीब पहुंचता है। दोनों के साथ हुए अमानवीय व्यवहारों के संदर्भ में धार्मिक आधारों की बात की जाती है

निजी मित्रता के अलावा भी यहूदियों से मेरी सहानुभूति के व्यापक आधार हैं, लेकिन उनसे मेरी गहरी मित्रता भी मुझे न्याय का पक्ष देखने से रोक नहीं सकती और इसलिए यहूदियों की ह्यअपने राष्ट्रीय घरह्न की मांग मुझे जंचती नहीं है। इसके लिए बाइबल का आधार ढूंढा जा रहा है और फिर उसके आधार पर फिलिस्तीन लौटने की बात उठाई जा रही है, लेकिन जैसे संसार में सभी लोग करते हैं वैसा ही यहूदी भी क्यों नहीं कर सकते कि वे जहां जन्मे हैं और जहां से अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं, उसे ही अपना घर मानें?

फिलिस्तीन उसी तरह अरबों का है जिस तरह इंग्लैंड अंग्रेजों का है या कि फ्रांस फ्रांसीसियों का है। यह गलत भी होगा और अमानवीय भी कि यहूदियों को अरबों पर जबरन थोप दिया जाए। आज फिलिस्तीन में जो हो रहा है उसका कोई नैतिक आधार नहीं है। पिछले महायुद्ध के अलावा उसका कोई औचित्य नहीं है। गवीर्ले अरबों को सिर्फ इसलिए दबा दिया जाए, ताकि पूरा या अधूरा फिलिस्तीन यहूदियों को दिया जा सके, तो यह एकदम अमानवीय कदम होगा।

उचित तो यह होगा कि यहूदी जहां भी जन्मे हैं और कमा-खा रहे हैं वहां उनके साथ बराबरी का सम्मानपूर्ण व्यवहार हो। जैसे फ्रांस में जन्मे ईसाई को हम फ्रांसीसी मानते हैं वैसे ही फ्रांस में जन्मे यहूदी को भी फ्रांसीसी माना जाए; और अगर यहूदियों को फिलिस्तीन ही चाहिए तो क्या उन्हें यह अच्छा लगेगा कि उन्हें दुनिया की उन सभी जगहों से जबरन हटाया जाए जहां वे आज हैं? या कि वे अपनी मनमौज के लिए अपना दो घर चाहते हैं? ह्यअपने लिए एक राष्ट्रीय घरह्न के उनके इस शोर को बड़ी आसानी से यह रंग दिया जा सकता है कि इसी कारण उन्हें जर्मनी से निकाला जा रहा था।

अमरीकी व पश्चिमी खेमे की कुल कोशिश यही है कि युद्ध भी हमारी मु्ी में रहे और विराम भी ! दोनों ही कमाई के अंतहीन अवसर देते हैं। भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे विफल प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने मौके का फायदा उठाकर इजरायल के राजनीतिक नेतृत्व को अपने साथ ले लिया है। यह घटिया अवसरवादिता है। जब पूरा इजरायल उनके खिलाफ खड़ा था और वे न्यायपालिका को अपनी मु्ी में करने का भद्दा खेल खेल रहे थे, तब उनके हाथ ऐसा अवसर आ गया जिसने उन्हें नई बेईमानी का मौका दे दिया। यह पूरी कहानी बेईमानी से ही शुरू हुई थी और बेईमानी से ही आज तक जारी है। यह नया भारत है जो इस बेईमानी में साझेदारी कर रहा है।

ऐसे में रास्ता क्या है? 5 मई 1947 को रायटर के दिल्ली स्थित संवाददाता डून कैंपबेल ने गांधी का ध्यान फिर से इस तरफ खींचा : फिलिस्तीनी समस्या का आप क्या उपाय देखते हैं? गांधी : यह ऐसी समस्या बन गया है कि जिसका करीब-करीब कोई हल नहीं है। अगर मैं यहूदी होता तो मैं उनसे कहता : ऐसी मूर्खता मत करना कि इसके लिए तुम आतंकी रास्ता अख्तियार कर लो। ऐसा करके तुम अपने ही मामले को बिगाड़ लोगे, जो वैसे न्याय का एक मामला भर है।

अगर यह मात्र राजनीतिक खींचतान है तब तो मैं कहूंगा कि यह सब व्यर्थ हो रहा है। आखिर यहूदियों को फिलिस्तीन के पीछे इस तरह क्यों पड़ जाना चाहिए? यह महान जाति है। इसके पास महान विरासतें हैं। अगर इसके पीछे उनकी कोई धार्मिक प्यास है तब तो निश्चित ही इस मामले में आतंक की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। यहूदियों को आगे बढ़कर अरबों से दोस्ती करनी चाहिए और ब्रिटिश हो कि अमरीकी, किसी की भी सहायता के बिना, यहोवा के उत्तराधिकारियों को उनसे मिली सीख और उनकी ही विरासत संभालनी चाहिए। दरअसल किसी को, किसी की विरासत तो संभालनी नहीं है। सबको संभालनी है गद्दी ! गांधी सत्ता की यह भूख पहचान रहे थे और इसलिए कैंपबेल से कहते-कहते कह गए : यह एक ऐसी समस्या बन गया है जिसका करीब-करीब कोई हल नहीं है। गांधी ने जो आशंका प्रकट की थी, उसके करीब 76 साल पूरे होने को हैं, लेकिन युद्ध व विराम के बीच पिसते फिलिस्तीनी-इजरायली किसी हल के करीब नहीं पहुंचे हैं। विश्व की महाशक्तियां व दोनों पक्षों के सत्ताधीश पीछे हट जाएं तो येरूशलम की संतानें अपना रास्ता खुद खोज लेंगी, लेकिन सत्य, प्रेम, करुणा के ऐसे रास्ते पर उन्हें कौन चलने देगा?

विधानसभा चुनावों की तपन और रुख बदलती सियासी पवन

भाजपा ने भले मध्य प्रदेश से बेहद पुरानी शुरूआत को नए लिबास में कर तीनों अहम हिन्दी पट्टी राज्यों में भी प्रयोग दोहरा, मौजूदा सांसदों या केन्द्रीय मंत्रियों को जंग में उतार तमाम दिग्गजों सहित खुद भाजपाइयों को अचरज में डाल दिया। इसकी खबर प्रत्याशी के सिवाय किसी को कानों कान नहीं थी। इसी तरह काँग्रेस ने भी भाजपा से आए लोगों को टिकट देने में गुरेज न कर बड़ा दाँव खेला है। अब दोनों ही दल कार्यकर्ताओं के विरोध को झेल रहे हैं। लेकिन आखिर में हमेशा की तरह सब ठीक हो जाएगा। ऐसा लगता है कि भाजपा ने अपनी महीन चुनावी रणनीति के तहत सांसदों व मंत्रियों को मैदान में उतारा है। यह बहुत सोची, समझी, सधी हुई चाल है जिसमें एक साथ कई-कई संदेश छिपे हैं। परिस्थितियों वश भाजपा किसे आगे करे, किसे मुखौटा बनाए के बजाए सबको आपस में उलझाए रखने जैसी रणनीति अपना रही है जो कहीं न कहीं छिपा डैमेज कंट्रोल तो नहीं? मध्य प्रदेश में भाजपा उदारवादी मुख्यमंत्री के रूप में शिवराज का चेहरा सामने रखने में सत्ता विरोधी लहर और दूसरे अन्दरूनी डर से भले डरी हो लेकिन काँग्रेस अभी भी संगठनात्मक रूप से यहाँ उतनी मजबूत नहीं हो पाई है जो होना था।

ऋतुपर्ण दवे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

पांच राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में टिकट बंटवारे के बाद कांग्रेस और भाजपा में जिस तरह से उठापटक का नजारा दिख रहा है वो नया नहीं है। लेकिन नवंबर-2023 में होने जा रहे पाँच राज्यों के विधानसभा चुनाव जरूर तमाम रणनीतिक गतिविधियों के चलते अलग नजर आ रहे हैं। जिस रास्ते भाजपा और काँग्रेस चल रही है वह खुद बड़ा संकेत है। भाजपा ने भले मध्य प्रदेश से बेहद पुरानी शुरूआत को नए लिबास में कर तीनों अहम हिन्दी पट्टी राज्यों में भी प्रयोग दोहरा, मौजूदा सांसदों या केन्द्रीय मंत्रियों को जंग में उतार तमाम दिग्गजों सहित खुद भाजपाइयों को अचरज में डाल दिया। इसकी खबर प्रत्याशी के सिवाय किसी को कानों कान नहीं थी। इसी तरह काँग्रेस ने भी भाजपा से आए लोगों को टिकट देने में गुरेज न कर बड़ा दाँव खेला है। अब दोनों ही दल कार्यकताओं के विरोध को झेल रहे हैं। लेकिन आखिर में हमेशा की तरह सब ठीक हो जाएगा। ऐसा लगता है कि भाजपा ने अपनी महीन चुनावी रणनीति के तहत सांसदों व मंत्रियों को मैदान में उतारा है। यह बहुत सोची, समझी, सधी हुई चाल है जिसमें एक साथ कई-कई संदेश छिपे हैं। परिस्थितियों वश भाजपा किसे आगे करे, किसे मुखौटा बनाए के बजाए सबको आपस में उलझाए रखने जैसी रणनीति अपना रही है जो कहीं न कहीं छिपा डैमेज कंट्रोल तो नहीं? मध्य प्रदेश में भाजपा उदारवादी मुख्यमंत्री के रूप में शिवराज का चेहरा सामने रखने में सत्ता विरोधी लहर और दूसरे अन्दरूनी डर से भले डरी हो लेकिन काँग्रेस अभी भी संगठनात्मक रूप से यहाँ उतनी मजबूत नहीं हो पाई है जो होना था। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल सरकार, संगठन व लोकप्रियता में भाजपा को जरूर बड़ी चुनौती नजर आ रहे हैं। राजस्थान में विजयाराजे सिंधिया के वजूद और सचिन पायलट की हां-ना के बीच पशोपेश की स्थिति से लगता है कि वहाँ भी दोनों दलों में आंतरिक चुनौतियां कम नहीं हैं। राजस्थान में कांग्रेस से ज्यादा चुनौती भाजपा में हैं। हाल ही में सचिन पायलट कई बार कह चुके हैं कि 5 साल में सरकार बदलने का रिवाज अब टूटेगा। छत्तीसगढ़ में सत्ता विरोधी लहर जैसा कुछ समझ तो नहीं आ रहा है। हो सकता है कि यहां काँग्रेस 2018 के मुकाबले और सुधार करे। यहां भी भाजपा ने कई मौजूदा सांसदों और केन्द्रीय मंत्रियों को विधानसभा टिकट देकर जो प्रयोग किया है उसके नतीजों पर सबकी निगाहें होंगी। तेलंगाना में मुख्य मुकाबला बीआरएस, कांग्रेस और भाजपा के बीच है। टीडीपी और एआईएमआईएम भी ताल ठोक रही है। मिजोरम में मुकाबला एमएनएफ, जेडपीएम, कांग्रेस और भाजपा के बीच ही होगा। टिकट वितरण में बड़े चेहरों पर ज्यादा भरोसा दिखाने के साथ दूसरे दलों से आकर टिकट हथियाने वालों से साधारण कार्यकताओं में भले ही जबरदस्त असंतोष दिखे। लेकिन इससे हवा के रुख पर फर्क जरूर दिख रहा है। भाजपा और काँग्रेस प्रत्याशियों की घोषणा के बाद कम से कम हिन्दी पट्टी क्षेत्रों में स्थिति टिकट वितरण के पहले और अब काफी बदली हुई लग रही है। विरोध के स्वर और नेताओं के उवाच लोगों को हैरान कर रहे हैं। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की कथित मीठी नोंक-झोंक जो खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है उसे मप्र में अलग नजरिए से देखा जा रहा है। भाजपा कार्यकताओं में भी पैराशूट खासकर कांग्रेस से आए प्रत्याशियों को लेकर भीतर ही भीतर सुलग रही अंतर्विरोध की आग बुझेगी या बढ़ेगी इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। मध्य प्रदेश में कई सीटों पर बसपा, सपा और आप की मौजूदगी भाजपा से ज्यादा काँग्रेस के लिए बड़ी चुनौती जरूर बनती दिख रही है। ये तीनों ही दल ज्यादातर काँग्रेस के वोट बैंक को ही चोट पहुंचाते नजर आ रहे हैं। चुनावी रण में किसका पलड़ा ज्यादा भारी है कहना अभी जल्दबाजी होगी। टिकटों खुलासे से पहले जहां हवा का रुख कुछ अलग था वो अब अलग है। पहले मप्र व राजस्थान में कांग्रेस खेमा सत्ता के सिंहासन को बेहद भरोसे से करीब देख रहा था। लेकिन अब अंदरूनी तौर पर थोड़ा सशंकित है। हवा कुछ प्रदूषित सी लगने लगी है। पहले घर बैठे जीत का मन बना चुके प्रत्याशी भी कार्यकताओं के घरों पर याचक बन दस्तक देते नजर आ रहे हैं। वहीं भाजपा भी अपने तमाम कार्यकताओं से लेकर, पन्ना प्रमुख, वार्ड प्रभारी, बूथ कार्यकताओं, सेक्टर प्रभारियों की सूची को बार-बार क्लिक करते दिख रही है। काँग्रेस के पास अपने पुराने बरसों पुराने कार्यकताओं का ही भरोसा है। इन्हीं के दम पर बीते बरस स्थानीय निकाय के चुनाव के दौरान भी काँग्रेस ने खासा दमखम दिखाया था। कहीं जीतकर भी हारे तो कहीं हारकर भी जीते जैसी स्थितियों से काफी हंसी हुई थी। इन्हीं उधेड़बुन के बीच जो तस्वीरें मध्यप्रदेश से आ रही हैं वो काफी चौंकाने वाली हैं। कमलनाथ के घर के सामने आत्मदाह की कोशिश तो पंगत बिठा सार्वजनिक भोज कराने का अलग नजारा रहा। सेवड़ा, जावरा, मलहरा, डॉ.आंबेडकर नगर(महू), खरगापुर, निवाड़ी, सोहागपुर, शुजालपुर, गोविंदपुरा, बैरसिया, बड़नगर, खातेगांव, गोटेगांव सहित कुछ अन्य सीटों के प्रत्याशियों का जमकर विरोध हो रहा है। वहीं भोपाल, ग्वालियर जबलपुर, भिंड, मुरैना, बुरहानपुर, टीकमगढ़, सिंगरौली सहित कई अन्य जगह भाजपा कार्यकताओं का गुस्सा क्या रंग दिखाएगा देखना होगा। सतना, रीवा, उचेहरा, मैहर में बयार उल्टी बहती दिख रही है। प्रदेश के उत्तर-पूर्व में स्थित शहडोल संभाग जो नर्मदा-सोन, बांधवगढ़, विराट मंदिर से अपनी अलग पहचान रखने के बावजूद दुर्भाग्यवश देश भर में नाम बदलने के दौर के बावजूद ऐतिहासिक, धार्मिक और पुरातात्विक नामों से नहीं जाना जा सका, बंटा-बंटा सा दिख रहा है। कोतमा और जयसिंहनगर के परिणाम चौंका सकते हैं तो अनूपपुर और मानपुर के नतीजे रोचक हो सकते हैं। जयसिंहनगर और पुष्पराजगढ़ का दांव भाजपा का अपना है। मध्य प्रदेश में वायदों की लड़ी और हर रोज खातों को टटोलती बहनों का रुख तो काँग्रेस के वचनपत्र के अंतर्द्वन्द में फंसे मतदाताओं की राय बंटी-बंटी सी है। कमोबेश राजस्थान में भी भाजपा का प्रचार कांग्रेस के लिए चुनौती जैसा है। यहाँ भी गुटबाजी के चलते स्थिति थोड़ी घुमावदार है।इधर, शिवराज सिंह चौहान के ताबड़तोड़ दौरों में पहले के मुकाबले आई कमी के मायने चाहे जो हों लेकिन मैदान में वो समूचे विपक्ष के लिए प्रधानमंत्री के चेहरे के बाद दूसरी सबसे बड़ी चुनौती जरूर हैं।

कर्नाटक : हिजाब बैन हटाना सराहनीय

कर्नाटक की पिछली सरकार द्वारा शैक्षणिक संस्थाओं तथा परीक्षाओं में हिजाब पर लगाया प्रतिबंध मंगलवार को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने हटा दिया है। चुनने की आजादी का हवाला देते हुए इस आशय के जारी आदेश के तहत बैन को हटाये जाने का हिन्दू संगठनों ने विरोध किया है जो कि अपेक्षित था। मुमकिन है कि यह विरोध और भी बढ़े परन्तु यह कदम सराहनीय है। वैसे बेहतर तो यहीं होगा कि इस बाबत सारे विवादों को दरकिनार कर हिजाब चुनने की आजादी का स्वागत किया जाये। उल्लेखनीय है कि 2021 में भारतीय जनता पार्टी सरकार की पिछली सरकार ने कर्नाटक के स्कूल-कॉलेजों और हर तरह की परीक्षाओं में हिजाब लगाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। पहले से हिन्दूवादी संगठन इसकी मांग कर रहे थे। कुछ मुस्लिम संगठन इसके विरोध में कर्नाटक हाईकोर्ट गये थे। वहां उनकी मांग न माने जाने के कारण उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट ने भी यह कहकर मांग को खारिज कर दिया था कि हिजाब इस्लामी संस्कृति का हिस्सा नहीं है। वहां के अल्पसंख्यक समुदाय को इससे घोर निराशा तो हुई थी, बड़ी संख्या में लड़कियों ने स्कूल-कॉलेज जाना तक छोड़ दिया था। विभिन्न परीक्षाओं में भी उनकी तादाद में गिरावट आई थी जो चिंता का विषय था। इसका प्रारम्भ उडुपी जिले के एक शासकीय कॉलेज से हुआ था जहां 1 जुलाई, 2021 को यूनिफॉर्म लागू कर दिया था। अल्पसंख्यक लड़कियों ने इसे मानने से इंकार कर दिया था।

भाजपा सरकार द्वारा हिजाब से मुस्लिम महिलाओं को आजादी दिलाने के नाम पर यह प्रतिबन्ध लगाया गया था परन्तु इसका असली उद्देश्य सामाजिक ध्रुवीकरण करना था। 2018 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के वोट प्रतिशत तो ज्यादा थे लेकिन सीटें कांग्रेस के 80 के मुकाबले भाजपा को ज्यादा मिलीं- 103। येदियुरप्पा सीएम बने पर बहुमत साबित न कर पाने से 6 दिनों में उन्हें कुर्सी छोड़नी पड़ी थी। इसके बाद कांग्रेस व जेडीएस ने मिलकर सरकार बनाई जिन्होंने मिलकर चुनाव लड़ा था। एचडी कुमारस्वामी मुख्यमंत्री बने परन्तु भाजपा ने कथित तौर पर ऑपरेशन लोटस के तहत 13 माह पुरानी सरकार गिरा दी। येदियुरप्पा फिर से सीएम बने लेकिन भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे येदियुरप्पा को त्यागपत्र देना पड़ा औ बसवराज बोम्मई जुलाई, 2021 में सीएम बने जिनके कार्यकाल में हिजाब पर बैन लगाया गया। जिन राज्यों में हिन्दुत्व की प्रयोगशालाएं सर्वाधिक सक्रिय रही हैं, उनमें कर्नाटक प्रमुख है। यहां 2019 के लोकसभा चुनाव में इसलिए भाजपा को अच्छी सफलता मिली थी। 28 में से 25 सीटें उसने जीती थीं। कर्नाटक को भाजपा पूरे दक्षिण भारत में अपनी विचारधारा के प्रसार के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण मानती है। इसलिये यहां हिंदुत्ववादी एजेंडे को जोर-शोर से लागू किया गया था। इस साल के मध्य में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा को बड़ी पराजय का सामना करना पड़ा। उस वक्त भी भाजपा कांग्रेस को अपने एजेंडे पर लाने की कोशिश करती रही परन्तु कांग्रेस ने वहां भ्रष्टाचार व विकास को मुद्दा बनाया और साम्प्रदायिक सद्भाव का आश्वासन दिया। हालांकि वहां चुनावी घोषणापत्र में जब कांग्रेस ने सत्ता मिलने पर बजरंग दल पर प्रतिबन्ध लगाने का वादा किया तो इसे भुनाने की भरपूर कोशिश भाजपा ने की थी। स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बजरंग दल की तुलना बजरंग बली से करते हुए लोगों को भरमाने का प्रयास किया था।

संक्षिप्त खबरें

प्रयागराज महाकुंभ में डेढ़ लाख शौचालयों की व्यवस्था करेगी सरकार

महाकुंभ 2025 कई मायनों में खास होने जा रहा है। सरकार इस पूरे आयोजन की पवित्रता को भी अक्षुण्ण रखने पर विशेष जोर दे रही है। इसके लिए पूरे कुंभ क्षेत्र में तकरीबन डेढ़ लाख शौचायलयों को स्थापित किया जाएगा। सरकार की मंशा है कि 2025 का महाकुंभ पूरी तरह ओडीएफ (खुले में शौच मुक्त) हो। 4 हजार हेक्टेयर में स्थापित होने वाले पूरे कुंभ क्षेत्र को 25 सेक्टरों में बांटकर स्वच्छता सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए सरकार की ओर से स्वच्छताकर्मियों की लंबी-चौड़ी फौज को तैनात किया जाएगा। सनातन धर्म के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ को लेकर योगी सरकार ने तकरीबन ढाई हजार करोड़ का बजट तय किया है।विभाग के अधिकारी ने बताया कि सरकार कुंभक्षेत्र में स्वच्छता को लेकर 300 करोड़ से अधिक खर्च करेगी। इसके लिए 52 हजार से अधिकर सामुदायिक शौचालय, 53 हजार से अधिक शौचालय विभिन्न टेंटों में, पार्किंग और अप्रोच सड़कों पर 14 हजार से अधिक शौचालय और 20 हजार से अधिक पब्लिक यूरिनल (मूत्रालय) यानी कुल मिलकार तकरीबन डेढ़ लाख शौचालयों का निर्माण योगी सरकार करेगी। इसके अलावा 25 हजार से अधिक डस्ट/वेस्ट बिन, 120 टिपर-हॉपर ट्रक, 40 कॉम्पैक्टर, 9,800 स्वच्छताकर्मी और 1,800 स्वच्छता वालेंटियर्स पूरे मेला क्षेत्र में साफ सफाई की व्यवस्था संभालेंगे।

हापुड में मुस्लिम युवक की पीट-पीटकर हत्या, गांव में तनाव

हापुड के एक गांव में गुस्साई भीड़ ने 25 वर्षीय एक मुस्लिम युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद से गांव में तनाव है। सूत्रों के मुताबिक, पीड़ित इरशाद मोहम्मद की मोटरसाइकिल ने मंगलवार देर रात लुहारी गांव में दशहरा समारोह में भाग ले रहे एक व्यक्ति को टक्कर मार दी थी। मामूली दुर्घटना के चलते कहासुनी शुरू हो गयी, जो जल्द ही हिंसक हो गयी और लोगों के एक समूह ने इरशाद मोहम्मद को पीटना शुरू कर दिया। उस पर पत्थर से वार किया गया। पुलिस ने बताया कि उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जैसे ही मोहम्मद की मौत की खबर गांव में पहुंची, उसके परिवार के सदस्य और स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे। दोनों गुटों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया। मौके पर पहुंची बहादुरगढ़ पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग करना पड़ा। हापुड़ के पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने कहा, ह्लहमने इरशाद को पीटने वाले पांच लोगों की पहचान कर ली है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस संबंध में बहादुरगढ़ पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि इस घटना से और अधिक परेशानी न हो, लुहारी गांव में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

उप्र : सहारनपुर में हुए हादसे में दो लोगों की मौत

सहारनपुर जिले के देवबंद इलाके में सहारनपुर-मुजफ्फरनगर राजमार्ग पर हुए एक हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण क्षेत्र) सागर जैन ने बुधवार को बताया कि नागल क्षेत्र के बडौली गांव के निवासी नरेश कुमार (58) अपने रिश्तेदार सुभाष (45) के साथ मोटरसाइकिल से, देवबंद के करंजाली गांव में आयोजित एक विवाह समारोह में शामिल होने आये थे। मंगलवार रात लौटते हुए साखन नहर के पास उनकी मोटरसाइकिल ने एक बस से उतर रहे युवक अनुज कुमार (26) को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रहे एक भारी वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे सुभाष और नरेश घायल हो गये।

सभ्य और समर्थ समाज के लिए शिक्षा को संस्कार युक्त बनाना जरूरी : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक सभ्य और समर्थ समाज के निर्माण के लिए शिक्षा को संस्कार युक्त बनाने की जरूरत को रेखांकित करते हुए बुधवार को कहा कि शिक्षकों को चाणक्य, गुरु वशिष्ट और विश्वामित्र को अपना आदर्श बनाना चाहिए। योगी ने गोरखपुर मंडल के 1,086 परिषदीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लास और 64 ब्लॉक संसाधन केंद्रों में आईसीटी प्रयोगशाला के लोकार्पण तथा 14,360 शिक्षकों को टैबलेट एवं 1,207 दिव्यांग बच्चों को 1,980 सहायक उपकरणों के वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, सभ्य समाज के बिना कोई भी राष्ट्र सशक्त नहीं हो सकता। इसके लिए वहां की शिक्षा को संस्कार युक्त बनाना पड़ेगा। व्यक्ति के अंदर आत्मानुशासन की भावना पैदा होनी चाहिए। उसके अंदर समाज और राष्ट्र से जुड़े मुद्दों को अपना मुद्दा समझने का भाव पैदा होना चाहिए। इन सभी भावनाओं का अगर समावेश कराया जा सकता है, तो उसका माध्यम शिक्षा ही है। शिक्षकों से मुखातिब योगी ने कहा, जैसी शिक्षा होगी, वैसा चरित्र होगा। चरित्र के अनुरूप समाज की दिशा तय होगी और राष्ट्र भी उसी दिशा में जाएगा। समर्थ और सशक्त राष्ट्र के निर्माण का पूरा का पूरा दारोमदार आपके परिश्रम पर टिका है। आप चाहें तो देश को नई बुलंदियों पर पहुंचा सकते हैं। उन्होंने कहा, एक शिक्षक का आदर्श अगर कोई होना चाहिए, तो वह चाणक्य, गुरु वशिष्ट और विश्वामित्र, ऋषि संदीपन और भारद्वाज होने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, गुरु वशिष्ट और विश्वामित्र नहीं होते, तो क्या राम हो पाते? अगर चाणक्य नहीं होते, तो क्या चंद्रगुप्त मौर्य होते? गुरु संदीपन नहीं होते, तो क्या कृष्ण हमें मिल पाते? भारत में ऐसे ढेर सारे उदाहरण हैं। उन्होंने कहा, अच्छे गुरुओं के मार्गदर्शन में एक बच्चे को समर्थ और सभ्य नागरिक के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए देखा जा सकता है। अपने कार्यों के मूल्यांकन का तौर-तरीका होना चाहिए। अगर यह नहीं है, तो वह व्यक्ति अपने साथ धोखा कर रहा है। वह समाज और राष्ट्र के साथ भी धोखा कर रहा होगा। योगी ने शिक्षकों से कहा कि आज समाज जिस दिशा में सोच रहा है, अगर हमने उससे दो कदम आगे बढ़कर नहीं सोचा तो हम पिछड़ जाएंगे। उन्होंने शिक्षकों को सलाह दी, अगर हम खुद को समय के अनुरूप ढालने की प्रवृत्ति अपनाएंगे, तो इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे। मासिक, त्रैमासिक, छह मासिक और वार्षिक स्तर पर अपने कार्यों का मूल्याकंन करें। शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश सरकार के कार्यों का जिक्र करते हुए योगी ने कहा, आप सबके सामूहिक प्रयास से बेसिक शिक्षा परिषद में नित नये परिवर्तन आए हैं और समय के अनुरूप खुद को ढालने की सकारात्मक प्रवृत्ति पैदा हुई है। पिछले छह वर्षों के दौरान 1.64 लाख शिक्षकों की भर्ती हुई है। ऑपरेशन कायाकल्प, निपुण भारत और स्कूल चलो अभियान जैसे कार्यक्रम चलाए गए हैं।

योगी ने उनके रहते किसी के साथ अन्याय न होने का दिया आश्वासन

गोरखपुर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार तीन दिन गोरखपुर में आनुष्ठानिक कार्यक्रमों में अति व्यस्तता के बाद भी बुधवार सुबह लगे जनता दर्शन में जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दी। गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान उन्होंने लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। जनता दर्शन में योगी ने अधिकारियों को दो टूक हिदायत दी है कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। योगी ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात की। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक.एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ अन्याय नहीं होने पाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया और चॉकलेट गिफ्ट करते हुए प्यार व आशीर्वाद दिया।

जनता की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुनकर प्रभावी समाधान सुनिश्चित करें अधिकारी: आदित्यनाथ

गोरखपुर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को जनता के मुद्दों को पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनने तथा उनका त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार लोगों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है और किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी। आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में आयोजित जनता दर्शन के दौरान ये निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने लगभग 200 फरियादियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनने के बाद उपस्थित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने फरियादियों के प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए उनके त्वरित एवं संतोषजनक निस्तारण के निर्देश दिए और सभी को आश्वस्त किया कि उनके कार्यकाल में किसी के साथ कोई अन्याय नहीं होगा। उन्होंने कहा, ह्यह्लप्रशासन और पुलिस अधिकारियों को जनता के मुद्दों को पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और ध्यान से सुनना चाहिए और उनका त्वरित तथा प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना चाहिए। आदित्यनाथ ने इलाज के लिए आर्थिक मदद चाहने वालों को आश्वासन दिया कि सरकार उनके उपचार में पूरी मदद करेगी। उन्होंने अधिकारियों को इन जरूरतमंदों के प्रार्थनापत्र सौंपते हुए निर्देश दिया कि इलाज से संबंधित अनुमानित खर्च के कागजात सरकार को उपलब्ध कराये जायें ताकि उसके हिसाब से जरूरी धनराशि आवंटित की जा सके। मुख्यमंत्री ने राजस्व एवं पुलिस संबंधी मामलों को पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ कोई अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशीलतापूर्ण व्यवहार किया जाना चाहिए।

रावण दहन के साथ सकुशल संपन्न हुआ मेला

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी स्योहारा के रामलीला मैदान दशहरा पर्व के मेला का धूमधाम और हर्ष उल्लास के साथ आयोजन हुआ। दशहरा मेले में रामलीला का मंचन किया गया जिसमे कलाकारो ने बहुत सुंदर रूप से रामलीला चित्रण करते हुए श्री राम ने रावण का वध (रावण का पुतला दहन) कर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया। दशहरा मेले में क्षेत्र वासियों एवं नगर वासियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। मैदान में अनेक समाजिक संगठन के लोगों ने स्वागत कैम्प लगायें हुए थे। कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दशहरा मेले में थाना प्रभारी निरीक्षक धीरज सिंह सोलंकी अपनी फोर्स के साथ मुस्तेद रहे। वह जेबकतरों और मनचलों के प्रति विशेष रूप से सजग रहे। रामलीला कमेटी की मेला एवं रामलीला मंचन आयोजन बहुत सुव्यवस्थित रहा। विजयदशमी पर्व का मेला सकुशल संपन्न हुआ।इस शुभ अवसर पर कमेटी संरक्षक कुंवर पृथ्वीराज सिंह, सहसंरक्षक कुंवर रनन्जंय प्रताप सिंह, अध्यक्ष राजवीर सिंह त्यागी, उपाध्यक्ष नीटू जोशी, मंत्री महेंद्र कुमार शर्मा, सचिव अमर सिंह वर्मा , प्रवंधक सुनील कुमार शर्मा, मंच प्रबंधक राजपाल सिंह प्रजापति, पुरोहित पप्पू पंडित, कानूनी सलाहकार अनुराग भटनागर, लेखा जोखा निरीक्षक अविनाश जोशी , कोषाध्यक्ष वरुण कुमार रस्तौगी, भन्डारी महेंद्र सिंह रवि, सदस्य कपिल कुमार त्यागी, यतेंद्र त्यागी, राहुल त्यागी, सचिन त्यागी, पिन्टू कुमार प्रजापति, रागेंदर सिंह चौहान, पुलिस क्षेत्रअधिकारी धामपुर भारत सिंह सोनकर, पुलिस क्षेत्र अधिकारी प्रतिमा सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष फैसल वारसी, अधिकारी अधिशासी विजेंद्र पाल सिंह,वरिष्ठ समाजसेवी डा. मनोज कुमार वर्मा,डाक्टर राजबहादुर सिंह शर्मा ,डाक्टर विनित देवरा, तुषार रस्तोगी, वरिष्ठ समाजसेवी चौधरी फईम उर रहमान,पूर्व चेयरमैन अख्तर जलील आदि सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे है।

अब 'कानपुर देहात' का नाम बदलने की उठी मांग

कानपुर, एजेंसी

मर्चेंट चैंबर ऑफ कॉमर्स, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अभिषेक सिंघानिया ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर कानपुर देहात जिले का नाम बदलकर ग्रेटर कानपुर करने का आग्रह किया है। उन्होंने दावा किया कि यह बदलाव प्रदेश में शहरी विकास की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगा। सिंघानिया ने आग्रह किया कि गंगा के तट पर स्थित होने के कारण, कानपुर का अपना समृद्ध और गौरवशाली इतिहास है। कपड़ा और अन्य छोटे एवं मध्यम उद्योगों के कारण लंबे समय से इसे पूर्व का मैनचेस्टर कहा जाता है। सिंघानिया ने कहा, इतिहास गवाह है कि शहर ने खुद को नए मानकों के अनुसार ढाला और तदनुसार इसका नाम कान्हापुर से कानपुर हो गया। शहर की स्थापना 1803 में हुई थी और 1891 में इसे दो जिलों कानपुर शहर और कानपुर देहात में विभाजित किया गया था। वर्तमान में, कानपुर देहात राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 14 और 27 से जुड़ा हुआ है। देश का सबसे व्यस्त दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग भी जिले से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि जिला बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे से भी लाभांवित हुआ है। रनिया, जैनपुर, डेरापुर जैसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र विकास के केंद्र और संसाधन थे। इसलिए देहात नाम इसके साथ न्याय नहीं करता है। दरअसल, यह पिछड़ेपन की छवि पेश करता है। सिंघानिया ने दावा किया कि ग्रेटर शब्द आधुनिकता और बेहतर बुनियादी ढांचे को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि नाम बदलने से उस क्षेत्र की प्रतिष्ठा और पहचान बढ़ सकती है और साथ ही स्थानीय विकास को भी बढ़ावा मिल सकता है।

उत्तर प्रदेश में वाटरलाइन डालने में लापरवाही बरतने के लिए कंपनी पर लगा 10 लाख का जुमार्ना

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड के महोबा में वाटरलाइन डालने में की गई लापरवाही कार्यदायी संस्था व अफसरों पर भारी पड़ गई। जल जीवन मिशन के तहत महोबा में वाटरलाइन डालने का कार्य कर रही कम्पनी सीनसीज टेक लिमिटेड पर नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने 10 लाख रुपये का जुमार्ना ठोका है। जिले के दो गांवों में वाटरलाइन डालने में लेटलतीफी की गाज जिले के एडीएम नमामि गंगे और जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता पर भी गिरी है। दोनों अधिकारियों को कार्रवाई के दायरे में लाते हुए जवाब तलब किया गया है। पूरे मामले पर नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने विभाग के आला अफसरों से रिपोर्ट मांगी है। बुंदेलखंड के महोबा जिले में हर घर जल योजना का लक्ष्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। यहां ग्रामीणों को नल से जल पहुंचाने का 97.50 फीसदी से अधिक काम पूरा हो चुका है। यूपी में महोबा जिला सर्वाधिक नल कनेक्शन देने में पहले स्थान पर है। इस बीच पिछले सप्ताह समीक्षा के दौरान महोबा के कबरई विकाखंड के अलीपुर और सुखौरा गांव में वाटरलाइन नहीं होने की शिकायत मिली। पूरे मामले पर तत्काल एक्शन लेते हुए नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने अलीपुर और सुखौरा गांव से रिपोर्ट तलब की। कार्यदायी कम्पनी के लेटलतीफ वाटरलाइन डालने की रिपोर्ट सामने आई, जिस पर कार्रवाई करते हुए राज्य पेजयल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज यादव ने सीनसीज टेक लिमिटेड पर 10 लाख का जुमार्ना ठोकने के साथ अगले सात दिनों के अंदर गांव में वाटर लाइन बिछाने का काम पूरा करने के निर्देश दिये। अन्य जिलों में काम कर रही कार्यदायी संस्थाओं को हर घर जल योजना में लापरवाही बरतने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। राज्य के समस्त अधिशासी अभियंताओं समेत जिले के अन्य विभागीय अधिकारियों को गांव-गांव जाकर निरीक्षण करने की हिदायत भी दी है।

कई राज्य अयोध्या में गेस्ट हाउस के लिए जमीन चाहते हैं : हाउसिंग बोर्ड

लखनऊ, एजेंसी

राम मंदिर निर्माण का पहला चरण पूरा होने और नई अयोध्या टाउनशिप परियोजना के गति पकड़ने के बीच कई राज्य सरकारों ने अयोध्या में जमीन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार से संपर्क किया है। उत्तर प्रदेश हाउसिंग बोर्ड ने नई अयोध्या टाउनशिप परियोजना में राज्य अतिथि गृह के लिए गुजरात को 6,000 वर्ग मीटर जमीन पहले ही आवंटित कर दी है। टाउनशिप परियोजना हाउसिंग बोर्ड द्वारा लागू की जाएगी जो लखनऊ-अयोध्या एनएच-27 पर 1,407 एकड़ भूमि पर बनेगी। बाद में परियोजना का विस्तार 1,800 एकड़ तक किया जाएगा। राज्य अपने गेस्ट हाउस खोलने के लिए अयोध्या में जमीन चाहते हैं। अयोध्या प्रशासन के मुताबिक, नेपाल, श्रीलंका और दक्षिण कोरिया ने भी अयोध्या में 5 एकड़ जमीन मांगी है, जिसे नई अयोध्या टाउनशिप परियोजना में आवंटित किया जाएगा। नई टाउनशिप दो चरणों में बनेगा। पहले चरण में 539 एकड़ जमीन की जरूरत होगी। परियोजना का पहला चरण 11 नवंबर को अयोध्या में दीपोत्सव समारोह के बाद शुरू किया जाएगा। अयोध्या प्रशासन के अनुसार, परियोजना के लिए मांझा, मांझा तिरुआ, मांझा बरहटा और शाहनवाजपुर सहित कई गांवों में जमीन खरीद ली गई है। हाउसिंग बोर्ड के अतिरिक्त आवास आयुक्त नीरज शुक्ला ने कहा, ह्यह्लहाउसिंग बोर्ड को भूमि आवंटन के लिए मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, असम, सिक्किम, उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश से आवेदन प्राप्त हुए हैं। हमने उन्हें जवाब भेजकर अयोध्या में स्थल का दौरा करने के लिए कहा है। राज्य सरकारों को भूमि तभी आवंटित की जाएगी, जब उनके प्रतिनिधि साइट पर जाएंगे और अपनी सहमति देंगे। शुक्ला ने आगे कहा कि राज्य सरकार अयोध्या में अपना गेस्ट हाउस भी बनाएगी। लगभग 100 मठों और आश्रमों ने भी अयोध्या में भूमि के लिए आवेदन किया है। लेकिन, अयोध्या में जमीन की कमी के कारण हाउसिंग बोर्ड के लिए इतने सारे मठों को जमीन आवंटित करना संभव नहीं होगा। इसलिए, हम मठों को भूमि आवंटित करने के लिए लॉटरी प्रणाली अपनाएंगे। राम मंदिर के बाद, नई टाउनशिप परियोजना अयोध्या में आने वाली अगली मेगा परियोजना होगी। राज्य सरकार ने मंदिर शहर में भीड़भाड़ कम करने के लिए इस परियोजना की परिकल्पना की है क्योंकि अगले साल जनवरी में राम मंदिर भक्तों के लिए खुलने के बाद अयोध्या में भक्तों की संख्या कई गुना बढ़ जाएगी।

दो मोटरसाइकिल की टक्कर में एक युवक की मौत, तीन अन्य घायल

सुल्तानपुर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले के पांचोपीरन कस्बे में दो तेज रफ्तार मोटरसाइकिल के आपस में टकराने से एक युवक की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि शहर कोतवाली क्षेत्र में अयोध्या-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार रात दो युवक मजदूरी करके अपने साथियों के साथ मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, पांचोपीरन कस्बा स्थित केएनआई पुलिस चौकी के पास दोनों युवकों की मोटरसाइकिल एक-दूसरे से टकरा गई। उन्होंने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों मोटरसाइकिल पर सवार सभी चार लोग सड़क पर गिर गए और उन्हें गंभीर चोटें आईं। सूत्रों के अनुसार, स्थानीय लोगों ने घायल युवकों को राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने नसीब अहमद (26) को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि नसीब के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं, हादसे में घायल मुगीश अहमद, दिलीप और शक्ति का इलाज किया जा रहा है।

महर्षि वाल्मीकि आश्रम, राजा सीताराम महल व रसिक बिहारी मंदिर का संरक्षण करेगी योगी सरकार

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश की वृहद सांस्कृतिक, ऐतिहासिक व आध्यात्मिक धरोहरों को संजोने वाले स्थलों के संरक्षण व जीर्णोद्धार की दिशा में सरकार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री योगी की मंशा के अनुरूप, सरकार अब कानपुर के बिठूर स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम, मथुरा के राजा सीताराम महल व फतेहपुर के शिवराजपुर स्थित रसिक बिहारी मंदिर के जीर्णोद्धार व संरक्षण की प्रक्रिया को मूर्त रूप देने जा रही है। इस विषय में एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है, जिस पर अमल करते हुए उत्तर प्रदेश पुरातत्व विभाग ने संबंधित कार्यों को अंजाम देने के लिए इच्छुक एजेंसियों से ई-टेंडरिंग प्रक्रिया के जरिए आवेदन मांगे हैं। कानपुर के बिठूर स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम न केवल आस्था बल्कि संस्कार व इतिहास के कई अध्याय अपने आप में समेटे है। ऐसा माना जाता है कि प्रभु श्रीराम द्वारा माता जानकी को वनगमन की आज्ञा देने के उपरांत बिठूर में महर्षि वाल्मीकि का आश्रम ही उनकी आश्रय स्थली बनी थी। यह भी मान्यता है कि इसी आश्रम में प्रभु श्रीराम के दोनों पुत्र लव व कुश का जन्म हुआ था। वर्तमान में योगी सरकार अब यहां 1.52 करोड़ रुपए की लागत से संरक्षण व जीर्णोद्धार के कार्यों को मूर्त रूप देने जा रही है। इन कार्यों को करने के लिए आवेदन करने वाली एजेंसी को बतौर ईएमडी अमाउंट 3.12 लाख रुपए जमा कराने होंगे।

मथुरा के राजा सीताराम महल के जीर्णोद्धार व संरक्षण के लिए 1.29 करोड़ रुपए खर्च होंगे व ईएमडी अमाउंट 2.66 लाख रुपए निर्धारित किया गया है। वहीं, फतेहपुर के शिवराजपुर स्थित रसिक बिहारी मंदिर के जीर्णोद्धार व संरक्षण पर योगी सरकार द्वारा 1.97 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे व इस कार्य के लिए ईएमडी अमाउंट 4.04 लाख निर्धारित किया गया है। तीनों ही कार्यों को उत्तर प्रदेश पुरातत्व विभाग की देखरेख में टेंडरिंग प्रक्रिया द्वारा चयनित एजेंसियों के माध्यम से किया जाएगा तथा सभी कार्य आवंटन व अन्य जरूरी प्रक्रियाओं का पालन उत्तर प्रदेश शासन की रूलबुक के अनुसार ही किया जाएगा। इन तीनों ही स्थलों को लेकर ई-टेंडर पोर्टल पर अलग-अलग टेंडर जारी किए गए हैं। इन सभी टेंडर्स को दो चरणों में आवंटित किया जाएगा। पहले चरण में टेक्निकल एसेसमेंट होगा, उसके बाद फाइनेंशियल एसेसमेंट के उपरांत ही एजेंसियों को कार्य सौंपा जाएगा। उल्लेखनीय है कि टेंडर के लिए आवेदन प्रक्रिया की शुरूआत सोमवार 23 अक्टूबर 2023 से हो चुकी है व 1 नवंबर 2023 को आवेदन की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। इसके उपरांत 3 नवंबर से टेक्निकल एसेसमेंट की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके उपरांत फाइनेंशियल प्रक्रिया का निर्धारण होगा। आवेदन करने वाली एजेंसियों को दोनों ही प्रक्रिया के लिए कोटेशन मूल आवेदन में ही देना होगा। एसेसमेंट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चयनित एजेंसियों को कार्य वितरित कर दिया जाएगा और सभी कार्यों को पूर्ण करने के लिए अधिकतम कार्यावधि 120 दिन की निर्धारित गई है।

ट्रैक्टर ट्रॉली और भारी वाहन के बीच टक्कर में दो लोगों की मौत, सात अन्य घायल

बहराइच, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के फखरपुर थाना क्षेत्र में लखनऊ-बहराइच राजमार्ग पर मंगलवार देर रात दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस का जनरेटर लादकर ले जा रहे वाहन की तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्रॉली से हुई टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने बुधवार को बताया कि फखरपुर थाना क्षेत्र के शिवराजपुर गांव के लोग दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए मंगलवार को एक पिकअप वाहन पर जेनरेटर लादकर ले जा रहे थे, तभी सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से उनकी टक्कर हो गई। सिंह के मुताबिक, इस हादसे में पिकअप वाहन के चालक अल्ताफ (26) की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे में घायल आठ लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फखरपुर ले जाया गया, जहां शिवराजपुर निवासी मिथलेश (22) ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सिंह के अनुसार, पिकअप वाहन में सवार सात घायलों को बेहतर इलाज के लिए बहराइच मेडिकल कॉलेज लाया गया है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि वाहनों की तेज रफ्तार की वजह से यह हादसा हुआ। सिंह के मुताबिक, पुलिस मामले की जांच में जुटी है और मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

उत्तर प्रदेश: आगरा पुलिस ने बिल्डर के अगवा हुये बेटे को मुक्त कराया, दो लोग गिरफ्तार

आगरा, एजेंसी

आगरा पुलिस ने हरियाणा के फरीदाबाद की सैनिक कॉलोनी से अगवा किये गये एक बिल्डर के बेटे को मुक्त करा लिया और इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण (पश्चिम) सोनम कुमार ने बताया कि आरोपियों की पहचान आकाश यादव और आशीष यादव के रूप में हुई है और उनसे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बिल्डर आशीष अग्रवाल की शिकायत के हवाले से बताया कि उनका बेटा ईशांत अपनी कार से चालक आकाश यादव के साथ उनकी बेटी के नोएडा स्थित घर जाने के लिए निकला था। उन्होंने बताया कि रास्ते में आकाश का साथी आशीष भी मिल गया और उन्होंने ईशांत को अगवा कर कार की डिक्की में बंद कर दिया। उन्होंने बताया कि आकाश कार को यमुना एक्सप्रेसवे की तरफ ले गया। सोनम कुमार ने बताया कि बिल्डर के पास यमुना एक्सप्रेसवे के जेवर से टोल कटने का मैसेज आया तो उन्हें संदेह हुआ। कुछ देर बाद ही मथुरा से भी टोल कटने का मैसेज आया। इसके बाद उन्होंने आगरा पुलिस को सूचना दी । आगरा पुलिस ने खंदौली टोल प्लाजा पर जांच की और उस कार को घेर लिया जिसका नंबर बिल्डर ने बताया था। उन्होंने बताया कि जांच में ईशांत को कार की डिक्की से बरामद कर लिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि चालक आकाश और उसके साथी आशीष यादव को गिरफ्तार कर लिया है।

संक्षिप्त खबरें

भाकुरा पंचायत मे लक्ष्मणपुर में देवी जागरण का आयोजन

आरा। सदर प्रखंड के भाकुरा पंचायत के लक्ष्मणपुर गांव में भवय दुर्गा पूजा पंडाल बनाकर माँ दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई इस देवी जागरण का उद्घाटन जन अधिकार पार्टी के जिला अध्यक्ष आशुतोष सिंह जिला परिषद सदस्य धनंजय यादव संयुक्त रूप से किया गया जन अधिकार पार्टी के जिला अध्यक्ष आशुतोष सिंह सभी कलाकारों को अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया वहीं पर नवमि के दिन भव्य देवी जागरण आयोजन किया गया जागरण में मुख्य कलाकार रिंकू ओझा पिंटू लाल यादव, अर्जुन अकेला, कृष्णा,बलराम प्रभाकर पांडे छोटू राजा थे देवी गीत को सुनकर भक्त काफी झूमें नाचे श्री श्री दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष धनोज जी उर्फ लम्बुजी ,सचिव नरेश कुमार ने सभी मुख्य अतिथियों को अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया ओम जी बाबा, अप सचिव विकास जी कोषाध्यक्ष बोल बम जी कमेटी के विशेष सहयोग संतोष जी मिथिलेश रवि अजय वीर कुमार राहुल रितेश सुमित थे।

जयंती समारोह की तैयारी को लेकर बैठक

आरा। बिहार केसरी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री श्री कृष्ण सिंह जी (श्री बाबु) के जयंती समारोह की तैयारी जो पटना के सदाकत आश्रम में आहूत है भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी के समस्त पदाधिकारीयों एवं ब्लॉक अध्यक्षों की बैठक शहीद भवन आरा मेंजिलाध्यक्ष अशोक राम की अध्यक्षता में कि गई जिसमें दिनांक 26 अक्टूबर 2023 को सदाकत आश्रम पटना में आयोजित श्री कृष्णा सिंह जी कि जयंती समारोह की तैयारी की समीक्षा की गई जिसमें भोजपुर जिला से सैंकड़ों कि संख्या में पटना चलने का आह्वान किया गया बैठक को संबोधित करते हुए भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक राम ने कहा कि श्री बाबू जैसे महामानव बिहार कि धरती पर जन्म लेते हैं जिसे बिहार का गौरव एवं मान सम्मान के साथ साथ बिहार का चतुमुर्खी बिकाश हुआ है हम उनके पदचिन्हों पर चलते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते है । ऐसे महामानव कि जयंती समारोह में भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी कि भागीदारी बिहार में अव्वल हो ऐसा हम आप सभी के साथ साथ भोजपुर जिला के तमाम वासियों से अपील करते हैं। बैठक में उपस्थीत होने वालों में सैयद राशिद हुसैन रजी अहमद सत्य प्रकाश राय अशोक यादव बिरेन्द्र मिश्रा पन्नग त्रिपाठी जितेंद्र शर्मा श्रीधर तिवारी सूरज प्रकाश अमित कुमार द्विवेदी डॉक्टर एसपी राय प्रमोद राय रविन्द्र कुमार रवि राकेश कुमार त्रिपाठी गोपाल कृष्ण गोखले श्रीमती प्रभा सिंह यादव आफरीन कलाम हाशमी रतन धमालिया सम्मत सिंह शिवकुमार राम आदि थे ।

भव्य तरीके से हुआ लंका दहन

गया।गया के गाधी मैदान में रावण दहन कार्यक्रम में शामिल नगर विधायक डा प्रेम कुमार ने कहा कि भगवान विष्णु एव मा मंगला की भुमी पर ऐतिहासिक गांधी मैदान में रावण दहन किया गया जिसमें गया शहर के कोने कोने से काफी संख्या लोगों ने रावण दहन कार्यक्रम को देखा। बुराई पर अच्छाई के जीत का प्रतीक का पर्व है श्री रामलीला समिति और रावण वध समिति को दोनों को हम धन्यवाद देते हैं। इसके साथ मा दुर्गा से प्रार्थना करते हैं शहरवासियों एवं प्रदेश वासियों एवं देश वासियों के जीवन में सुख शांति समृद्धि लाए , बिहार का चोमुखी विकास हो इसके लिए हम दृढ़संकल्पित है।इस मौके पर मगध श्रेत्र के आइजी श्रनील सिह,मगध प्रमंडल आयुक्त मंयक वडबडे, धनराज शर्मा, जैनेन्द्र कुमार,ललिता सिह,इंदु सहाय,भाजपा नेता डा मनीष पंकज मिश्रा, सुनिल बम्बईया, संतोष ठाकुर, योगेश कुमार, प्रदेश अनुसूचित जनजाति पूर्व मिडिया प्रभारी अशोक भारती आदी काफी संख्या में लोग एवं पदाधिकारी उपिस्थत थे।

रसलपुर मे हुआ लंका दहन का आयोजन

गया।गया जिला के वजीरगंज विधानसभा के मानपुर प्रखंड के रसलपुर गाव मे हर साल की भाती इस साल भी लंका दहन का कार्यक्रम का आयोजन किया गया है इस कार्यक्रम में आयोजन रसलपुर गाव और सभी के सहयोग से किया गया था इस कार्यक्रम को हरे राम सिंह ने पुरी तत्परता से इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कयी सप्ताह से लगे रहे। रावण, कुंभकर्ण, मेघनाद का दहन किया गया है।इस कार्यक्रम में मे पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, विधायक वजीरगंज वीरेंद्र सिंह,हरी प्रपन्ना उर्फ.पप्पू जी,काफी संख्या में रसलपुर गाव के लोग आस पास लोग उपस्थित थे।इसमे जिला प्रशासन और नगर प्रशासन, पुलिस प्रशासन और सदर एसडीओ ने पुरी तरह पुरी सहयोग किया गया है।

अग्निबाण लगते ही जल उठा रावण, जमकर हुई आतिशबाजी

रामलीला मैदान में किया गया रावण के पुतले का दहन, बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक विजय दशमी हर्षोल्लास से मना

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। शहर सहित पुरे भोजपुर जिले में मंगलवार को बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक विजय दशमी का त्योहार परंपरागत तरीके से मनाया गया। इस दौरान लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। मंगलवार की सुबह से ही देर रात तक लोगों ने दशहरा मेले का लुफ्त उठाया। छोटे-छोटे बच्चे, युवक -युवतियां अपने परिवालो के साथ नये-नये परिधान पहनकर मेला घूमने निकले। मुख्य कार्यक्रम शहर के रामलीला मैदान में हुआ। जहां नगर रामलीला समिति के तत्वाधान में चल रहे रामलीला के दौरान रावण वध का कार्यक्रम हुआ। जैसे ही रावण के पुतले में अग्निबाण लगा। लोगों ने तालियां बजाकर जय श्रीराम के नारे लगाए। इस दौरान जमकर आतिशबाजी भी हुई। रावण वध कार्यक्रम को देखने के लिए काफी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी थी। इसको लेकर पुलिस-प्रशासन द्वारा चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी। विजय दशमी के अवसर पर श्री राम-रावण युद्ध के पश्चात विशालकाय रावण पुतला दहन सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। रावण पुतला दहन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी राजकुमार, एसपी प्रमोद कुमार यादव, डीसीसी विक्रम विरकर थे। इसके पूर्व नगर रामलीला समिति की अध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह, बिहार नागरिक परिषद के पूर्व महासचिव भाई बरमेश्वर एवं नगर रामलीला समिति अनुशासन कमेटी के संयोजक ने संयुक्त रूप से अतिथियों को पट्टिका पहनकर सम्मानित किया। संचालन वरीय उपाध्यक्ष दिलीप कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर इस अवसर पर रेडकास की सचिव डॉ. विभा कुमारी, प्रेम कुमार, सचिव शंभूनाथ प्रसाद, कोषाध्यक्ष मदन प्रसाद, उपाध्यक्ष शंभू केसरी, सह कोषाध्यक्ष विष्णु शंकर, अविनाश प्रसाद, समिति के वरीय सलाहकार मेजर राणा प्रताप सिंह, डी.राजन, कृष्ण कुमार (पत्रकार), संजीव कुमार पांडेय, अश्विनी कुमार, अवधेश कुमार पांडेय, राम कुमार, चौधरी सुरेश सिंह, योगेन्द्र सिंह, राजेश कुमार, जय प्रकाश उर्फ बुटाई जी, संजीव सिन्हा, ओपी कश्यप, अनिल राज, निर्मल सिंह, कन्हैया जी, मिथलेश कुमार, राकेश कुमार (शिक्षक), संतोष कुमार सिंह (सचिव, बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ), राकेश कुमार 'धन्नू', मनोज सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह, प्रमोद कुमार, नवीन प्रकाश, संतोष कुमार चंद्रवंशी, अशोक कुमार मिश्रा के अलावे समिति के सभी संरक्षक मंडल, तेजस एवं सनातनी सेना के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

दुर्गा पूजा समिति के 50 व स्वर्ण जयंती पर माँ दुर्गा का किया गया भव्य आरती

प्रात : किरण संवाददाता

आरा : महा नवमी के अवसर पर संदेश के हृदय स्थली कहे जाने वाला उदवतनगर में आदर्श मध्य विद्यालय में दुर्गा पूजा समिति के 50 व स्वर्ण जयंती के शुभ अवसर पर माँ दुर्गा का माँ का भव्य आरती किया गया जिसका आयोजन भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष बिभु जैन के नेतृत्व में किया गया जिसमे जिला उपाध्यक्ष राकेश सिंह, आदित्य सिंह आदि ,किसान के नेता राम दिनेश यादव, जिला मंत्री कुमार प्रतीक , मीडिया प्रभारी प्रतीक चंद्रवंशी ,कमल क्लब संयोजक बड़े सिंह बजरंगी,सोनू कुमार , जिला जिला प्रवक्ता अंकित तिवारी ,राजीव सिंह, अमलेश यादव, अभय सिंह,सोनू कसेरा, आदित्य भगत,हिन्दू जागरण मंच के विशाल सिंह जी और सनातन हेतु हरदम खड़े रहने वाले और विद्यार्थी परिषद से छोटू सिंह,जी और चन्दन तिवारी जी और बहुत से युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थिति रहे इसकी जानकारी मीडिया प्रभारी अरिहंत विजय जैन ने दी।

कॉमरेड योगेश्वर गोप के 16वीं पुण्य तिथि मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। मजदूर कर्मचारी आंदोलन के महानायक कॉमरेड योगेश्वर गोप के 16वी पुण्य तिथि महासंघ गोपगुट भोजपुर के जिला कार्यालय मील रोड आरा में पूरे जोश के साथ मनाया गया कार्यक्रम के संचालन उमेश कुमार सुमन जिला सचिव महासंघ गोप गुट भोजपुर ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामानंद सिंह जिला अध्यक्ष महासंघ गोपगुट भोजपुर ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत कॉमरेड योगेश्वर गोप के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण कॉमरेड यदुनंदन चौधरी ने किया और बारी बारी से उपस्थित सभी साथियों ने फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए 1मिनट का मौन रखकर कॉमरेड योगेश्वर गोप अमर रहे। का गगनभेदी नारा बुलंद किया गया। उपस्थित संघ महासंघ के लीडर्स ने चर्चा करते हुए कहा कि देश के कर्मचारी मजदूर किसान के आंदोलन के महानायक कॉमरेड योगेश्वर गोप के संघर्ष को हमे अपने विभाग और जीवन में शामिल किया जाना चाहिए वक्ताओं में जानकी प्रसाद सुधीर कुमार केशरी, अवधेश पासवान, रामकुमार गोबिंद बृजकुमार पासवान जयराम सिंह गौतम कुमार अभिमन्यु साहू सहित अन्य कर्मी भी उपस्थित हुए और कार्यक्रम को संबोधित किया और अपने संघ को विस्तारित करने पर विचार किया साथ ही जिला प्रशासन को भी लंबित मांगों पर विचार कर जल्द से जल्द निस्पादन करने को कहा गया अन्यथा किसी भी समय आंदोलन शुरू किया जाएगा।ङ्क्स्र२ पुराना पेंशन लागू ऑल इंडिया में होना चाहिए। निजीकरण समाप्त हो, स्थाई पद पर बहाली है, संविदा कर्मी को भी राज्य कर्मी का दर्जा दिया जाता।

राष्ट्रीय एकता शांति एवं सद्भावना के लिए निकली साइकिल यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

जगदीशपुर।राष्ट्रीय युवा योजना के अंतर्गत भाई जी संदेश यात्रा 2 अक्टूबर से पश्चिमी चंपारण गांधी आश्रम भीतिहरवा से निकली ।यात्रा बिहार के 25 जिलों से होती हुई 23 अक्टूबर को जगदीशपुर पहुंची है। अपने निश्छल प्रेम तथा मधुर गीतों से लोगों के हृदय में वास करने वाले डॉक्टर एसएन सुब्बाराव का संदेश लेकर यह साइकिल यात्रा निकली है।इनका जीवन गांधी विचार के प्रचार प्रसार, राष्ट्रप्रेम, सद्भावना एवं शांति के लिए समर्पित था।

साइकिल से निकली यह यात्रा प्रतिदिन लगभग 50 किलोमीटर की दूरी तय करती है ।रास्ते में लोगों से मिलते हुए ,संवाद और सभाएं करते हुए आगे बढ़ रही है। यह यात्रा 25 अक्टूबर को पटना पहुंचेगी तथा इस अवसर पर 25 से 27 अक्टूबर 2023 तक पटना में आयोजित राष्ट्रीय युवा शिविर में शामिल होगी। यह यात्रा जगदीशपुर में प्रवेश करते ही सबसे पहले जगदीशपुर के सामाजिक कार्यकर्ता डॉ हिमराज सिंह ने अपने साथियों के साथ सभी यात्री दल का जोरदार स्वागत किया । यात्री दल जगदीशपुर के ऐतिहासिक स्थल बाबू वीर कुंवर सिंह के हाता पहुंचे।और बाबू वीर कुंवर सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी ।परिसर में एक सभा किया गया ।जहा सत्येंद्र सिंह और डा. हिमराज सिंह ने ऐतिहासिक महत्व को बताया । इसके बाद शाम को 5:00 बजे जगदीशपुर नयका टोला मोड पर जन विकास क्रांति संस्था में जगदीशपुर के समाजकर्मी लोगों के साथ सभा का आयोजन हुआ ।जिसमें इस यात्रा के संयोजक अशोक भारत ने कहा कि आज देश एक विषम परिस्थिति से गुजर रहा है जहां हिंसा आतंकवाद और बिगड़ी सद्भावना देश के लिए गंभीर चुनौती पेश कर रहे हैं। राष्ट्रीय युवा योजना के राष्ट्रीय सचिव रण सिंह परमार ने कहा कि आज पूरा विश्व युद्ध और आतंक से जूझ रहा है और इसका मुख्य वजह मनुष्यों के भीतर फैली हुई संकीर्णता है ।जब तक प्रेम और सद्भाव फिर से स्थापित नहीं होता यह देश मनुष्यता को नष्ट कर रहा है। और हम सब मानते हैं कि दुनिया में स्थाई शांति का मार्ग गांधी का रास्ता ही है।

राष्ट्रीय युवा योजना के कार्यालय सचिव धर्मेंद्र भाई ने कहा कि यह यात्रा एक ऐतिहासिक यात्रा हुई जिसके माध्यम से भाई जी सुब्बाराव के विचारों को जन जन तक फैलाया जा रहा है। यात्रा में देश के 10 राज्यों के कुल 45 यात्री हैं। जिसमें प्रमुख रूप से महाराष्ट्र से नरेंद्र भाई ,दिल्ली से धर्मेंद्र भाई, तेलंगाना से यादव राजू, झारखंड से उमेश , उड़ीसा से मधुसूदन जी, मध्य प्रदेश से शीतल जैन , उत्तर प्रदेश से विशाल जैन,यात्री दल में राज्य संचालन समिति के सदस्य दीपक कुमार,संजय कुमार बब्लू, तमिलनाडु से मूदलवन भाई, केरल से फवार्ड भाई,रामबाबू, विकाश , हर्षवर्धन,सुजल,विक्रम जयनारायण निषाद ,बाल मुकुंद कुमार आदि शामिल है ।

इस यात्रा में आठ महिला साथियों की भी मजबूत भागीदारी है। जिसमें 2015 में माउंट एवरेस्ट चढ़ने वाली मोकामा की कीर्ति ,नेशनल कबड्डी टीम के सदस्य और नेशनल कबड्डी टीम के तन्नू और शूटर संगीता शामिल है ।यात्री दल में राज्य संचालन समिति के सदस्य दीपक कुमार,संजय कुमार बब्लू, तमिलनाडु से मूदलवन भाई, केरल से फवाद भाई, उड़ीसा से मधु भाई, झारखंड से उमेश भाई शामिल है ।स्थानीय स्वागतकर्ताओ में डा. हिमराज सिंह,अरविंद कुमार सिंह ,अवधेश कुमार सिंह, राजेश कुमार सिंह मंगल सिंह सहित गणमान्य लोग शामिल है ।

नवरात्रि महोत्सव के समापन पर निकाली गयी पालकी शोभायात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। शहर के जेल रोड स्थित श्री दिगंबर जैन चंद्रप्रभु मंदिर में चल रहे दस दिवसीय नवरात्रि महोत्सव के समापन पर जैन धर्मावलंबियों द्वारा भव्य पालकी शोभायात्रा दिगंबर जैन मंदिर से निकाली गयी। पालकी शोभायात्रा में बच्चें हाथों में पंचरंगा जैन ध्वज लिए जिनेंद्र प्रभु का जयकारा लगा रहे थे। तथा महिलाएं एवं पुरुष नाचते-झूमते प्रभु की भक्ति में लीन थे। भक्तगण श्रीजी एवं देवी मां की पालकी को कंधों में लेकर श्रद्धा से आनंदित थे। सैकड़ों की संख्या में नर-नारी गाजे-बाजे के साथ प्रभु के शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए पुनः मंदिर प्रांगण में पहुंची। मीडिया प्रभारी निलेश कुमार जैन ने बताया की नवमी तिथि के श्रृंगारकर्ता सरिता-मनोज कुमार जैन टिकैत नगर एवं दशमी तिथि के श्रृंगारकर्ता शालिनी-दीपक अग्रवाल थे। श्रृंगारकर्ता परिवार द्वारा श्रीजी का अभिषेक, पूजन एवं विधान बड़े ही श्रद्धापूर्वक किया गया। अपराह्न समय में प्रतिष्ठाचार्य डॉ अजीत शास्त्री के निर्देशन में देवी ज्वालामालिनी मां का आह्वान, पूजन, गोद भराई एवं श्रृंगार किया गया तथा प्रसाद वितरण किया गया। तथा उन्होंने बताया कि दशमी तिथि के श्रृंगार के पश्चात विश्व शांति महायज्ञ, विश्व के कल्याण हेतु किया गया। जिसमें यज्ञनायक विनीका-पंकज कुमार जैन थे। आयोजन को सफल बनाने वाले कार्यकताओं का मंदिर कमिटी की तरफ से सम्मान किया गया जिसमें प्रतिष्ठाचार्य डॉ अजीत शास्त्री, संयोजक डॉ शशांक जैन, मीडिया प्रभारी निलेश कुमार जैन, भोजन व्यस्वथापक अजय कुमार जैन, रौशन चंद्र जैन, रोहित जैन, सालीका जैन, वीना जैन, शशि जैन, नम्रता जैन का विशेष सम्मान हुआ।

7 करोड़ की लागत से बन रहा सीएचसी फरवरी 2024 तक बनकर होगा तैयार

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिले के कोइलवर स्थित पीएचसी को अपग्रेड कर सीएचसी में बदला जा रहा है। इसको लेकर करीब 7 करोड़ की लागत से निमार्णाधीन भवन का काम भी फरवरी 2024 तक पूरा हो जाने की संभावना है। सीएचसी के लिए नए भवन का निर्माण पीएचसी वाले जगह पर ही किया जा रहा है। मालूम हो कि नए भवन का निर्माण बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा अधिकृत एजेंसी निर्माण कार्य करा रही है ।पीएचसी कोईलवर के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. उमेश कुमार ने बताया कि प्रखण्ड कार्यालय कोईलवर के शिक्षा विभाग के डाटट प्रशिक्षण केंद्र और खाली पड़े अभिलेखागार के भवन में सीमित संसाधन में किसी तरह अस्पताल चलाया जा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का नया भवन चार मंजिला होगा। जिसके लिए 6040 मीटर भूमि पर निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इसके निर्माण कार्य पर लगभग 7 करोड़ रुपये खर्च होंगे। नये भवन के निर्माण के बाद अपग्रेड सामुदायिक अस्पताल 30 बेड का हो जाएगा। फिलहाल पीएचसी होने के कारण 6 बेड का अस्पताल संचालित हो रहा है।

सीएचसी का मॉडल भवन निर्माण के बाद कई तरह की सुविधाएं बढ़ जाएगी। अस्पताल में हड्डी, नाक, कान, दांत, सर्जन समेत कई विभाग के डॉक्टर 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे। यही नहीं सीएचसी के बनने से बाद करीब 100 गांव के लोगों को फायदा भी पहुंचेगा। निर्माण कार्य फरवरी 2024 तक पूरा हो जाने की उम्मीद है। साथ ही बताया कि अस्पताल में डिजिटल एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, ईसीजी, पैथोलॉजी भवन में हर तरह की जांच की सुविधा मरीजों को मिलने लगेगी। इसके अलावा कई विभाग के चिकित्सक, प्रसूति कक्ष, ऑपरेशन थियेटर और इमरजेंसी सुविधा भी उपलब्ध होगी।

इटउक्छ के कांट्रेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि फंड के कमी के कारण निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो फरवरी 2024 तक अस्पताल का नया भवन बनकर तैयार हो जाएगा।

गाजे बाजे के साथ दी जा रही है मां दुर्गा को विदाई

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। नवरात्रि के महापर्व के विधिवत समापन के बाद आज मां दुर्गा की विदाई धूमधाम से दी जा रही है विजयादशमी के दूसरे दिन मां की प्रतिमा को विसर्जित करने की वर्षों से चल जा रही परंपरा के अनुरूप आज उनकी विदाई दी जा रही है आज विधिवत रूप से मां दुर्गा की खोईचा भरने के बाद महिला श्रद्धालु भक्तों ने उनका पूजन किया एवं विदाई दिया धार्मिक मान्यताओं के अनुसार बेटी की विदाई के पहले विधिवतरूप से खोइच्छा भरने के बाद विदाई की जाती है डीजे के धुन और भक्ति गीतों पर पूजा समिति के सदस्यों की टोली उनकी प्रतिमा को नदी में विसर्जित करने के लिए जा रही है आरा शहर के मुख्य द्वार बैंक कॉलोनी मोड पर स्थापित पूजा पंडाल में मां दुर्गा की प्रतिमा को पूजा समिति के सदस्य बड़े ही धूमधाम से विसर्जित करने के लिए निकल गए यहां से मां दुर्गा की प्रतिमा को असनी ले जाया जाएगा जहां विसर्जित किया जाएगा मूर्ति विसर्जन को लेकर जिला प्रशासन ने भी सुरक्षा के करें इंतजाम किए हैं हर जगह दंडाधिकारी के साथ विसर्जन स्थल पर पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति भी की गई है पूजा समिति के संयोजक चंदन कुमार ने बताया कि विदाई की विधिवत रूप से रस्म अदायगी के बाद प्रतिभा को नदी में विसर्जित कर दिया जाएगा यहां पिछले 8 सालों से तरीके से पंडाल बनाकर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जाती है वही विजयादशमी के दिन इस पूजा पंडाल पर भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह पहुंचे थे जाट माता का चुनरी और प्रसाद देखकर उनका जोरदार स्वागत किया वही भोजपुरी के सुपरस्टार यहां की व्यवस्था देखकर काफी प्रसन्न हुए और पूजा समिति के सदस्यों को धन्यवाद दिया।

कड़ी सुरक्षा के बीच 5 लाइसेंसी मां दुर्गा की मूर्ति दुखहरनी द्वार से कराया गया पास

प्रात : किरण संवाददाता

गया। नवरात्र के मौके पर पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए शहर के 5 लाइसेंसी मां दुर्गा की प्रतिमा दुख हरणी मंदिर द्वार से पास कराया जाता है। इसी क्रम में गया शहर के उत्तरी क्षेत्र के 5 लाइसेंसी प्रतिमा को नवरात्र के विजयदशमी के दिन रात्रि को दुखहरणी द्वार से पास कराया गया है। यह सिलसिला मंगलवार की देर रात तक दो बजे तक चलता रहा है। प्रतिमा दुखरनी द्वार से होते हुए जामा मस्जिद से गुजरती है। इसे लेकर यहां पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की बंदोबस्ती की गई थी ।जिला पदाधिकारी, गया डॉक्टर त्यागराजन एस एम और वरीय पुलिस अधीक्षक आशीष भारती इस स्थल पर मौजूद थे। दोनों पदाधिकारियों की मौजूदगी में शांतिपूर्ण तरीके से दुखहरणी मंदिर द्वार से प्रतिमा बारी बारी से पास कराया गया है। जिला पदाधिकारी देर रात 01:00 बजे तक इस स्थल पर मौजूद रहे। मूर्ति पास कराने को लेकर बारीकी से नजर बनाए रखें ताकि सामाजिक सद्भाव और शांति बना रहे हू जिला पदाधिकारी की मौजूदगी रहने से उनके अधीनस्थ पदाधिकारी भी उत्साहित रहे। ऐसे तो दुखहरणी मंदिर द्वार से पास कर जामा मस्जिद के समीप पदाधिकारी मौजूद रहे हैं , लेकिन प्रतिमा पास होने में थोड़ी सी भी विलंब होने पर खुद जिलाधिकारी एव एसएसपी अपने स्थान से उठकर आम लोगों के बीच चले जाते हू उन्हें समझाते और जल्दी-जल्दी प्रतिमा को आगे बढ़ाने का आग्रह कर रहे थे। डीएम के प्रयास को समाज के सभी लोगों ने सराहना की है। जब तक अंतिम प्रतिमा दुखहरणी मंदिर द्वार से पास नहीं हुआ तब तक जिलाधिकारी एव एसएसपी वहां पर मौजूद रहें हैं। प्रतिमा पास कराते समय डीएम अपने जगह से उठकर अपने अधीनस्थ पदाधिकारियों की हौसला अफजाई के लिए वहां पहुंच जाते। करीब 4 घंटे की मशक्कत जिला पदाधिकारी के अथक प्रयास के बाद शांतिपूर्ण तरीके से दुखरनी मंदिर द्वार से मां दुर्गा की 5 प्रतिमाएं पास कराई गई है इस पूरे कार्यक्रम में नगर पुलिस अधीक्षक हिमांशु कुमार, नगर पुलिस उपाधीक्षक पीएन साहू, सदर अनुमंडल पदाधिकारी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, वरीय उप समाहर्ता अमरेश कुमार, नक्सल एसपी, मेयर गया नगर निगम, पूर्व विधायक के साथ-साथ काफी संख्या में सुरक्षा बल के जवान और सामाजिक कार्यकर्ता एवं मुस्लिम समुदाय के गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे हैं ।जिनमे मुख्य रूप से मसूद मंजर, नूरानी , मोती करीमी, कमांडर जी, मो० आमिल, अनिल स्वामी, अनंत धीश अमन, जितेंद्र कुमार, मनी लाल बारीक, धर्मेंद्र कुमार उर्फ टिबलु सिंह, पूर्व वार्ड पार्षद संतोष सिंह, शिशु सिन्हा सहित अन्य पूजा पंडाल के पर्याप्त वोलेंटियर्स उपस्थित थे।

हर्षोल्लास वातावरण मे मनाया गया विजया दशमी का त्योहार

प्रात : किरण संवाददाता

गडहनी। (भोजपुर)नगर पंचायत गडहनी सहित प्रखण्ड क्षेत्र मे हर्षोल्लास वातावरण मे धुमधाम से मनाया गया विजया दशमी का त्योहार। वहीं नवरात्रि के नौ दिन तक माँ के नौ स्वरूपो की पूजा अर्चना वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सम्पन्न की गई ।इस अवसर पर नगर पंचायत सहित प्रखण्ड के विभिन्न गाँव स्थित पूजा पंडालो मे श्रद्धालुओं की भारी भीड से माँ के गुंजती जयकारा वातावरण को भक्तिमय बनाता रहा ।श्रद्धालु भक्ति मे झुमते गाते रहे ।माँ अपने भक्तो की भक्ति रूपी प्रसाद से मंद मंद मुस्कुराते हुए अपनी कृपा प्रसाद बरसाती रही ।वहीं नगर पंचायत गडहनी के बिचली पट्टी मे लाइट एंड साउंड पर आधारित माँ दुर्गा के अर्द्धनारीश्वर रूप की दर्शन को लेकर हजारो हजार की संख्या मे श्रद्धालुओ की भीड लगी रही ।गुफा अन्दर विराजमान वैष्णो की पूजा अर्चना आकर्षण का केन्द्र बना रहा तो वहीं शिव मंदिर पुरानी बाजार मे पूजा समिति द्वारा माँ महिषासुरमर्दिनी की विधि विधान के साथ पूजा की गई ।इसके साथ ही बलिगाँव दुलारपुर काउप लभुआनी मोड के समीप पूजा पंडालो मे श्रद्धालुओ ने पूजा अर्चना की ।वहीं बाजारों मे पूजा व दशहरा मेला को ले चहल पहल व दर्शनार्थियों की भीड बनी हुई है ।इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, नाटक व भजन संध्या कार्यक्रम का श्रोताओ ने खुब आनन्द उठाया।

महानवमी एवं विजयदशमी पर आरण्य देवी के दर्शन के लिए उमड़ी रही भीड़

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। शारदीय नवरात्र के नौंवे दिन (सोमवार) एवं विजयदशमी (मंगलवार) को देवी दुर्गा के पूजन करने के लिए पूजा पंडालों एवं मंदिरों में भारी भीड़ उमड़ी रही। आरा शहर की अधिष्ठात्री देवी मां आरण्य देवी के मंदिर में पूजन एवं दर्शन को लेकर महानवमी की अहले सुबह से ही महिला-पुरुष श्रद्धालु भक्तों का जनसैलाब उमड़ पडा। लोगों को देवी दर्शन के लिए घंटों कतार में खड़ा रहना पड़ा। मां अरण्य देवी की मूर्ति एवं मंदिर परिसर को आकर्षक ढ़ंग से फूलों द्वारा सजाया गपया। भीड का आलम यह था कि महिला-पुरुष भक्तो की लाइन आरण्य देवी, व्यापार मंडल से पडाव मोड तक पहुंच गई। यह सिलसिला देर शाम तक चली। गोधूली बेला में मंदिर में दर्शन करने वाले एवं दीप जलाने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी। हालांकि मां आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट एवं पुलिस-प्रशासन द्वारा श्रद्धालु भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए को दीप जलाने एवं नारियल फोड़ने की सख्त मनाही की गई थी। पुलिस-प्रशासन की टीम, आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट के पदाधिकारी, सदस्य, सेवक एवं स्थानीय वोलिंटियर लोगों को कतारबद्व कराकर मां आरण्य देवी के दर्शन करा रहे थे। मौके पर नगर थानाध्यक्ष संजीव कुमार, यातायात प्रभारी प्रदीप सरकार सहित महिला-पुरुष जवान अपने कर्तव्य को निभाते रहें। दंडाधिकारी, प्रशिक्षू डीएसपी एवं महिला सहयोगी टीम भी मुस्तैद दिखी। मां आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक भीम सिंह भवेश, सचिव अरविंद पांडेय, कोषाध्यक्ष श्रवण जलान, ट्रस्टी लल्लू भाई, जीतू चंद्रवंशी, बीडी सिंह, गजेंद्र सिंह, संतोष कुमार सिंह, राजू मेहता, कावेरी मोहन, मीडिया प्रबंधक कृष्ण कुमार, पुजारी मनोज बाबा, रंगनाथ मिश्रा, संजय मिश्रा, रुपेश कुमार, ई.जितू सिंह, राजीव रंजन, अशोक सिंह, नवीन प्रकाश, मालिक यादव, जय शंकर तिवारी, सुरेश प्रसाद, जेपी यादव, धर्मेंद्र कुमार सिंह, आलोक अंजन, अमित कुमार उर्फ भोलू, रविशंकर समेत ट्रस्ट के स्टाफ भी सक्रिय दिखे।

ट्रस्ट द्वारा वितरित किया गया प्रसाद : शारदीय नवरात्र के महानवमी एवं विजय दशमी के दिन मां आरण्य देवी मंदिर में दर्शन करने आए भक्त श्रद्धालुओ के बीच मां आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट के द्वारा प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान भक्तों के बीच बेसन से निर्मित बुंदिया व मुड़ी का वितरण किया गया।

मैं लोगों से कतराता था, नहीं चाहता था कि वे मेरे रोल की वजह से मुझसे रिश्ता रखें

फिल्म गदर और गदर 2 में सनी देओल के बेटे जीते के किरदार में नजर आ चुके उत्कर्ष शर्मा ने कहा- मैं लोंगों को बताने में कतराता था क्योंकि मैं अपने दोस्त या रिश्ते, किसी फेवर के दम पर नहीं बनाना चाहता था। उन्होंने कहा- मैं नहीं चाहता था कि लोग मेरे से इसलिए रिश्ता रखें क्योंकि मैंने वो किरदार किया है।

जब गदर रिलीज हुई थी तब ओटीटी प्लेटफॉर्म नहीं हुआ करते थे। गदर 2 के दौर में ओटीटी भी है। ऐसे में सिनेमा पर हिट फिल्म का बाद में ओटीटी पर रिलीज होना, इसका क्या असर देखते हैं आप?

मुझे लगता है कि हमारे देश में सिनेमाघर अभी भी बहुत कम हैं। करीब 8 हजार स्क्रीन्स हैं, उसमें भी सभी स्क्रीन्स पर कोई फिल्म रिलीज नहीं होती है, क्योंकि बहुत सी फिल्में अलग-अलग भाषा में होती हैं। अभी भी बहुत से छोटे शहरों में आपको थियेटर के द्वारा पूरी कवरेज नहीं मिलती है। मेरे ख्याल से अभी भी हम एक ग्रोइंग इंडस्ट्री हैं। ओटीटी आज हर इंसान की पहुंच में हैं। चाहे वो अमीर हो या गरीब, फोन और इंटरनेट सबकी पहुंच में है। वो फिल्मों के शौकीन भी हैं। कई बार उनके पास इतने पैसे नहीं होते की वो खुद या अपने परिवार के साथ सिनेमा पर फिल्में देख पाएं या फिर उसके आसपास कोई सिनेमाहॉल नहीं होता। तो फोन या टीवी के जरिए हम उनके जुड़ पाते हैं। अगर कोई फिल्म सिनेमा पर हिट होती है तो लोग उसके बारे में जानते तो हैं ही इसलिए ओटीटी पर उनके लिए फिल्म को देख पाना आसान होता है।

गदर जब हिट हुई थी, तब आपकी उम्र काफी कम थी। आप स्कूल जाने वाले एक प्यारे बच्चे थे। उस फिल्म के हिट होने के बाद आप रातोंरात फेमस हो गए थे। कैसा था वो वक्त?

गदर मेरे लिए एक इत्तेफाक की तरह थी। मेरा पढ़ाई पर फोकस था और पैरंट्स भी ये ही चाहते थे। लेकिन उस दौरान फिल्म के लिए कोई बच्चा मिल नहीं रहा था, जिसको 6-7 महीने की छुट्टी मिल सके और पूरी रात शूटिंग करा सकें। तो विकल्प था नहीं आखिर में उन्हें मुझे लेना पड़ा। गदर के बाद मैं पढ़ाई में लग गया और फिल्मों में आगे काम नहीं किया। गदर में मेरा जो लुक था लंबे बाल, पगड़ी, वो रियल लाइफ में ऐसा नहीं था। मैंने किसी को बताया नहीं था कि उस रोल को मैंने किया है। कई लोग मेरी आंखों से उसमें मुझे पहचानने की कोशिश भी करते थे लेकिन मैं कह देता था कि मैं गदर में नहीं हूं। मेरे कुछ ही दोस्तों को पता था कि गदर में बच्चे के किरदार में मैं था।उस फिल्म के एक साल बाद फिर लोगों को पता चलना शुरू हुआ। दरअसल, मैं लोगों को बताने में कतराता था क्योंकि मैं अपने दोस्त या रिश्ते, किसी फेवर के दम पर नहीं बनाना चाहता था। मैं नहीं चाहता था कि लोग मेरे से इसलिए रिश्ता रखें क्योंकि मैंने वो किरदार किया है। मैं सभी रिश्ते अपने बलबूत पर ही बनाना चाहता था। आज भी लोग जब मुझे गदर 2 या मेरी फिल्म जीनियस की वजह से पहचानते हैं तो मैं एक सेकेंड के लिए ये ही कहता हूं कि मैं वो नहीं हूं। मैं अपने काम के दम पर रिश्ते नहीं बनाना चाहता क्योंकि वो तब मतलब के रिश्ते होते हैं।

गदर की दोनों किस्तों का प्लॉट भारत पाकिस्तान रहा है। गदर 3 की खूब चर्चा हो रही है। तो तीसरी किस्त में क्या अब पाकिस्तान की जगह कहीं और आप गदर मचाएंगे?

अभी तक इस बारे में कोई निर्णय नहीं लिया गया है। अभी आइडिया पर बात हो रही हैं। बस एक ही चीज फाइनल है कि जब तक राइट कहानी नहीं मिलेगी, तब तक हम गदर 3 नहीं बनाएंगे। क्योंकि एक सही कहानी की वजह से गदर 2 को 20-22 साल लग गए। बहुत सारे लोगों ने इसके लिए अपने आइडियाज दिए थे। काफी चीजों पर चर्चा हुई है तो हमारा शुरू से ये रहा है कि हमें ब्रैंड को एन कैश नहीं करना है, हमें ब्रैंड को ग्रो करना है। अभी तक हमने कोई कहानी अप्रूव नहीं की है।

फिल्म की सफलता के साथ कई तरह के विवाद भी जन्म लेते हैं। बहुत से लोगों का ये भी कहना था कि क्योंकि ये फिल्म आपके पापा अनिल शर्मा की है, इसलिए आपको ज्यादा एक्सपोजर मिला। इस तरह की बातों से आप कैसे डील करते हैं?

देखिए, हमने ना फिल्म के लिए कोई एक्सट्रा डायलॉग बढ़ाया, ना ही हमने कोई एक्स्ट्रा सीन बढ़ाया। जो कहानी की जरूरत थी उसी हिसाब से किया। इतने लोगों ने फिल्म को पसंद किया। उनको कुछ भी ऐसा नहीं लगा, तो चर्चाओं और अफवाहों के बारे में क्या कहें?

लेकिन क्या आप किसी और कंपनी के रॉकेट से भी उड़ान भरने वाले हैं?

अच्छा डिजाइन मिलेगा तो जरूर उनके रॉकेट से उड़ान भरेंगे। सच कहूं तो गदर 2 के बाद बहुत से ऑफर आ रहे हैं। मैंने एक दो कहानियां ओपन की हैं। लेकिन आजकल ये भी चीज है कि प्रॉपर अनाउंसमेंट ना हो तो कुछ बता नहीं सकते हैं। तो जब कुछ होगा तब जरूर बताऊंगा। मैं दोनों जगह काम करना चाहता हूं, अपनी कंपनी में भी और बाहर भी। क्योंकि जहां अच्छी कहानी होगी मैं वहां काम करूंगा।

मराठी डार्क कॉमेडी फिल्म पंचक में नजर आएंगी अभिनेत्री माधुरी दीक्षित

त्रिदेव, तेजाब, साजन, दिल तो पागल है के लिए मशहूर अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने अपनी आगामी मराठी डार्क कॉमेडी फिल?म पंचक को लेकर कुछ बातें साझा की। माधुरी अपने पति श्रीराम नेने के साथ अपनी बहुप्रतीक्षित मराठी फिल्म पंचक को 5 जनवरी को रिलीज करने के लिए तैयार हैं। फिल्म का निर्देशन जयंत जठार और राहुल अवाटे ने किया है। इस बारे में बात करते हुए माधुरी और श्रीराम ने एक संयुक्त बयान में कहा, पंचक का विचार बहुत सरल है। अंधविश्वास हम पर हावी हो सकता है, और हमें अनुचित भय की ओर धकेल सकता है, साथ ही हमें बेतुकी स्थितियों में डाल सकता है। उन्होंने कहा, हम इस फिल्म के निर्माण को लेकर बहुत उत्साहित हैं और हमने उत्कृष्ट कलाकारों और क्रू को इकट्ठा करने के लिए कड़ी मेहनत की है और हमें उम्मीद है कि हम दर्शकों को हास्य की बहुत जरूरी खुराक देंगे। हम दर्शकों को फिल्म दिखाने के लिए और इंतजार नहीं कर सकते।आरएनएम मूविंग पिक्चर्स द्वारा निर्मित, पंचक की शूटिंग कोंकण क्षेत्र में की गई है। यह एक डार्क कॉमेडी है जो अंधविश्वास और मौत के डर से संबंधित है। फिल्म में मराठी फिल्म और टेलीविजन उद्योग और थिएटर के बेहतरीन कलाकार शामिल हैं ।यह फिल्म 15 अगस्त के बाद आरएनएम मूविंग पिक्चर्स के दूसरे प्रोडक्शन का प्रतीक है, जिसे सीधे ओटीटी पर रिलीज किया गया ।पंचक में आदिनाथ कोठारे, तेजश्री प्रधान, आनंद इंगले, नंदिता पाटकर, भारती आचरेकर, विद्याधर जोशी, सतीश अलेकर, सागर तलशिकर, दीप्ति देवी, आशीष कुलकर्णी और दिलीप प्रभावलकर शामिल हैं। यह फिल्म 5 जनवरी 2024 को रिलीज होगी।

दृष्टि धामी के लिए चैलेंजिंग था पुलिस का रोल बोलीं- पहले मैं थोड़ा नर्वस थी

छोटे पर्दे की नामी ऐक्ट्रेस दृष्टि धामी ने टेलीविजन पर कदम रखते ही बड़ी पहचान बना ली थी। टीवी पर उन्हें शो मधुबाला एक इश्क एक जुनून के लिए काफी तारीफें मिली थीं। इसके साथ ही वेब सीरीज दुरंगा में उनके किरदार को खूब सराहा गया था।

टीवी से जब आप ओटीटी की दुनिया में आईं तो आपका पहला एक्सपीरियंस क्या था और अंदर से क्या फीलिंग आती है?

पहला एक्सपीरियंस तो ये ही होता है कि जब आप लगातार कोशिश करते हैं कि आपको स्विच करना है सिर्फ एक अलग अनुभव के लिए और आपको एक बेहतरीन शो से और काम करने वाले लोगों के साथ अच्छा वेलकम मिलता है तो बहुत अच्छा अहसास होता है। मुझे लगता था कि मैं और देर तक यहां रह सकती हूं। तो मुझे ऐसी फीलिंग आई थी, जब मैंने ओटीटी पर डेब्यू किया था। मुझे लोग बताते थे कि आपने उस शो में अच्छा काम किया था। जब मैं उस शो में खुद को देखती थी तो बहुत खुश होती थी। दुरंगा कि बात करूं तो ये मेरे लिए चुनौती भरा था। क्योंकि मैं इस किरदार के लिए नौसिखिया थी, क्योंकि इसमें बहुत ज्यादा ड्रामा नहीं है। इसमें एक साइलेंस है यानी मुझे कुछ नहीं करके भी कुछ करना है, वो मेरे लिए मुश्किल था। उसके लिए मुझे थोड़ा समय और कोशिशें करनी पड़ीं। मुझे लगता है कि सीजन 2 में मैं और बेहतर हो गई हूं।

हमारे यहां कॉप को लेकर काफी क्रेज रहता है। खासकर जब कॉप कोई लेडी हो तो बात ही अलग होती है। तो सीरीज में आपका कैसा अनुभव रहा?

अनुभव काफी अच्छा था। मैं थोड़ा नर्वस थी क्योंकि मैंने कभी इतना मजबूत किरदार अदा नहीं किया था। ना सिर्फ फिजिकली स्ट्रॉन्ग बल्कि बात करने और खड़े होने का तरीका भी काफी स्ट्रॉन्ग होता है। हमने बॉडी लैंग्वेज को समझने के लिए शुरुआत में कुछ रिहर्सल की थीं, क्योंकि मैं हमेशा एक कॉप की बॉडी लैंग्वेज की तरह नहीं रहती हूं। हमने काफी कुछ टेबल रीड्स भी किए थे। लेकिन धीरे-धीरे जब सेट पर आना शुरू किया, कॉस्ट्यूम्स पहना, लाइन्स बोलनी शुरू कीं तब सब बेहतर होता गया।

जब आपको ये रोल ऑफर हुआ तो क्या आपके जहन में कोई लेडी कॉप की या किसी और महिला की इमेज आई थी कि मुझे वैसा ही बनना है?

क्योंकि मुझे पहले ही कहा गया था कि मुझे बहुत ज्यादा कॉप की ड्रेस में नहीं रहना है, तो मैंने कॉप के बारे में सोचा ही नहीं था। मैंने कोई कॉप की फिल्म भी नहीं देखी। मुझे लगता था कि अगर मैं वो देखूंगी तो मैं इन्फ्लूएंस होंगी। तो मेरे डायरेक्टर ने जो कहा मैं वो फॉलो करती रही। अगर आगे भी मुझे कोई कॉप का रोल मिले, तो मैं बिलकुल करना चाहूंगी। मैंने इसे काफी एंजॉय किया था।

दुरंगा शब्द जब आपने पहली बार सुना तब आपके दिमाग में किसी कैरेक्टर की छवि आई या कोई एक्सपीरियंस रहा हो जो इससे रिलेट करता हो?

जब मुझे दुरंगा का ऑफर मिला, तब मुझे नहीं पता था कि इसकी स्टोरी क्या है। मुझे बस इतना कहा गया था कि गुलशन इस शो का पार्ट हैं। तब मुझे लगा था कि ये उनकी कोई कहानी होगी जो बीते वक्त या हाल की किसी चीज से जुड़ी होगी।

आशिकी 3 का हिस्सा नहीं हैं तारा सुतारिया

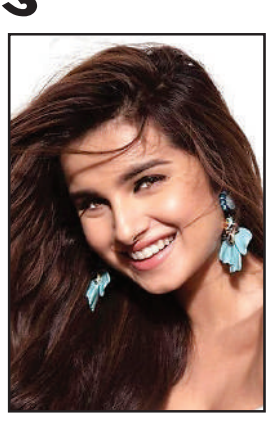

नुराग बसु ने साफ कर दिया है कि तारा सुतारिया आशिकी 3 का हिस्सा नहीं हैं। ऐसे में कार्तिक आर्यन संग अभिनेत्री की डेटिंग की अफवाहों ने और ज्यादा तूल पकड़ लिया है। कार्तिक आर्यन और तारा सुतारिया को हाल ही में डिनर डेट पर एक साथ स्पॉट किया गया। दोनों की वायरल तस्वीर ने सोशल मीडिया की हलचल बढ़ा दी। जहां एक वर्ग दोनों के रिश्ते में होने के कयास लगा रहा है। तो वहीं, दूसरे वर्ग का मानना है कि तारा सुतारिया, अभिनेता के साथ सफल आशिकी फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त आशिकी 3 में नजर आएंगी। वहीं, अब फिल्म से तारा के जुड़ने की अटकलों पर अनुराग बसु ने चुप्पी तोड़ी है। साथ ही बड़े बयान से फैंस को दंग कर दिया है। तारा सुतारिया और कार्तिक आर्यन की वायरल तस्वीरों को देखकर अनुमान लगाया गया कि यह आशिकी 3 के लिए एक प्रचार रणनीति हो सकती है, और तारा फिल्म की लीड अभिनेत्री के रूप में बोर्ड पर आ सकती हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह सच नहीं है। जब प्रकाशन ने अनुराग बसु से संपर्क किया, जो फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि फिल्म की मुख्य महिला भूमिका को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है, और जो कुछ भी है वह अटकलें हैं।

रणबीर ने ब्रह्मास्त्र-2 पर बड़ा अपडेट दिया

रणबीर कपूर ने ब्रह्मास्त्र के दूसरे पार्ट पर बड़ा अपडेट दिया है। रणबीर ने कहा कि ब्रह्मास्त्र-2 की राइटिंग पर जोरो-शोरों से काम चल रहा है। डायरेक्टर अयान मुखर्जी ने रणबीर को पिछले हफ्ते फिल्म की कहानी भी सुना दी है। रणबीर ने कहा कि ब्रह्मास्त्र-2 पहले पार्ट से 10 गुना बड़ी होगी। रणबीर का कहना है कि फिल्म की शूटिंग 2024 के अंत या 2025 की शुरुआत में शुरू हो जाएगी। फिलहाल अयान वॉर-2 पर काम कर रहे हैं। रणबीर ने कहा कि पहले की तुलना में दर्शकों को बेहतर देखने को मिलेगा। पहली वाली गलतियों को दोहराया नहीं जाएगा। बता दें कि ब्रह्मास्त्र पार्ट-1 सितंबर 2022 में रिलीज हुई थी। फिल्म ने 431 करोड़ रुपए का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया था। फैंस के साथ जूम इंटरेक्शन के दौरान रणबीर कपूर ने कहा- पहले पार्ट को लेकर काफी क्रिटिसिज्म हुआ। हम इसे समझ भी रहे हैं। ऑडियंस को क्या पसंद आएगा और क्या नहीं, इसे लेकर हम विचार कर रहे हैं। लोगों को शिवा और ईशा की केमेस्ट्री अच्छी नहीं लगी। बहुत सारी आलोचनाएं हुईं। इसी वजह से हम कुछ ऐसा सोच रहे हैं जो इससे बेहतर हो सके। ब्रह्माम्त्र एक ऐसी फिल्म थी, जो रिलीज से पहले मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक थी। इसका प्रमोशन भी काफी बड़े स्तर पर किया गया था। ऐसी दलील दी गई थी कि यह भारत की पहली एक्शन फैंटेसी फिल्म होगी। फिल्म पर भारी भरकम पैसा लगाया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, करण जौहर ने फिल्म पर 410 करोड़ रुपए खर्च किए थे। हालांकि फिल्म जब रिलीज हुई तो दर्शकों ने इसे उस तरह स्वीकार नहीं किया।

शाहिद कपूर ने घोषित की अगली फिल्म देवा

शाहिद कपूर अपनी बेहतरीन एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। शाहिद कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। एक्टर ने दशहरा के मौके पर अपने फैंस को तोहफा दिया है। शाहिद कपूर ने अपनी खुद अपनी अपकमिंग फिल्म 'देवा' को लेकर बड़ा एलान कर दिया है। फिल्म से उनका फर्स्ट लुक भी सामने आ गया है। फिल्म 'देवा' से शाहिद कपूर के लुक को फैंस पसंद कर रहे हैं और कमेंट कर रहे हैं। उनकी यह फिल्म 2024 में दशहरे के मौके पर ही रिलीज होगी। वहीं अब एक्टर की इस फिल्म को लेकर बॉलीवुड एक्टर और फिल्म क्रिटिक कमाल राशिद खान ने फिल्म को लेकर एक भविष्यवाणी कर दी है।

कमाल राशिद खान ने किया ट्वीट

केआरके ने शाहिद कपूर के पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा कि हां भाई हम सब जानते हैं कि यह एक साउथ फिल्म का रीमेक है। यह एक निश्चित फ्लॉप फिल्म होगी। मेरे इस ट्वीट को रिकॉर्ड के लिए रखें। कमाल खान का यह ट्वीट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। एक्टर के फैंस इस पर अपनी प्रतिक्रियाएं देते नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने केआरके पर कमेंट करते हुए लिखा कि अब सब तुम्हारे जैसी महान ऐक्टर थोड़ी हैं ।मैं तो देशद्रोही में आपकी ऐक्टिंग का कायल हो गया। आप लोग भी इस कालजयी अभिनय का आनन्द लें। कोई धक्का मुक्की नहीं करेगा। वहीं एक अन्य ने लिखा कि आज के टाइम में सभी मूवी की साउथ की कॉपी ही आ रही है नया कॉन्सेप्ट है ही नहीं बॉलीवुड वालों के पास।

शाहिद कपूर ने किया पोस्ट

एक्टर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर करते हुए शाहिद कपूर ने बताया है कि यह फिल्म अगले साल 2024 में 11 अक्टूबर को दशहरे पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में शाहिद कपूर के अलावा पूजा हेगड़े काम करते नजर आएंगी। यह फिल्म साउथ फिल्म इंडस्ट्री के पॉपुलर डायरेक्टर रोशन एंड्रयूज के डायरेक्शन में बनने वाली है। वहीं शाहिद कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्टर देवा के अलावा एक और फिल्म है। इस फिल्म में शाहिद कपूर के साथ कृति सेनॉन नजर आने वाली हैं। अमित जोशी और अराधना शाह के डायरेक्शन में बनने वाली ये फिल्म 9 फरवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आईटी कंपनियों का कमाल! बाजार में कमजोरी के बावजूद जमकर कमा रहीं मुनाफा, लगातार बढ़ रहा प्रॉफिट

नई दिल्ली–देश की दिग्गज और टॉप आईटी कंपनियों के मुनाफे में उछाल देखा जा रहा है। इन कंपनियों का मुनाफा लगातार बढ़ रहा है। टॉप आईटी कंपनियों, जैसे टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, एचसीएलटेक और विप्रो का मुनाफा कमजोर बाजार में आगे बढ़ने के लिए संघर्ष के बावजूद फलफूल रही हैं। इन कंपनियों का मुनाफा लगातार बढ़ रहा है। भारत की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर सर्विसेज फर्म टीसीएस के संचालन का मार्जिन दूसरी तिमाही में 110 बेसिस पॉइंट बढ़कर 24.3 फीसदी हो गया। दूसरी सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर फर्म इंफोसिस का मुनाफा इस तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले 40 बेसिस पॉइंट बढ़कर 21.2 फीसदी हो गया। इस तरह तीसरी सबसे बड़ी फर्म एचसीएल टेक का मुलाफा जुलाई से सितंबर की तिमाही में 18.5 फीसदी हो गया, जबकि इससे पिछली तिमाही में ये 17 फीसदी था, जबकि पिछले साल यह मुनाफा 18 फीसदी था। आगामी वित्त वर्ष के लिए इंफोसिस, एचसीएल टेक और विप्रो ने अगली तिमाही और पूरे वित्तीय वर्ष के लिए राजस्व के लक्ष्य में कटौती की है। कंपनियां मार्केट में आई इस गिरावट का इस्तेमाल कॉस्ट मैनेजमेंट के बेसिक्स की ओर लौटने के लिए कर रही है। ईटी के अनुसार भारत की 245 बिलियन डॉलर की आईटी इंडस्ट्री के दिग्गजों को इस अवधि में कम विकास होने की उम्मीद है। विशेलेषकों ने कहा कि छोटी अवधि में मुनाफे में होने वाले सुधार को कंपनियों की ओर सफलतापूर्वक मैनेज किए जाने की उम्मीद है। कंपनियां अब छोड़कर जाने वाले कर्मचारियों की जगह नई कर्मचारियों की भर्ती भी कम कर रही है। नियोक्ता अब नई भर्ती के समय उम्मीदवारों को दी जाने वाली सैलरी में भी बचत कर रही है।

सरकार सख्त, दावा- ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को भेजा गया एक लाख करोड़ रुपये का नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने जीएसटी कानून में संशोधन करते हुए विदेशी ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों के लिए एक अक्टूबर से भारत में पंजीकरण कराना अनिवार्य कर दिया है। जीएसटी परिषद ने अगस्त में स्पष्ट किया था कि ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म पर लगाए गए दांव के पूरे मूल्य पर 28 प्रतिशत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाया जाएगा। ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को भारत के जीएसटी अधिकारियों की ओर से अब तक एक लाख करोड़ रुपये का नोटिस भेजा गया है। सूत्रों की ओर से यह दावा किया गया है। एक अधिकारी ने हालांकि कहा कि एक अक्टूबर के बाद से भारत में पंजीकरण कराने वाली विदेशी गेमिंग कंपनियों का अभी तक कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। सरकार ने जीएसटी कानून में संशोधन करते हुए विदेशी ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों के लिए एक अक्टूबर से भारत में पंजीकरण कराना अनिवार्य कर दिया है। जीएसटी परिषद ने अगस्त में स्पष्ट किया था कि ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म पर लगाए गए दांव के पूरे मूल्य पर 28 प्रतिशत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाया जाएगा।

साल 2030 में कैसी दिखेगी ऊर्जा प्रणाली, सड़कों पर दस गुना होंगी ई-कारें, कोयला

तेल और गैस की मांग चरम पर होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले सात सालों के दौरान ऊर्जा क्षेत्र का परिदृश्य बदलने वाला है। एक रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक सड़कों पर लगभग 10 गुना अधिक इलेक्ट्रिक कारें होंगी। तब दुनिया की आधी ऊर्जा हरित ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त हो रही होगी, लेकिन इस सब के साथ वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5ए सेल्सियस तक सीमित करने के लिए मजबूत नीतियों की आवश्यकता भी होगी। विश्व ऊर्जा आउटलुक 2023 साल 2030 तक दुनिया को पटरी पर लाने के लिए एक रणनीति का भी सुझाव देता है, जिसमें रिन्यूबल एनर्जी बढ़ाना, ऊर्जा दक्षता में सुधार करना, मीथेन एमिशन को कम करना, विकासशील देशों में स्वच्छ ऊर्जा में अधिक निवेश करना और जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना शामिल है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक 2023 शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा है कि सौर पैनल, पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिक कार और हीट पंप जैसी स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियां अधिक लोकप्रिय हो रही हैं। ये प्रौद्योगिकियां हमारे कारखानों, वाहनों, घरेलू उपकरणों और हीटिंग सिस्टम जैसी चीजों को बिजली देने के तरीकों को बादल रही हैं।

रिपोर्ट इस बारे में भी बात करती है कि साल 2030 में ऊर्जा प्रणाली कैसी दिखेगी। इसमें तब तक सड़क पर बहुत अधिक इलेक्ट्रिक कारों का होना, सोलर पैनलों से पूरे अमेरिकी बिजली प्रणाली की तुलना में अधिक बिजली पैदा होना, और रिन्यूबल एनर्जी का वैश्विक बिजली का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा बनाना वगैरह शामिल हैं। साथ ही इसमें यह भी बताया गया है कि साल 2030 तक हीटिंग के लिए पारंपरिक जीवाश्म ईंधन बॉयलरों के मुकाबले इलैक्ट्रिक हीटिंग सिस्टम अधिक बिकेंगे।

ये सभी परिवर्तन आज की नीतियों पर आधारित हैं। यदि देश ऊर्जा और जलवायु के बारे में अपने वादों पर कायम रहते हैं, तो हम क्लीन एनर्जी में और भी तेजी से प्रगति देख सकते हैं, लेकिन यह स्पष्ट है कि ग्लोबल वार्मिंग को नियंत्रण में रखने के लिए मजबूत उपायों की आवश्यकता है।

क्लीन एनर्जी के बढ़ने और विश्व की अर्थव्यवस्था में बदलाव का जीवाश्म ईंधन पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। इस दशक में कोयला, तेल और प्राकृतिक गैस की मांग चरम पर पहुंचने की उम्मीद है, जो इस तरह के परिदृश्य में पहले नहीं हुआ था। विश्व की ऊर्जा आपूर्ति मे जीवाश्म ईंधन की हिस्सेदारी भी घटने की उम्मीद है, और ऊर्जा से संबंधित कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन 2025 में अपने उच्चतम बिंदु पर पहुंच जाएगा।

आईईए के कार्यकारी निदेशक फतिह बिरोल का कहना है कि क्लीन एनर्जी की ओर पूरी दुनिया बढ़ रही है और यह अपरिहार्य है। सरकारों, कंपनियों और निवेशकों को इस परिवर्तन का समर्थन करने की आवश्यकता है क्योंकि यह नई नौकरियां, स्वच्छ हवा और सुरक्षित जलवायु सहित कई लाभ लाता है।

दिवाली से पहले सरकार का किसानों को तोहफा, कैबिनेट ने दी खाद सब्सिडी को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। मंत्रिमंडल ने फॉस्फेटयुक्त और पोटाशयुक्त (पीएंडके) उर्वरकों पर रबी मौसम, 2023-24 (01.10.2023 से 31.03.2024 तक) के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) दरों को मंजूरी दे दी है। आगामी रबी सीजन 2023-24 में एनबीएस पर 22,303 करोड़ रुपये के खर्च की उम्मीद है।

दिवाली से पहले सरकार ने किसानों को तोहफा देने का एलान किया है। बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में किसानों के लिए फायदेमंद फैसले को मंजूरी दे दी गई है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए खाद सब्सिडी को मंजूरी दे दी है। सरकार की तरह से न्यूट्रिएंट बेस्ड फर्टिलाइजर सब्सिडी को मंजूरी दी गई है। इस बार के रबी सीजन के लिए यह मंजूरी दी गई है। इससे सरकार के ऊपर 22000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा। मंत्रिमंडल ने फॉस्फेटयुक्त और पोटाशयुक्त (पीएंडके) उर्वरकों पर रबी मौसम, 2023-24 (01.10.2023 से 31.03.2024 तक) के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) दरों को मंजूरी दे दी है। आगामी रबी सीजन 2023-24 में एनबीएस पर 22,303 करोड़ रुपये के खर्च की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने 1 अक्टूबर 2023 से 31 मार्च 2024 तक रबी सीजन के लिए सब्सिडी की जानकारी दी। उन्होने बताया कि नाइट्रोजन के लिए यह 47.2 रुपये प्रति किलोग्राम, फास्फोरस 20.82 रुपये प्रति किलोग्राम, पोटाश सब्सिडी 2.38 रुपये प्रति किलोग्राम होगी और सल्फर सब्सिडी 1.89 रुपये प्रति किलोग्राम होगी। उन्होंने कहा कि सब्सिडी जारी रहेगी क्योंकि सरकार नहीं चाहती कि जब अंतरराष्ट्रीय कीमतें बढ़ें तो इसका असर देश के हमारे किसानों पर ना पड़े। डीएपी पर सब्सिडी 4500 रुपये प्रति टन जारी रहेगी। डीएपी पुरानी दर के अनुसार 1350 रुपये प्रति बोरी में मिलेगी। एनपीके 1470 रुपये प्रति बैग की कीमत पर उपलब्ध होगा। पीएंडके उर्वरकों पर सब्सिडी रबी सीजन 2023-24 (01.10.2023 से 31.03.2024 तक लागू) के लिए अनुमोदित दरों के आधार पर प्रदान की जाएगी ताकि किसानों को सस्ती कीमतों पर इन उर्वरकों की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने जुजर टिनवाला को सीटीओओ बनाया, सरबजीत आनंद की लेंगे जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। टिनवाला पहले बैंक के मुख्य परिचालन अधिकारी थे और 26 वर्षों से बैंक के साथ हैं, संचालन और प्रौद्योगिकी में विभिन्न टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं। टिनवाला टीटीओ एशिया मैनेजमेंट टीम (एमटी) के सदस्य हैं और इंडिया कंट्री एमटी का हिस्सा बने रहेंगे। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने 25 अक्टूबर को जुजर टिनवाला को भारत और दक्षिण एशिया के लिए अपने मुख्य प्रौद्योगिकी और संचालन अधिकारी (सीटीओओ) के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। वह सरबजीत आनंद की जगह लेंगे, जिन्होंने बैंक के बाहर अपने अवसरों को तलाशने का फैसला किया है।बैंक ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ÷टिनवाला पहले बैंक के मुख्य परिचालन अधिकारी थे और 26 वर्षों से बैंक के साथ हैं, संचालन और प्रौद्योगिकी में विभिन्न टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं। टिनवाला टीटीओ एशिया मैनेजमेंट टीम (एमटी) के सदस्य हैं और इंडिया कंट्री एमटी का हिस्सा बने रहेंगे।

अब तक 9,100 करोड़ से अधिक लोन, 53 लाख से अधिक फुटकर व्यापारियों को लाभ, 75 फीसदी गैर-सामान्य

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, रेहड़ी-पटरी पर सामान बेचकर गुजारा करने वाले लोगों की मदद के लिए मोदी सरकार की सूक्ष्म-ऋण योजना- पीएम स्वनिधि काफी मददगार रही है। समावेशी उद्यमिता सुनिश्चित करने के मकसद से शुरू की गई इस योजना के तहत लगभग 75 प्रतिशत लाभार्थी गैर-सामान्य वर्ग के हैं। एसबीआई की शोध रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस 75 फीसदी में 44 फीसदी लाभार्थी ओबीसी समुदाय से हैं। रेहड़ी-पटरी वालों के लिए मोदी सरकार की सूक्ष्म-ऋण योजना की सराहना करते हुए एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के 22 प्रतिशत लाभार्थियों को आर्थिक मदद मुहैया कराई गई है। कुल लाभार्थियों में से 43 प्रतिशत महिलाएं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, लाभार्थी की कुल संख्या में महिलाओं की हिस्सेदारी शहरी महिलाओं में उद्यमशीलता की क्षमता का और सशक्त होना दिखाता है। इससे स्वनिधि को लिंग समानता का टैग भी मिलता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म-एक्स पर शोध रिपोर्ट साझा करते हुए।

नवरात्र खत्म होते ही प्याज हुआ महंगा, 70 रुपये किलो तक पहुंचा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरात्र खत्म होते ही प्याज ने अपन तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। पिछले दो दिन में खुदरा बाजारों में यह करीब 10 रुपये महंगा हो चुका है। अधिकतर शहरों में यह 50 रुपये के पार चला गया है। जबकि, उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट पर इसकी अधिकतम खुदरा कीमत 70 रुपये किलो और न्यूनतम 17 रुपये है। बता दें नवरात्रों में प्याज की खपत कम हो जाती है। अधिकतर हिन्दू परिवारों में इस पवित्र मौके पर भोजन में लहसून, प्याज का प्रयोग वर्जित होता है। दूसरी ओर मांस-मछली का भी सेवन पूरी तरह बंद रहा है।

उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट पर दिए गए ताजा आकंड़ों के मुताबिक 24 अक्टूबर 2023 को राजस्थान में प्याज की औसत कीमत 27 रुपये के करीब थी। गुजरात में 31, बिहार में 32, झारखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की खुदरा मंडियों में प्याज 33 रुपये के औसत रेट से बिका। तेलंगाना और चंडीगढ़ में एक किलो प्याज की कीमत 34 रुपये जबकि, छत्तीसगढ़ और हरियाणा में यह 35 रुपये प्रति किलो के रेट से मिल रहा था। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के खुदरा बाजारों में प्याज 60 रुपये किलो तक पहुंच गया है। हालांकि, दिल्ली, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर में इसकी औसत कीमत 40 रुपये है। दूसरी ओ नागालैंड और सिक्किम में 50 रुपये तो मिजोरम और अंडमान में 55 रुपये तक पहुंच गया है। अगर जोन वाइज प्याज के रेट की बात करें तो 24 अक्टूबर के आंकड़ों के मुताबिक देश के उत्तर क्षेत्र में एक किलों प्याज का औसत खुदरा भाव 35.56 रुपये रहा, जबकि पश्चिम क्षेत्र में 34.22 रुपये प्रति किलो के रेट से बिक रहा है।। पूर्वी क्षेत्र में प्याज का औसत भाव 34.93 रुपये प्रति किलो है तो पूर्वोत्तर में 48.31 रुपये। दक्षिण क्षेत्र में प्याज का औसत रेट 41.90 रुपये प्रति किलो रहा।

45 रुपये का शेयर 80 रुपये पर पहुंचा, 75 प्रतिशत से ज्यादा का फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। अरविंद एंड कंपनी के शेयरों की बाजार में धमाकेदार एंट्री हुई है। अरविंद एंड कंपनी के शेयर 80 रुपये पर एक्सचेंज में लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में कंपनी के शेयर 45 रुपये के दाम पर मिले थे। कंपनी के शेयर करीब 78 पर्सेंट के प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए हैं। अरविंद एंड कंपनी के आईपीओ में दांव लगाने वाले निवेशकों को हर शेयर पर 35 रुपये का फायदा हुआ है। कंपनी के शेयर एनएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं। अरविंद एंड कंपनी शिपिंग एजेंसीज का आईपीओ टोटल 385.03 गुना सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के आईपीओ का रिटेल कोटा 321.97 गुना सब्सक्राइब हुआ है। वहीं, आईपीओ की दूसरी कैटेगरीज में 436.05 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 100 पर्सेंट थी, जो कि अब 73 पर्सेंट रह जाएगी। कंपनी, आईपीओ से जुटाए गए फंड का इस्तेमाल कैपिटल एक्सपेंडिचर की फंडिंग और जनरल कॉरपोरेट पर्पज में करेगी।

गन्ना पेराई सीजन से ठीक पहले 45 सहकारी चीनी मिलों को बंद करने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। गन्ना पेराई सत्र 1 नवंबर से शुरू होगा और इससे ठीक पहले केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 45 सहकारी चीनी मिलों को बंद करने का नोटिस भेजा है। यह पहली बार है कि इतनी बड़ी संख्या में चीनी इकाइयों को बंद करने का नोटिस दिया गया है। सीपीसीबी ने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के घोर उल्लंघन के लिए महाराष्ट्र में 45 सहकारी चीनी मिलों को बंद करने का आदेश दिया है। महाराष्ट्र में कुल 190 चीनी मिलें हैं, जिनमें से 105 चालू हैं। महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) को लिखे एक पत्र में, सीपीसीबी के कमलेश सिंह ने कहा कि उन्होंने गैर-स्थापना/गैर-कनेक्टिविटी के कारण पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की धारा 5 के तहत गैर-अनुपालन करने वाले चीनी उद्योगों को बंद करने के निर्देश दिए हैं। धारा 5 के तहत केंद्र सरकार के पास किसी भी उद्योग को बंद करने का पावर है। इस धारा के तहत केंद्र प्रतिस्ठान का संचालन या प्रक्रिया को बंद करने, बिजली और पानी की आपूर्ति या किसी अन्य सेवा को रोकने या रेगुलेट करने सहित निर्देश देने की शक्तियां हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, सीपीसीबी उम्मीद कर रहा था कि राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड निर्देशों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करेगा और इन्हें बंद करना सुनिश्चित करेगा। साथ ही राज्य बिजली बोर्ड से इनकी बिजली सप्लाई बंद करने के लिए कहेगा। सीपीसीबी ने महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को इन 45 चीनी मिलों का निरीक्षण और सत्यापन करने के लिए कहा है। साथ में केंद्रीय बोर्ड ने कहा है कि यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि चीनी इकाइयां सीपीसीबी से बंद करने के निर्देश को रद्द किए बिना किसी भी परिस्थिति में आगामी पेराई सत्र 2023-24 के दौरान अपना परिचालन शुरू नहीं करेंगी। अधिकारी ने कहा, एमपीसीबी को 10 नवंबर, 2023 से पहले की गई कार्रवाई रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। महाराष्ट्र राज्य सहकारी चीनी कारखाना महासंघ के अध्यक्ष पी आर पाटिल ने नोटिस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, मुझे ऐसे किसी नोटिस की जानकारी नहीं है। हम अपने सदस्यों के साथ इस पर चर्चा करेंगे और फिर कार्रवाई की दिशा तय करेंगे।

अब तक 9,100 करोड़ से अधिक लोन, 53 लाख से अधिक फुटकर व्यापारियों को लाभ, 75 फीसदी गैर-सामान्य

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, रेहड़ी-पटरी पर सामान बेचकर गुजारा करने वाले लोगों की मदद के लिए मोदी सरकार की सूक्ष्म-ऋण योजना- पीएम स्वनिधि काफी मददगार रही है। समावेशी उद्यमिता सुनिश्चित करने के मकसद से शुरू की गई इस योजना के तहत लगभग 75 प्रतिशत लाभार्थी गैर-सामान्य वर्ग के हैं। एसबीआई की शोध रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस 75 फीसदी में 44 फीसदी लाभार्थी ओबीसी समुदाय से हैं। रेहड़ी-पटरी वालों के लिए मोदी सरकार की सूक्ष्म-ऋण योजना की सराहना करते हुए एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के 22 प्रतिशत लाभार्थियों को आर्थिक मदद मुहैया कराई गई है। कुल लाभार्थियों में से 43 प्रतिशत महिलाएं हैं।

टाटा के इस शेयर में आएगी तेजी ! एक्सपर्ट बोले- मुनाफा चाहिए तो लगाओ दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी वोल्टास के शेयरों को लेकर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। घरेलू ब्रोकरेज मोतीलाल ओसवाल का मानना है कि वोल्टास के शेयर 1000 रुपये तक जा सकते हैं। वहीं, प्रभुदास लीलाधर ने इस शेयर के लिए 909 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। हालांकि, एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने इस शेयर के लिए टारगेट प्राइस को घटा दिया है। ऐसा माना जा रहा है कि यह शेयर 800 रुपये तक लुढ़क सकता है। आपको बता दें कि बीएसई पर यह शेयर वर्तमान में 818.50 रुपये के स्तर पर है। बीते कारोबारी दिन इस शेयर का लो लेवल 806.90 रुपये रहा। वहीं, 3 मार्च 2023 को शेयर ने 933.50 रुपये के स्तर को टच किया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर है। हाल ही में वोल्टास ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। इस तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 36.68 करोड़ रुपये है। एक साल पहले की इसी तिमाही से तुलना करें तो 595.01 प्रतिशत ज्यादा है। यह सितंबर 2022 की तिमाही में 7.41 करोड़ रुपये है। सितंबर 2023 की तिमाही में ईबीआईटीडीए करीब 14.51 प्रतिशत कम होकर 141.25 करोड़ रुपये हो गया।

बासमती चावल के निर्यातकों को मिलेगी राहत, मोदी सरकार कर रही तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने बासमती चावल के निर्यातकों को राहत देने का फैसला किया है। सरकार ने बासमती चावल के लिए न्यूनतम निर्यात मूल्य को 1,200 डॉलर से घटाकर 950 डॉलर प्रति टन कर दिया है। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। हालांकि इसकी अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और निर्यातकों के बीच हाल ही में इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा हुई थी। चावल निर्यातक संघ का कहना था कि ज्यादा एमईपी लगाने से भारत का बासमती चावल निर्यात कम हो गया है, जिससे काफी नुकसान हो रहा है। पीयूष गोयल ने एमईपी की समीक्षा का आश्वासन दिया था। इससे पहले केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा था कि सरकार सक्रिय रूप से न्यूनतम निर्यात मूल्य की समीक्षा कर रही है और उचित समय पर सही निर्णय लिया जाएगा। तब तक मौजूदा व्यवस्था लागू रहेगी। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने चावल की घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने और कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए अगस्त में बासमती चावल पर 1200 डॉलर प्रति टन के एमईपी की शर्त लगाई थी।

वर्ल्ड कप 2023

खिताब जीतने की रेस से बाहर हुई लगभग 6 टीमें, इनके बीच हो सकता है सेमीफाइनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी विश्व कप 2023 अब ऐसे मोड़ पर आ चुका है, जहां किसी भी टीम के लिए एक हार सेमीफाइनल से बाहर होने का रास्ता बना सकती है। फिलहाल, टूर्नामेंट में अभी तक हुए 23 मैचों के नतीजों पर नजर डालें तो चीजें काफी साफ हो रही हैं। कौन सी टीमें सेमीफाइनल के लिए आगे बढ़ रही हैं और कौन सी टीमें दूर होती जा रही हैं, यह भी काफी हद तक क्लियर हो रहा है। तो आइए जानें कुल 10 टीमों में कौन सी 6 टीमें सेमीफाइनल से लगभग बाहर होती दिख रही हैं।

खिताब जीतने की रेस से बाहर हुई लगभग 6 टीमें – खिताब जीतने की रेस से जो लगभग 4 टीमें बाहर होती नजर आ रही हैं। वो हैं- पाकिस्तान, अफगानिस्तान, नीदरलैंड, श्रीलंका, इंग्लैंड और बांग्लादेश। यह टीमें सेमीफाइनल में जाने के लिए कड़ा संघर्ष करती दिख रही हैं। पाकिस्तान 5 मैचों में सिर्फ 2 ही जीत पाई है। उसके अभी सिर्फ 4 मैच बचे हैं।

अगर वो इसमें 2 मैच भी हार जाती है तो वह बाहर हो जाएगी। वहीं नीदरलैंड 4 मैचों में सिर्फ 1 मैच ही जीत पाई है। उसके लिए भी बचे 5 मैचों में 4 जीतना आसान नहीं। वहीं ऐसा ही हाल श्रीलंका का है, जिसको अपने मैच अभी इंग्लैंड, भारत व न्यूजीलैंड जैसी बड़ी टीमों के खिलाफ खेलना बाकी है।

वहीं अफगानिस्तान 5 मैचों में 2 जीत के साथ छठे स्थान पर है। उसे अपने बचे 4 मैच आस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेलने हैं। साथ में बांग्लादेश भी 5 मैचों में सिर्फ 1 ही मैच जीत पाई है। उसके लिए भी अब सेमीफाइनल में जाने का रास्ता पूरी तरह से खत्म हो चुका है।

इनके बीच हो सकता है सेमीफाइनल – अगर बात करें सेमीफाइनल में जाने वाली 4 टीमों की तो टीम इंडिया का नाम सबसे पहले नजर आता है। भारतीय टीम लगातार 5 जीत के साथ अंक तालिका में पहले स्थान पर है। वहीं दूसरे नंबर पर साउथ अफ्रीका है, जो सिर्फ 1 मैच हारी है। वहीं न्यूजीलैंड भी 5 मैचों में 4 जीत के साथ तीसरे जबकि आस्ट्रेलिया 4 मैचों में 2 जीत के साथ सेमीफाइनल के लिए जगह बनाने में लगा हुआ है। अगर आस्ट्रेलिया अपने बचे 5 मैचों में 3 मैच भी जीत जाता है तो उसकी जगह पक्की हो जाएगी। यह संभव भी लग रहा है क्योंकि उसे नीदरलैंड, अफगानिस्तान व बांग्लादेश के खिलाफ भिड़ना है।

क्विंटन डी कॉक ने वर्ल्ड कप के 48 साल का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बनाया

विश्व कप में तीसरा शतक जड़ा

मुंबई(एजेंसी)। क्विंटन डी कॉक (174) ने वानखेड़े स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ खेलते हुए क्रिकेट विश्व कप का अपना तीसरा शतक जड़ा। डीकॉक 2015 और 2019 विश्व कप में एक भी शतक नहीं लगा पाए थे लेकिन मौजूदा विश्व कप की 5 में से 3 पारियों में वह शतक लगा चुके हैं। इसी तरह उन्होंने बतौर विकेटकीपर विश्व कप में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड भी बनाया। डीकॉक ने ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2007 फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ 149 रन बनाए थे। पढ़ें डीकॉक के रिकॉर्ड-

वनडे में ओवरऑल विकेटकीपर बल्लेबाज का सबसे बड़ा स्कोर

183* - महेंद्र सिंह धोनी बनाम श्रीलंका
178 - डी कॉक बनाम ऑस्ट्रेलिया
176 - लिटन दास बनाम जिमबाब्वे
174 - डी कॉक बनाम बांगलादेश

सबसे तेज 20वां वनडे शतक लगाने वाले खिलाड़ी

108 - हाशिम अमला
133 - विराट कोहली
142 - डेविड वार्नर
150 - क्विंटन डी कॉक
175 - एबी डिविलियर्स
183 - रोहित शर्मा
195 - रॉस टेलर
197 - सचिन तेंदुलकर

डीकॉक इस रिकॉर्ड में हमवतन डीविलियर्स से आगे निकल गए हैं। हालांकि वनडे में डीविलियर्स के 25 शतकों का रिकॉर्ड तोड़ना डीकॉक के लिए मुश्किल है। लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाजों की टॉप लिस्ट में जगह बनाने में जरूर कामयाब हो गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा शतक

27 हाशिम अमला
25 एबी डीविलियर्स
21 हर्षल गिब्स
20 क्विंटन डीकॉक
17 जैक कैलिस

उम्मीद है कि जिस तरह की फॉर्म में डिकॉक अभी चल रहे हैं वह हर्षल गिब्स का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। डीकॉक पहले ही बोल चुके हैं कि यह विश्व कप उनका आखिरी है। वह वनडे फॉर्मेट से संन्यास ले रहे हैं। ऐसे में वह अपनी विदाई का पूरा यादगार बनाने की कोशिश करेंगे।

एक विश्व कप संस्करण में सर्वाधिक शतक

5 - रोहित शर्मा (2019)
4 - कुमार संगकारा (2015)
3 - मार्क वॉ (1996)
3 - सौरव गांगुली (2003)
3 - मैथ्यू हेडन (2007)
3 - डेविड वार्नर (2019)
3 - क्विंटन डी कॉक (2023)*

डीकॉक ने अभी क्रिकेट विश्व कप में कम से कम 5 पारियां खेलनी हैं। अगर वह दो शतक लगाने में भी कामयाब रहे तो वह रोहित शर्मा का रिकॉर्ड बराबर कर लेंगे जोकि उन्होंने 2019 क्रिकेट विश्व कप के दौरान बनाया था। एक शतक लगाने के साथ वह श्रीलंकाई दिग्गज कुमार संगाकारा की बराबरी कर लेंगे जिन्होंने 2015 विश्व कप में यह रिकॉर्ड बनाया था।

मेरा लक्ष्य हमेशा बेहतर होना, उत्कृष्टता के पीछे भागना नहीं : कोहली

चेन्नई (एजेंसी)। मौजूदा विश्व कप में अच्छी फॉर्म में चल रहे भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का कहना है कि उनका लक्ष्य हमेशा बेहतर होना रहा है, उत्कृष्टता के पीछे भागना नहीं। कोहली अभी टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने पांच मैच में 118.00 की औसत से 354 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। कोहली ने कहा, 'मैंने हमेशा इस पर काम किया है कि मैं हर दिन, हर अभ्यास सत्र, हर साल और हर सत्र में खुद को कैसे बेहतर बना सकता हूं। इसी ने मुझे इतने लंबे समय तक खेलने और प्रदर्शन करने में मदद की है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इस मानसिकता के बिना लगातार अच्छा प्रदर्शन करना संभव है क्योंकि अगर प्रदर्शन ही आपका लक्ष्य है तो कोई भी कुछ समय बाद संतुष्ट हो सकता है और अपने खेल पर काम करना बंद कर सकता है। कोहली ने कहा, 'मेरा लक्ष्य हमेशा बेहतर होना रहा है, ना कि उत्कृष्टता का पीछा करना क्योंकि ईमानदारी से कहूं तो मैं नहीं जानता कि उत्कृष्टता की परिभाषा क्या है। इसकी कोई सीमा नहीं है, न ही कोई निर्धारित मानक है कि जब आप यहां पहुंचेंगे तो आप उत्कृष्टता हासिल कर लेंगे। कोहली मौजूदा विश्व कप में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक से 53 रन पीछे दूसरे स्थान पर हैं। कोहली ने बांग्लादेश के खिलाफ शतक जड़ा था और वह एकदिवसीय क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर के सर्वाधिक शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ने से दो शतक पीछे हैं।

पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने भाला फेंका में जीता गोल्ड

तोड़ा डाला अपना बनाया विश्व रिकॉर्ड

हांगझोउ (एजेंसी)। गत पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने बुधवार को यहां हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में भाला फेंक की एफ64 स्पर्धा में नया विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। 25 साल के सुमित ने 73.29 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने 70 .83 मीटर के अपने ही विश्व रिकॉर्ड में सुधार किया जो उन्होंने इस साल पेरिस में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान बनाया था। एक अन्य भारतीय पुष्पेंद्र सिंह ने इसी स्पर्धा में 60.06 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। श्रीलंका के समिता अराचचिगे कोडिथुवाकु (64.09) को रजत पदक मिला। सुमित ने तोक्यो पैरालंपिक की पुरुष भाला फेंक एफ64 स्पर्धा में 68.55 मीटर के प्रयास से स्वर्ण पदक जीता था जो तत्कालिन विश्व रिकॉर्ड था। मौजूदा हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों लें यह भारत का 10वां स्वर्ण पदक है जबकि उसके कुल पदक की संख्या 36 हो गई है।

जीत के बाद बोले कोच डुमिनी, लय से आत्मविश्वास मिलता है

मुंबई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी कोच और पूर्व क्रिकेटर जेपी डुमिनी ने कहा कि उनकी टीम पिछले कुछ दिनों में हासिल की गई लय को चेन्नई में पाकिस्तान के खिलाफ अगले विश्व कप मुकाबले में जारी रखने का प्रयास करेगी। धर्मशाला में नीदरलैंड के खिलाफ हार के साथ उलटफेर का शिकार होने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने लगातार दो मैच में 350 रन से अधिक का स्कोर खड़ा करते हुए गत चैंपियन इंग्लैंड और बांग्लादेश को हराया।

डुमिनी ने मंगलवार को यहां बांग्लादेश पर 149 रन की जीत के बाद संवाददाताओं से कहा, 'हम निश्चित रूप से इससे आत्मविश्वास हासिल करेंगे। हम बात करते हैं कि लय से आत्मविश्वास मिलता है। आप लगातार मुकाबलों में जीत के बारे में सोचते हैं और मुझे लगता है कि हम पिछले दो मैच में जिस तरह से खेले उससे हम निश्चित रूप से काफी आत्मविश्वास हासिल करेंगे।

दक्षिण अफ्रीका का नेट रन रेट भारत से बेहतर है और वह शुक्रवार को यहां पाकिस्तान को हराकर मेजबान टीम को पछाड़कर अंक तालिका में शीर्ष पर आने की कोशिश करेगा। डुमिनी ने कहा, 'पाकिस्तान के खिलाफ बड़े मैच में हम निश्चित रूप से जीत का आनंद लेना चाहते हैं। ऐसे क्षेत्र हैं जहां हम सुधार कर सकते हैं, हमेशा ऐसे क्षेत्र होते हैं जिन पर आप ध्यान केंद्रित कर सकते हैं और देख सकते हैं कि हम कैसे बेहतर हो सकते हैं। पाकिस्तान के खिलाफ अगला मैच जाहिर तौर पर हमारे लिए महत्वपूर्ण है।

हालांकि दक्षिण अफ्रीका की लक्ष्य का पीछा करते समय दबाव झेलने की क्षमता पर बड़ा सवाल बना हुआ है क्योंकि उन्होंने अपनी प्रत्येक जीत पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर बनाकर दर्ज की है। डुमिनी का मानना है कि उनकी टीम तैयार होगी क्योंकि उनका मंत्र परिस्थितियों को अच्छी तरह से समझना है। डुमिनी ने कागिसो रबादा की मौजूदगी का हवाला देते हुए इस धारणा को खारिज कर दिया कि दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी क्रम में अनुभव की कमी है।

उन्होंने कहा, 'हमें सीखने के जो मौके मिल रहे हैं उसे लेकर मैं उत्साहित हूं। जितना हम अनुभवहीनता के बारे में बात करते हैं, रबादा काफी समय से खेल रहा है और वह अनुभव लेकर आता है। और उन्होंने निश्चित रूप से इस विश्व कप में आक्रामकता और सटीकता दिखाई है, जो शानदार है।

डूमिनी ने कहा, 'लोगों ने उसका समर्थन किया है, मार्को यानसेन युवा है, उसके पास जो नियंत्रण है वह रोमांचक है। वह नई गेंद को स्विंग करता है जिससे हम काफी उत्साहित हैं। क्विंटन डिकॉक मौजूदा विश्व कप के पांच मैचों में तीन शतक लगा चुके हैं लेकिन कोच डुमिनी को गर्व है कि प्रतियोगिता के बाद विश्व कप से संन्यास लेने वाले इस विकेटकीपर बल्लेबाज में टीम के लिए बड़ी पारियां खेलने की भूख है।

पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी हालेप ने डोपिंग प्रतिबंध के खिलाफ अपील की

लुसाने (स्विट्जरलैंड) (एजेंसी)। दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन सिमोना हालेप ने खेल पंचाट में अपील करके डोपिंग उल्लंघन के कारण उन पर लगे चार साल के प्रतिबंध को हटाने की अपील की है। खेल पंचाट ने मंगलवार को कहा कि उसने सितंबर में अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए)के फैसले के खिलाफ दुनिया की पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी हालेप की अपील पंजीकृत कर ली है। आईटीआईए ने 2022 अमेरिकी ओपन के दौरान डोप परीक्षण में विफल रहने और खिलाड़ी जैविक पासपोर्ट में अनियमितताओं के बाद कहा था कि हालेप ने 'जानबूझकर डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन' किया है।

अगर सेमीफाइनल में नहीं पहुंचे तो पाइंड टेबिल में 5-6 पर खत्म करना पसंद करूंगा : शाकिब अल हसन

मुंबई (एजेंसी)। बांग्लादेश टीम क्रिकेट विश्व कप 2023 के प्वाइंट टेबल में आखिरी स्थान पर आ गई है। दक्षिण अफ्रीका ने वानखेड़े के मैदान पर बांग्लादेश को 149 रनों से हरा दिया। शर्मनाक हार झेलने के बाद बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन निराश दिखे। शाकिब ने कहा कि हमने पहले 25 ओवर अच्छी गेंदबाजी की। हमें तीन विकेट मिले। वे लगभग 5 रन प्रति ओवर की दर से रन बना रहे थे। वहां से उन्होंने गेयर बदल दिया। क्विंटन ने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की और क्लासेन ने जिस तरह से अंत किया उसका हमारे पास कोई जवाब नहीं था। शाकिब बोले- ऐसे मैदान पर ऐसा हो सकता है लेकिन हमें बेहतर गेंदबाजी करनी चाहिए थी। आखिरी 10 ओवर में हम मैच हार गए। इस बारे में काफी चर्चा हो रही है कि क्या मुश्फिक और महमुदुल्लाह को ऊपर बल्लेबाजी करनी चाहिए। लेकिन उनके पास जो भूमिका है, वे बहुत अच्छा कर रहे हैं। हमारे शीर्ष 4 बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। इस टूर्नामेंट में अभी लंबा सफर तय करना है, कुछ भी हो सकता है। सीखने के लिए बहुत कुछ है और

खेलने के लिए भी बहुत कुछ है। अगर सेमीफाइनल में नहीं तो 5-6 से खत्म करना पसंद करूंगा। हम ऐसी टीम की तरह नहीं खेल रहे हैं जो ऐसा कर सकती है, लेकिन उम्मीद है कि हम मजबूत अंत करेंगे।

तमीम इकबाल की कमी हो रही महसूस – बांग्लादेश को क्रिकेट विश्व कप के दौरान ओपनर तमीम इकबाल की कमी महसूस हो रही है। बांग्लादेश की टूर्नामेंट में ओपनिंग पार्टनरशिप अच्छी नहीं रही है। तंजीद हसन और लिटन दास ने कुछ अच्छी पारियां जरूर खेली हैं लेकिन दोनों टीमों को बड़ी शुरूआत देने में विफल रहे हैं। तमीम के 243 वनडे में 8357 रन है। उनके बल्ले से 14 शतक भी निकले हैं। वह बांगलादेश की ओर से सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी हैं। निश्चित तौर पर बांग्लादेश टीम उनकी कमी महसूस कर रहा है।

तमीम-शाकिब का विवाद टीम पर पड़ा भारी – क्रिकेट विश्व कप से ठीक पहले बांग्लादेशी ओपनर तमीम इकबाल से कप्तान शाकिब की खटपट हो गई थी। शाकिब चाहते थे कि तमीम टीम में पांचवें से छठे स्थान पर खेले ताकि डेथ ओवर्स में वह अच्छे रन बना सके। तमीम इसके लिए तैयार नहीं हुआ। तमीम ने एक वीडियो जारी कर कप्तान पर कई तरह के आरोप लगाए थे। इससे पहले भी तमीम वनडे क्रिकेट से रिटायरमैंट ले चुके थे लेकिन एक दिन बाद ही उन्होंने अपना फैसला बदल दिया था। मैच की बात करें तो बेहतरीन फॉर्म में चल रहे क्विंटन डिकॉक के बड़े शतक और हेनरिक क्लासेन की तूफानी पारी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने महमुदुल्लाह के सैकड़े के बावजूद मंगलवार को यहां बांग्लादेश को 149 रन से करारी शिकस्त देकर आईसीसी वनडे विश्व कप में अपनी चौथी जीत दर्ज की।

साउथ अफ्रीका से हार के बाद बोले महमूदुल्लाह

काफी चीजों के बारे में बात करना चाहता हूं लेकिन...

मुंबई (एजेंसी)। विश्व कप से पहले बांग्लादेश के चयनकर्ताओं के बर्ताव पर एक शब्द भी बोले बिना सीनियर बल्लेबाज महमूदुल्लाह ने कहा कि कहने के लिए बहुत कुछ है लेकिन टूर्नामेंट के बीच में अपने मन की बात कहने का यह सही समय नहीं है। महमूदुल्लाह की बल्लेबाजी टूर्नामेंट में बांग्लादेश के लिए कुछ सकारात्मक चीजों में से एक है क्योंकि वे चार हार के बाद अंक तालिका में अंतिम स्थान पर चल रहे हैं।

छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 111 रन की शानदार पारी खेली जो उनका चौथा एकदिवसीय शतक और पिछले छह वर्षों में पहला शतक है। शाकिब अल हसन की अगुवाई वाली टीम को हालांकि मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 149 रन से हार झेलनी पड़ी। ऐसा माना जा रहा था कि यह 37 वर्षीय खिलाड़ी विश्व कप से पहले चयनकर्ताओं की योजना का हिस्सा नहीं था लेकिन अन्य बल्लेबाजों, विशेषकर युवा ब्रिगेड के खराब प्रदर्शन के बाद छह महीने बाद उनकी वापसी हुई।

महमूदुल्लाह ने मंगलवार को मैच के बाद मीडिया से कहा, 'वह अच्छा समय था। मैं उस

समय के बारे में कुछ नहीं कह सकता। मैं कई चीजों के बारे में बात करना चाहता हूं लेकिन यह बात करने का सही समय नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैं केवल इतना कह सकता हूं कि मैं टीम के लिए योगदान देना चाहता था। मैं और अधिक योगदान देना चाहता था ताकि हम मैच जीत सकें। शायद अल्लाह ने मुझे आगे बढ़ने की ताकत दी है। मैंने अपनी फिटनेस सही रखने की कोशिश की। कड़ी मेहनत करता रहा। मैं बस इतना ही कर सकता हूं।

दक्षिण अफ्रीका के 383 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम एक समय 81 रन पर छह विकेट गंवा चुकी थी लेकिन महमूदुल्लाह ने पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ मिलकर टीम को 233 रन तक पहुंचाया। अपने 225 मैच के करियर का चौथा शतक महमूदुल्लाह ने उन लोगों को समर्पित किया जिन्होंने 'पिछले तीन महीनों में उनका समर्थन किया था।

उन्होंने कहा, 'मैं इसे अपने परिवार और उन लोगों को समर्पित करना चाहता हूं जिन्होंने पिछले तीन महीनों में मेरा समर्थन किया और मेरे लिए प्रार्थना की। मैं उन लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मेरा समर्थन किया और उन लोगों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मेरा समर्थन नहीं किया।

इस 37 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि उन्हें कोच चंडिका हथुरुसिंघे ने कहा था कि वह छठे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे जबकि बांग्लादेश को मध्य क्रम में उनके अनुभव की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, 'मैंने टीम के लिए योगदान देने की कोशिश की। मैंने अपने पूरे करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। (निचले क्रम पर बल्लेबाजी करना) ठीक है। कल (सोमवार को) कोच ने मुझे कहा कि मैं छठे नंबर पर बल्लेबाजी करूंगा। मैं मैदान पर गया और अपना खेल खेला।

विश्व कप 2023

श्रीलंका से मैच पूर्व बोले मोईन अली- आक्रामकता की कमी इंग्लैंड को भारी पड़ रही है

बेंगलुरु (एजेंसी)। पिछले कुछ वर्षों में सफेद गेंद के प्रारूप में इंग्लैंड की सफलता पूरी तरह से आक्रामकता पर आधारित थी और ऑलराउंडर मोईन अली ने मंगलवार को स्वीकार किया कि गत चैंपियन टीम मौजूदा विश्व कप में उस तरह का क्रिकेट खेलने में नाकाम रही है। इंग्लैंड मौजूदा टूर्नामेंट में चार में से तीन मैच हार चुका है और सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखने के लिए उसे आगामी मुकाबले जीतने होंगे।

मोईन ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'हम 2015 से आक्रामक क्रिकेट खेल रहे हैं और हमने ऐसा काफी अच्छी तरह किया है। मुझे लगता है कि क्रिकेट खेलने के उस तरीके की कमी के कारण हमें इस टूर्नामेंट में थोड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें उस तरह से खेलने की ज़रूरत है लेकिन गेंद को ताबड़तोड़ मारने की जरूरत नहीं है। हमें उस तरह की आक्रामक टीम बनना होगा जो हमें पता है हम बन सकते हैं।

हालांकि मोईन ने स्वीकार किया कि हमेशा उस तरह का क्रिकेट खेलना आसान नहीं होता है क्योंकि इसके लिए निरंतर आक्रामकता की आवश्यकता होती है।

उन्होंने कहा, 'यह हमेशा इतना आसान नहीं होता है। हां, ज्यादातर समय आप चाहते हैं कि खिलाड़ी तेजी से रन बनाए और लंबे समय तक रन बनाए, इससे बाकी लोगों के लिए चीजें आसान हो जाती हैं लेकिन यह हमेशा इस तरह काम नहीं करता है।

इस 36 वर्षीय खिलाड़ी को उम्मीद है कि जॉनी बेयरस्टो और डेविड मलान की सलामी जोड़ी और तीसरे नंबर का बल्लेबाज जल्द ही अच्छा प्रदर्शन करेगा जिससे कि मध्य क्रम के खिलाड़ी इसका फायदा उठा सकें। जैसा कुछ दक्षिण अफ्रीका यहां कर रहा है। मोईन ने कहा, ''अगर आपके शीर्ष तीन खिलाड़ी रन बनाते हैं तो निश्चित रूप से इससे बाकी खिलाड़ियों की मदद होती है और आप बड़े स्कोर बनाने में सफल होते हैं।

मोईन ने तर्क दिया कि उनका और कप्तान जोस बटलर का आईपीएल में खेलने का अनुभव टूर्नामेंट के किसी चरण में इंग्लैंड के लिए अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा कि पूरी टीम को अपनी किस्मत में बदलाव लाने के लिए जल्द ही फिर से संगठित होना होगा। मोईन ने कहा, 'हम निराश हैं। आपको जितनी जल्दी हो सके आगे बढ़ना होगा और फिर से संगठित होना होगा। प्रत्येक मैच जीतना जरूरी है और हम जानते हैं कि हम पहले भी इस स्थिति में रहे हैं, शायद इस हद तक नहीं।

उन्होंने कहा, 'हमें आत्मविश्वास हासिल करना होगा और अच्छा प्रदर्शन करना होगा तथा बेहतर बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण करना होगा। मोईन ने अपने साथियों को व्यक्तिगत लक्ष्यों को भूलकर इस बात पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भी प्रेरित किया कि इंग्लैंड को इस विश्व कप में वापसी कैसे दिलाई जाए।

संक्षिप्त समाचार

उरापक्कम में रेलवे ट्रैक पार करते वक्त दर्दनाक हादसा, ट्रेन की चपेट में आने से तीन दिव्यांगों की मौत

चेन्नई एजेंसी। तमिलनाडु के उरापक्कम में बड़ा हादसा हुआ है। यहां ट्रेन की चपेट में आने से तीन दिव्यांगों की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, मृतकों में दो भाई भी थे। तीनों दिव्यांग रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गए थे। पुलिस ने कहा कि मंगलवार को शहर के बाहरी इलाके में उरापक्कम के पास एक उपनगरीय ट्रेन की चपेट में आने से दो भाइयों समेत तीन बच्चों की मौत हो गई। सभी दिव्यांग थे। तीनों की उम्र 11 से 15 साल के बीच थी और ये कर्नाटक के रहने वाले थे। तीनों बच्चे रेलवे ट्रैक को पार कर रहे थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि तीनों में से दो भाई मूक-बधिर थे, जबकि तीसरा बोल नहीं सकता था। उनके माता-पिता चेन्नई में दिहाड़ी मजदूर करते हैं। रेलवे पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। उधर, तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई में भीषण सड़क हुआ। यहां कार और बस की टक्कर हुई है। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा देर रात तिरुवन्नमलाई में हुआ। कार की सरकारी बस के साथ जोरदार टक्कर हो गई थी। मृतकों में ज्यादातर श्रमिक थे।

पुलिस की तारीफ करते हुए बोले सीएम बीरेन सिंह- मणिपुर में अवैध अप्रवासी स्वीकार नहीं

इंफाल एजेंसी। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने मंगलवार (24 अक्टूबर) को कहा कि उनकी सरकार राज्य में अवैध अप्रवासियों को कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने मणिपुर पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि सोमवार को चूड़ाचांदपुर से म्यांमार के उग्रवादी संगठन चिन कुकी लिबरेशन आर्मी (सीकेएलए) के दो सदस्यों की गिरफ्तारी से राज्य की जातीय हिंसा में बाहरी समूहों की भागीदारी की बात सामने आई है। गत मई की शुरुआत में भड़की जातीय हिंसा में 180 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। सीएम बीरेन सिंह इंफाल पूर्वी जिले के एंड्रो में तीन परियोजनाओं के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं पारंपरिक और सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त 34 समुदायों के बीच पुराने संबंध कायम रखने के लिए आपका समर्थन चाहता हूं। उन्होंने कहा कि 34 स्वदेशी समुदायों के लोगों के घर वाला राज्य का मोइरांग का जातीय पार्क लोगों के बीच भावनात्मक संबंधों का प्रमाण है। साथ ही कहा कि हमारा मामला केंद्र सरकार ने उठाया है। एनआईए ने भी स्पष्ट किया कि मणिपुर में मामला न तो अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक और न ही हिंदू और ईसाइयों के बीच का है। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने कहा कि यह मणिपुर के संगठनों के साथ मिलकर म्यांमार और बांग्लादेश के आतंकी समूहों द्वारा देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने का मामला है। सीकेएलए के दो सदस्यों की गिरफ्तारी से भी यह बात स्पष्ट हो चुकी है। मणिपुर पुलिस ने भारत-म्यांमार सीमा से लगे चैजांग क्षेत्र से सोमवार को सीकेएलए के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया था। इनके कब्जे से बड़ी संख्या में हथियार और कारतूस समेत नकदी और अफीम बरामद की गई थी।

2030 तक भारत में 18 प्रतिशत बिजली सौर ऊर्जा से पैदा होगी, आईईए का दावा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में 2030 तक उत्पादित बिजली का 18 प्रतिशत हिस्सा सौर स्त्रोतों से आएगा। यह आज के छह प्रतिशत से अधिक होगा। यह भविष्यवाणी अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने की है। आईईए के मंगलवार को प्रकाशित वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक 2023 ने संकेत दिया है कि सौर, पवन, इलेक्ट्रिक कारों और ताप पंपों जैसी स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की अभूतपूर्व वृद्धि के कारण नवीकरणीय ऊर्जा 2030 तक दुनिया की आधी बिजली प्रदान करेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि सड़क पर 2030 तक लगभग 10 गुना इलेक्ट्रिक कारें होंगी। हालांकि, चेतावनी भी दी गई है कि उत्सर्जन अभी भी इतना अधिक है कि तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस की महत्वपूर्ण सीमा से ऊपर बढ़ने से रोका नहीं जा सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत में 2030 तक 18 प्रतिशत बिजली सौर ऊर्जा से पैदा होगी, जोकि आज के छह प्रतिशत से अधिक है। दरअसल, भारत ने 2030 तक लगभग 270 गीगावाट सौर क्षमता समेत गैर-जीवश्म ईंधन से 500 गीगावाट स्थापित क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

उद्धव ठाकरे बोले- देश को मजबूत सरकार की जरूरत, लेकिन भारी बहुमत वाली एक पार्टी की नहीं

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने मुंबई के शिवाजी पार्क की दशहरा रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर जमकर हमला बोला। उद्धव ने कहा कि देश को एक मजबूत सरकार की जरूरत है, लेकिन भारी बहुमत वाली एक पार्टी की नहीं। जब (शासक की) कुर्सी अस्थिर होती है, तो देश मजबूत हो जाता है। उन्होंने मिली-जुली सरकार की वकालत की और मनमोहन सिंह, पीवी नरसिम्हा राव और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकारों का जिक्र किया।

उन्होंने अपने मित्र से शत्रु बनी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा, हमने एक मजबूत सरकार देखी। एक मजबूत सरकार होनी चाहिए, लेकिन प्रचंड बहुमत वाली किसी एक पार्टी की नहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की हिटलर से तुलना कर दी। उद्धव ने कहा कि हमें घरानेशाही पर अभिमान है। पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, जो परिवारवाद की व्यवस्था को नहीं मानते उन्हें घरानेशाही पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। परिवारवाद हिंदू संस्कृति का आधार है। हर घराने की परंपरा और संस्कार होते हैं। ठाकरे ने कहा, हिटलर, ब्लादिमिर पुतिन, मुसोलिनी और स्टालिन की घरानेशाही नहीं थी। जब ऐसे लोगों के हाथ में सत्ता आती है तो क्या होता है, जर्मनी इसका उदाहरण है।

भाजपा ऐसी विघ्नसंतोषी है कि शादी में जाकर भरपेट खाकर दूल्हा और दुल्हन में झगड़ा लगा देती है। ये लोग किसी आंदोलन में शामिल नहीं हुए लेकिन जहां जाते हैं सत्यानाश करते हैं। उद्धव ने शिंदे पर निशाना साधते हुए उद्धव ने कहा कि जिस तरह रावण ने सीता को चुराया था उसी प्रकार शिवसेना और धनुष बाण को चुराया है। ऐसे चोरों को लंका को मशाल (ठाकरे का चुनाव चिन्ह) से जलाएंगे। उन्होंने कोरोना काल में खिचड़ी घोटाले की जांच को लेकर केंद्र सरकार को चेतावनी दी कि अगर उन्हें परेशान किया गया तो हम उल्टा लटका देंगे। पीएम केयर फंड पर घोटाले का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की। वहीं, विधायकों की अपात्रता को लेकर सुप्रीम कोर्ट में तारीख पर तारीख पर भी आपत्ति जताई और चुनौती दी कि हिम्मत है तो सरकार राज्य में चुनाव कराए।

कॉम्प्लेक्स बेचने के नाम पर हड़पे दो करोड़, लंदन से लौटते ही फरार कंपनी डायरेक्टर गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। करोड़ 33 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे एक कंपनी के निदेशक को पुलिस ने मंगलवार को लंदन से लौटते ही दिल्ली हवाई अड्डे पर दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ नोएडा पुलिस ने कुछ समय पहले लुकआउट नोटिस जारी किया था। आरोपी निदेशक की पहचान दिल्ली के मधु विहार निवासी श्रवण कुमार चौधरी के रूप में हुई है। केस दर्ज होने के बाद ही आरोपी लंदन भाग गया था। उसे एआईजी एयरपोर्ट नई दिल्ली के टर्मिनल तीन के गेट नंबर पांच से दबोचा गया।

पुलिस ने बताया कि 31 जुलाई 2023 को सेक्टर-19 के सुशील कुमार ने फेज वन में दी शिकायत में बताया कि दिल्ली निवासी श्रवण कुमार ने उससे कहा कि वह गुजारा कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का निदेशक है। उसने आगे कहा कि हरौला के सेक्टर पांच में गुजारा कंस्ट्रक्शन के नाम पर 423 वर्ग गज का एक व्यावसायिक कांप्लेक्स बेसमेंट से सात मंजिल तक बना है। इसके बाद शिकायतकर्ता के पूरे कांप्लेक्स का आधा हिस्सा खरीदने के लिए नौ करोड़ 50 हजार रुपये में सौदा तय किया। इसको लेकर 25 नवंबर 2022 को शिकायतकर्ता और श्रवण के बीच इकरार हुआ।

इकरारनामा के समय ही शिकायतकर्ता ने कंपनी के निदेशक को बतौर टोकन मनी 90 लाख रुपये दे दिए। इसके बाद बने इकरारनामे को रजिस्टर्ड कराने के लिए शिकायतकर्ता बार-बार श्रवण को बोलता रहा। इसी बीच शिकायतकर्ता ने श्रवण कुमार द्वारा बताए गए खाते में एक करोड़ 43 लाख नौ हजार 13 रुपये ट्रांसफर कर दिए। इकरारनामे में शर्त लिखी गई थी कि विक्रेता श्रवण चौधरी की तरफ से रजिस्ट्री और मुटेशन में कोई दिक्कत आती है तो सौदा कैंसिल समझा जाएगा। क्रेता जो रुपये दे चुका होगा, उसे विक्रेता को वापस करना होगा।

सांड़ों के झुंड ने रामलीला मैदान में मचाया जमकर उत्पात

नईदिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद के मोदीनगर की गोविन्दपुरी कॉलोनी स्थित महर्षि इंटर कॉलेज के मैदान में रावण दहन के दौरान सांडों के झुंड द्वारा जमकर उत्पात मचाया गया। इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ है। पुलिस ने बीस मिनट की मशक्कत के बाद सांडों को काबू में पा लिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी काफी वायरल हो रहा है। नगर की गोविन्दपुरी कॉलोनी स्थित महर्षि इंटर कॉलेज के मैदान में रावण व कुम्भकरण दहन किया जाता है।

मंगलवार शाम को रावण व कुमभकरण दहन की तैयारी की जा रही थी। भीड़ को नियंत्रण करने के लिए बैरिकेडिंग की गई थी। जिस स्थान पर रावण व कुम्भकरण के पुतले लगाए गए थे ,वहां पर बेरिकेडिंग की गई थी। वहां से भीड़ दस फीट की दूरी पर थी। मंगलवार शाम साढे छह बजे के आसपास अचानक जिस स्थान पर पुतले रखे गए थे,वहां पर अचानक पांच सांड आ गए और उत्पात मचाने लगे। सांड आपस में लड़ने लगे। इस दौरान मैदान में अफरा तफरी का माहौल बन गया।

मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने बीस मिनट की मशक्कत के बाद किसी तरह लाठी डंडों से सांडों को मैदान से बाहर का रास्ता दिखा गया। बताया जा रहा है कि सांडों को मैदान से एक किलोमीटर दूर जाकर छोड़ा गया। सांडों के उत्पात मचाने का वीडियो सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हो रहा है। हालाकि हिन्दुस्तान अखबार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। एसीपी ने बताया कि इसमें किसी को कोई हानि नहीं हुई है। वहीं, मोदीनगर में रामलीला मैदान में सांड के घुसने पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने फेसबुक और एक्स पर लिखा है। उन्होंने लिखा, प्रशासन का कार्य मेलों के लिए न केवल अनुमति देना बल्कि सुरक्षा व्यवस्था देखना भी होता है। यदि मेले में खुले घूमते हुए अन्ना पशु मेला प्रशासन और पुलिस को नहीं दिख रहे हैं तो उन असामाजिक तत्वों से जनता की सुरक्षा कैसे होगी जो दिखते भी नहीं हैं। जनता की हिफ़ाज़त करना सरकारों का सबसे संवेदनशील कर्तव्य होता है।

दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे चिंटल सोसाइटी के बेघर लोग, पीएम मोदी तक पहुंचाएंगे अपनी बात

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम के सेक्टर-109 के चिंटल पैराडाइसो सोसाइटी के लोगों ने प्रधानमंत्री को अपना दर्द बताने के लिए दिल्ली में 29 अक्टूबर को प्रदर्शन करने का फैसला किया है। सोसाइटी के पांच टावर डी, ई, एफ, जी और एच असुरक्षित घोषित होने के बाद जिला प्रशासन की ओर से खाली करा लिया गया। इससे 288 फ्लैट मालिक बेघर हो गए हैं।

लोगों का आरोप है कि बिल्डर प्रशासक के साथ मिलीभगत कर फ्लैटों का दोबारा निर्माण करने को तैयार नहीं है। टावर जी और एच में रहने वाले 50 फीसदी परिवारों का कहना है कि ईएमआई और किराये का बोझ एक साथ झेलने की स्थिति में नहीं हैं। प्रशासन ने उनके रहने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की। जब तक बिल्डर फ्लैटों का पुनर्निमाण या पूरा पैसा नहीं दे देता है। तब तक बिल्डर लोगों को रहने का किराया दे। उनके फ्लैटों की मार्केट रेट 15 से 16 हजार रुपये प्रति वर्ग फीट है। वहीं जिला प्रशासक की वैल्यूएशन रिपोर्ट में 6500 रुपये प्रति वर्ग फीट की दर से फ्लैट की कीमत दी जा रही है। वैल्यूएशन रिपोर्ट पूरी तरह गलत है। 10 फरवरी 2022 को सोसाइटी के डी टावर की छठवीं मंजिला का छत भरभरा कर गिर गई थी। इस हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। हादसे की पुलिस रिपोर्ट दर्ज हुई। जिला प्रशासन ने एसआईटी गठित कर की जांच की गई। आईआईटी दिल्ली की टीम ने संरचनात्मक जांच की। लोगों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश है कि टावरो से फ्लैट खाली कराने के बाद लोगों को रहने के लिए मकान का किराया बिल्डर मुहैया कराए। लेकिन बिल्डर द्वारा किराया नहीं दिया जा रहा है। अब डेढ़ सौ लोगों दिल्ली के जंतर मंतर पर बिल्डर के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। एच टावर में रहने मनोज सिंह ने कहा कि फ्लैट खाली कराने के बाद बिल्डर किराया तक नहीं दे रहा है। पैसा लौटाने के नाम पर बिल्डर लोगों को गुमराह कर रहा है। बिल्डर की ओर से कहा जा रहा है कि सौ फ्लैट मालिको को पैसा लौटाया जा रहा है। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि बेघर होने के बाद जिला प्रशासन किराया तक नहीं दिला सका।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने दो भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय पदक से किया सम्मानित

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक अशोक गाडगिल और डॉ. सुब्रा सुरेश सहित कई अन्य लोगों को इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और जीव विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार के लिए प्रतिष्ठित व्हाइट हाउस राष्ट्रीय पदक से सम्मानित किया। अग्रणी अमेरिकी नवप्रवर्तकों को प्रदान किया जाने वाला यह पुरस्कार उन लोगों के कार्यों को मान्यता देता है, जिन्होंने अमेरिका की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और जीवन की गुणवत्ता सुधारने में स्थायी योगदान दिया है और देश के प्रौद्योगिकी कार्यबल को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है।

बाइडन ने मंगलवार को कई लोगों को प्रतिष्ठित विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं नवाचार पदक प्रदान किया, जिनमें सुब्रा सुरेश और अशोक गाडगिल शामिल थे। 'नेशनल साइंस फाउंडेशन के पूर्व प्रमुख सुब्रा सुरेश ब्राउन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग में प्रोफेसर हैं। सुरेश को इंजीनियरिंग, भौतिक विज्ञान और जीव विज्ञान में अग्रणी अनुसंधान और विशेष रूप से सामग्री विज्ञान के अध्ययन और अन्य विषयों में इसके अनुप्रयोग को आगे बढ़ाने के लिए इस पदक से

सम्मानित किया गया। 'नेशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी मेडल्स फाउंडेशन की घोषणा में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार अनुसंधान और सहयोग के लिए सुरेश की प्रतिबद्धता का उल्लेख किया गया है, जो यह दिखाता है कि विज्ञान लोगों और राष्ट्रों के बीच समझ और सहयोग को कैसे बढ़ावा दे सकता है। ब्राउन यूनिवर्सिटी के एक बयान के अनुसार सुरेश ने कहा, ''यह बहुत संतोषजनक है। मुझे इस सम्मान पर विशेष गर्व है। वर्ष 1956 में भारत में जन्मे सुरेश ने 25 साल की उम्र तक स्नातक, परास्नातक और पीएचडी की डिग्री हासिल कर ली। उन्होंने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी की डिग्री केवल दो वर्षों में प्राप्त की। सुरेश 1983 में इंजीनियरिंग संकाय के सबसे कम उम्र के सदस्य के रूप में ब्राउन विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य बने।

ब्राउन विश्वविद्यालय में 10 वर्ष काम करने के बाद सुरेश नेशनल साइंस फाउंडेशन (एनएसएफ) का नेतृत्व करने वाले एशियाई मूल के पहले अमेरिकी बने और तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा नामित किए जाने के बाद उन्होंने इसके 13वें निदेशक के रूप में कार्य किया। वहीं, गाडगिल यूसी बर्कले में सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग के एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर एमेरिटस हैं, जिन्होंने विकासशील दुनिया की कुछ सबसे कठिन समस्याओं के लिए कम लागत वाले समाधान विकसित किए हैं। इनमें सुरक्षित पेयजल तकनीक, ऊर्जा-कुशल स्टोव और किफायती बिजली बनाने के उपाय शामिल हैं।

इजरायल-हमास युद्ध से महाशक्तियां भी घबराईं? क्यों चीन के साथ काम करने तैयार हुआ यूएस

इजरायल, एजेंसी। इजरायल और हमास के युद्ध के बीच महाशक्तियां भी चिंतित नजर आ रही हैं। खबर है कि अमेरिका और चीन भी मध्य पूर्व में जारी संघर्ष को फैलने से रोकने के लिए साथ काम करने तैयार हो गए हैं। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इसके संकेत दिए हैं। कहा जा रहा है कि चीनी राजनयिक वांग यी इस सप्ताह में अमेरिका की यात्रा करने जा रहे हैं।

ब्लिंकन ने संयुक्त राष्ट्र को बताया है कि वह यी के साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा, इस परिषद के सदस्यों और खासतौर से स्थायी सदस्यों के पास इस संघर्ष को रोकने की विशेष जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, मैं पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के अपने समकक्ष के साथ काम जारी रखने को लेकर उत्साहित हूं। यी गुरुवार को अमेरिका क राजधानी वॉशिंगटन पहुंचेंगे।

अमेरिका की यात्रा के दौरान यी ब्लिंकन के साथ-साथ राष्ट्रपति जो बाइडेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन से भी मिलेंगे। खबर है कि अमेरिका के अधिकारियों ने भी ईरान समेत मध्य पूर्व के कई देशों पर चीन के प्रभाव का इस्तेमाल करने के लिए बीजिंग की यात्रा की थी, ताकि जारी संघर्ष की आग को आगे फैलने से रोका जा सके। कहा जा रहा है कि गाजा पर इजरायल की कार्रवाई ने कई मुस्लिम बहुल देशों में नाराजगी पैदा कर दी है। ऐसे में अमेरिका को चिंता है कि संघर्ष बड़ा रूप न ले ले। इधर, चीन भी लगातार सीजफायर की अपील कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुतारेस ने मंगलवार को कहा कि सशस्त्र संघर्ष में कोई भी पक्ष अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून से ऊपर नहीं है। उन्होंने गाजा पट्टी पर लगातार बमबारी पर गहरी चिंता व्यक्त की और दोनों पक्षों से हिंसा के और बढ़ने से पहले पीछे हटने की अपील की। पश्चिम एशिया पर सुरक्षा परिषद की मंत्रिस्तरीय बैठक में गुतारेस ने कहा, पश्चिम एशिया में स्थिति समय के साथ और भी गंभीर होती जा रही है।

दिल्ली में दहन के बीच गिरा रावण का पुतला, कंगना को निकालने के चक्कर में लोगों से उलझे बाउंसर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लाल किला में लव कुश रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित रामलीला कार्यक्रम में कुछ परेशान करने वाली घटनाएं भी घटीं। बताया जाता है कि पुतला दहन करने के लिए तीर कमान चलाने के बाद जब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मंच से चले गए तो इसके लगभग 10 मिनट बाद जलता हुए रावण की आग बुझ गई। इसके बाद रावण का पुतला लव कुश रामलीला के मैदान पर धड़ाम से गिर गया। हालांकि राहत की बात यह कि इसमें कोई घायल नहीं हुआ। लोग रावण के पुतले से बहुत दूर थे। कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत भी पहुंची थीं। उन्हें देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा थी। जब वह जाने लगीं तब उन्हें ले जाते समय बाउंसर लोगों से उलझ गए। बाउंसरों ने लड़कियों, मीडिया फोटो पत्रकारों के साथ कथित तौर पर हाथपाई की। लेट होने के कारण मीडियाकर्मी रामलीला के मंच के साथ मौजूद वीआईपी एंट्री से निकलना चाहते थे लेकिन बाउंसरों ने रस्सी के जरिए उनको रोके रखा और जाने नहीं दिया। बाउंसरों ने मीडियाकर्मियों और लड़कियों के साथ अभद्रता की। मीडिया कर्मियों के अनुसार, कंगना रनौत को निकालने के कारण बाउंसरों ने ऐसा व्यवहार किया। इस संबंध में कमेटी की तरफ से उचित कदम नहीं उठाया गया। पुलिस भी मौके पर मौजूद रहकर तमाशबीन बनी रही। मीडिया कर्मियों के अनुसार, यह बेहद अप्रिय घटना है।

फिलिस्तीन की चिंता, नेतन्याहू को समर्थन; इजरायल-हमास की जंग में भारत किसके साथ?

संयुक्त राष्ट्र एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के उप स्थायी प्रतिनिधि (डीपीआर) राजदूत आर. रवींद्र ने इजरायल और हमास के बीच युद्ध पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने बुधवार को कहा, भारत इजरायल-हमास के बीच चल रहे युद्ध में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति और बड़े पैमाने पर नागरिक जीवन के नुकसान को लेकर काफी चिंतित है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में फिलिस्तीनी सहित मध्य पूर्व की स्थिति पर खुली बहस में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए रवींद्र ने यह बयान दिया। उन्होंने इस जंग में इजरायल का खुले तौर पर समर्थन भी किया और फिलिस्तीनियों के प्रति चिंता भी जाहिर की। यूएन में भारत ने सात अक्टूबर को इजरायल पर हुए आतंकी हमले के लिए हमास की कड़ी निंदा की।

बुधवार को यूएन में भारत की तरफ से बड़ा बयान आया। उपप्रतिनिधि आर रविंद्र ने कहा, इज़रायल में 7 अक्टूबर को हुए आतंकवादी हमले चौंकाने वाले थे और हम स्पष्ट रूप से उनकी निंदा करते हैं। हमारे प्रधान मंत्री पहले वैश्विक नेताओं में से एक थे जिन्होंने जानमाल के नुकसान पर अपनी संवेदना व्यक्त की और निर्दोष पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना की। उन्होंने आगे कहा, हम संकट की घड़ी में इजरायल के साथ एकजुटता से खड़े थे जब वे इन आतंकवादी हमलों का सामना कर रहे थे...पीड़ितों के परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना है। चल रहे संघर्ष में नागरिक हताहतों का मामला गंभीर है और निरंतर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि सभी पक्षों को नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की रक्षा करनी चाहिए।

हटाए गए चीन के रक्षा मंत्री, दो महीने से थे लापता

वित्त मंत्री भी बदले गए

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने लगभग दो महीने से लापता रक्षा मंत्री जनरल ली शांगफू को मंगलवार को हटाने की घोषणा की। पूर्व विदेश मंत्री छिन कांग के बाद शांगफू इस साल लापता होने वाले दूसरे वरिष्ठ चीनी अधिकारी हैं। कांग को जुलाई में बिना कोई स्पष्टीकरण दिए पद से हटा दिया गया था। शांगफू के उत्तराधिकारी के नाम की घोषणा नहीं की गई है। चीन ने वित्त मंत्री लियू कुन को भी हटा दिया और उनकी जगह लैन फोआन को नियुक्त किया। लियू तीसरे वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री हैं, जिन्हें बिना किसी स्पष्टीकरण के बदला गया है।

एक अन्य आधिकारिक घोषणा में कहा गया कि नेशनल पीपुल्स कांग्रेस ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री वांग झिगांग को हटा दिया और उनके स्थान पर यिन हेजुन को नियुक्त किया गया है। वांग ने जुलाई 2012 से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उप मंत्री के रूप में कार्य किया था और मार्च 2018 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री बने थे। वांग को हटाने के पीछे भी कोई कारण नहीं दिया गया है। मार्च में कैबिनेट फेरबदल के दौरान रक्षा मंत्री बने शांगफू को 29 अगस्त को भाषण देने के बाद से नहीं देखा गया है।

कांग और शांगफू के गायब होने से चीन की विदेश या रक्षा नीतियों में बदलाव का कोई संकेत नहीं मिलता है। हालांकि, दोनों नेताओं ने राष्ट्रपति और सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के नेता शी चिनफिंग के सत्ता में बने रहने पर सवाल उठाए थे। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने अपनी खबर में कहा कि ली और कांग को चीनी कैबिनेट से हटा दिया गया है। ऐसे में माना जा रहा है कि दोनों नेताओं का राजनीतिक करियर समाप्त हो गया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों नेताओं के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई या प्रतिबंध लगाए जाएंगे अथवा नहीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129